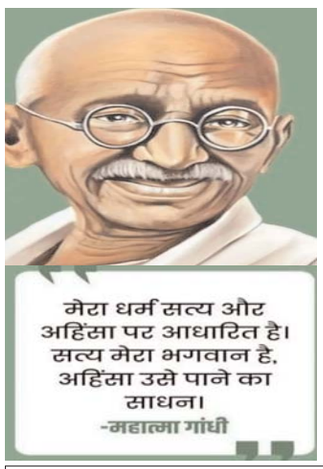

दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक K ✌ K RNI No.61546/95

क्षितिज ✌ किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-32 अंक-181 नर्मदापुरम (होशंगाबाद) बुधवार 26 अगस्त 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

हमारी निगरानी में हाई-पावर कमेटी, जंतर-मंतर विरोध प्रदर्शन मामला अभी लंबित है : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को साफ किया कि जंतर-मंतर पर छात्रों के विरोध-प्रदर्शन के दौरान पुलिस की कथित ज्यादतियों की जांच करने वाली हाई-पावर कमेटी उसकी देखरेख में काम करेगी। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि यह मामला अभी उसके पास लंबित है और इसका निपटारा नहीं हुआ है। साथ ही कोर्ट ने कहा, हमें जजों के नामों का जिक्र किया जाना पसंद नहीं है।

छात्रों के विरोध-प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा के मामले में कुछ याचिकाकर्ताओं ने सुप्रीम कोर्ट की बनाई उस हाई-पावर कमेटी के गठन पर चिंता जताई, जो पुलिस की कथित ज्यादतियों और प्रदर्शनकारियों की तोड़फोड़ की जांच कर रही है. सीनियर वकील गोपाल शंकरनारायणन ने भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची और वी. मोहना की बेंच के सामने एक अर्जी का जिक्र किया। शंकरनारायणन ने कहा कि जंतर-मंतर विरोध-प्रदर्शन मामले में सुप्रीम कोर्ट द्वारा बनाई गई कमेटी के संबंध में एक अर्जी दाखिल की गई है। उन्होंने बेंच से गुजारिश की कि इस अर्जी को अगले हफ़्ते कभी भी सुनवाई के लिए लिस्ट किया जाए। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने इसे बहुत शरारतपूर्ण अर्जी बताया और बेंच से गुजारिश की कि इसे मुख्य मामले के साथ ही लिस्ट किया जाए। मेहता ने कहा, मांग यह है कि आपके द्वारा बनाई गई कमेटी का पुनर्गठन किया जाए. उन्होंने कुछ नाम भी सुझाए हैं कि इन जजों को (कमेटी की) अध्यक्षता करनी चाहिए, वगैरह. यह (अदालत) कोई राजनीतिक मंच नहीं है।

शंकरनारायणन ने कहा कि वह अर्ज़ी की बातों का जिक्र नहीं कर रहे हैं और कोर्ट इस पर कोई भी फ़ैसला ले सकता है. अर्जी पर आपत्ति जताते हुए मेहता ने कहा कि कुछ और ही हो रहा है। बेंच ने कहा, हमें जजों के नामों का जिक्र करना पसंद नहीं है.शंकरनारायणन ने साफ किया कि उन्होंने किसी नाम का जिक्र नहीं किया और सिर्फ अर्ज़ी को लिस्ट करने की मांग की. शंकरनारायणन ने कहा, पिछली बार हममें से किसी ने भी नामों का जिक्र नहीं किया था। हमने इसे लिखित रूप में दिया था. हमने अर्जी को लिस्ट करने का अनुरोध किया था.वकील प्रशांत भूषण ने कहा कि यह अर्ज़ी कई याचिकाकर्ताओं की आम चिंता को दिखाती है, हालांकि इसे मुख्य याचिकाकर्ता ने दायर किया है।

भारतीय नौसेना का दूसरा स्वदेशी रूप से डिज़ाइन और निर्मित डाइविंग सपोर्ट वेसल (डीएसवी), आईएनएस निपुण, 31 अगस्त मुंबई के नेवल डॉकयार्ड में कमीशन किया जाएगा।

पटना में मुख्यमंत्री आवास कूच कर रहे छात्रों ने बैरिकेड तोड़े, लाठीचार्ज और पानी से रोका

पटना,(आरएनएस)। बिहार की राजधानी पटना में बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) के उम्मीदवारों ने अपना आंदोलन तेज कर दिया है। उन्होंने मंगलवार को मुख्यमंत्री आवास तक कूच किया, इस दौरान उनकी पुलिस से झड़प हुई। पुलिस ने प्रदर्शनकारी छात्रों को रोकने के लिए बैरीकेड लगाए थे, जिसे तोड़ दिया गया। इसके बाद पुलिस ने पानी की बौछार करके उनको रोकने का प्रयास किया और छात्रों पर लाठीचार्ज करके उनको तितर-बितर करने की कोशिश की गई।

छात्रों ने सुबह करीब 10 बजे गांधी मैदान से मार्च शुरू किया और मुख्यमंत्री आवास की ओर बढ़ते हुए नारे लगाए। पुलिस ने उनको रोकने के लिए बैरीकेड लगाए थे, लेकिन प्रदर्शनकारियों ने उसे तोड़ दिया। इस दौरान उनकी पुलिस से झड़प शुरू हो गई। पुलिस ने कई जगह लाठीचार्ज किया और प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए पानी की बौछार की। हालांकि, छात्र आगे बढ़ गए। इस दौरान कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया है। प्रदर्शनकारी 70वीं बीपीएससी परीक्षा को रद्द करने की मांग कर रहे हैं और कथित पेपर लीक, परीक्षा में अनियमितताओं और रोजगार संबंधी मुद्दों को लेकर चिंता जता रहे हैं। इससे पहले छात्र, पटना के गर्दनीबाग इलाके में प्रतियोगी परीक्षाओं और भर्ती से संबंधित विभिन्न मांगों को लेकर विरोध-प्रदर्शन कर रहे थे। प्रदर्शन में किसानों का समूह भी शामिल हो गया है।बता दें कि बिहार सरकार ने एक दिन पहले छात्रों के प्रतिनिधियों से बातचीत भी की थी।

अभिषेक बनर्जी के खिलाफ एफआईआर में नहीं होगी कोई दंडात्मक कार्रवाई, कलकत्ता हाई कोर्ट का आदेश

कोलकाता, (आरएनएस)। पश्चिम बंगाल की कलकत्ता हाई कोर्ट ने मंगलवार को तृणमूल कांग्रेस के महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी को बड़ी राहत देते हुए उनके खिलाफ दर्ज तीन प्राथमिकी के मामलों में फिलहाल किसी भी तरह की दंडात्मक कार्रवाई नहीं करने का आदेश दिया। न्यायमूर्ति सौगात भट्टाचार्य ने बनर्जी की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह निर्देश दिया।अभिषेक बनर्जी ने अदालत में दावा किया था कि उनके खिलाफ दर्ज प्राथमिकी राजनीतिक रूप से प्रेरित हैं। अदालत ने स्पष्ट किया कि दंडात्मक कार्रवाई से संरक्षण और प्राथमिकी रद्द करने की मांग से संबंधित यह आदेश केवल उन तीन मामलों तक सीमित रहेगा, जिनका विवरण याचिका में विशेष रूप से दिया गया है। अदालत ने निर्देश दिया कि इन तीनों मामलों में अभिषेक बनर्जी को पूछताछ के लिए हिरासत में लेने की आवश्यकता नहीं है। हालांकि, उन्हें जांच में सहयोग करने और पुलिस के समक्ष आवश्यकता पड़ने पर उपस्थित होने का निर्देश दिया गया है।

आम जनता के कार्य समय-सीमा में हों पूरे : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना में ग्रामीण आबादी को पट्टे देकर करें लाभान्वित

भोपाल (आरएनएस)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि आम जनता से जुड़े कार्यों का समय-सीमा में निराकरण किया जाए। आमजन के कार्य हेल्प लाइन तक पहुंचने से पहले ही पूरे हो जाएं, ऐसे प्रयास किए जाएं। जनता से जुड़े सभी प्राथमिक कार्यों का समय पर निपटारा आवश्यक है। राज्य शासन ने मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान 2026 के माध्यम से साप्ताहिक शिविर और संवाद के आयोजन प्रारंभ किए हैं। गत तीन सप्ताह में इसके अच्छे परिणाम मिल रहे हैं। त्योहार या अन्य कारणों से जब शुक्रवार को जन विश्वास अभियान के तहत शिविर और संवाद का आयोजन नहीं हो सके तो आगामी दिवस अर्थात शनिवार को यह कार्यवाही की जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंत्रालय में विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों से एक विशेष बैठक में यह निर्देश दिए। बैठक में मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल, मुख्यमंत्री कार्यालय में अपर मुख्य सचिव नीरज मंडलोई सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य शासन ने उत्तरदायी प्रशासन के लिए मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान 2026 प्रारंभ किया है। इस अभियान के संचालन से बड़ी संख्या में आमजन के लंबित कार्यों और समस्याओं का समाधान हो रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निर्देश दिए कि जन विश्वास अभियान की आगामी एक माह की तैयारी रखी जाए, ताकि जनता को संवाद और शिविर का पूरा लाभ प्राप्त हो। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राजधानी में मंत्रालय सहित विंध्याचल और सतपुड़ा भवनों में बायोमैट्रिक अटैंडेंस की व्यवस्था प्रारंभ की जा रही है। यह प्रदेश के जिलों में भी लागू की जाएगी। अधिकारी-कर्मचारी निर्धारित समय पर कार्यालय पहुंचें और समय पर कार्यों को पूर्ण करें, इस पर वरिष्ठ अधिकारी नजर रखेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निर्देश दिए कि ग्रामीण क्षेत्रों में आबादी की भूमि नि:शुल्क रजिस्ट्री के लिए अधिकार अभिलेखों के पंजीयन, जिला स्तर पर राजस्व और पंचायत ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारियों की संयुक्त कमेटी गठित करने और ग्राम की दखल रहित भूमि का चिन्हांकन का कार्य पूर्ण किया जाए।

नर्मदापुरम में मिलावटी मावा के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, 650 किलो मावा जब्त

नर्मदापुरम (निप्र)। नियंत्रक खाद्य एवं औषधि प्रशासन एवं कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार त्योहारों के मद्देनजर जिले में दूध एवं दुग्ध उत्पादों पर विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत मंगलवार को अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) देवेन्द्र सिंह के निर्देशन में जिला प्रशासन एवं खाद्य सुरक्षा प्रशासन की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर बड़ी कार्रवाई की। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा पुराने बस स्टैंड, नर्मदापुरम पर कटियार बस क्रमांक M P04 PA 3120 को रोककर जांच की गई। जांच में बस की डिक्की से 13 बोरियों में भरा मावा मिला, जिसका कोई बिल व्यापारी के पास नहीं था। मौके पर अतिरिक्त तहसीलदार डॉ. सुरेखा यादव एवं खाद्य सुरक्षा अधिकारी कमलेश एस. दियावार द्वारा समस्त मावा को उतरवाकर निरीक्षण किया गया।

कुल 650 किलोग्राम मावा जब्त किया गया। पूछताछ में उक्त खोवा फूल सिंह यादव का होना पाया गया। व्यापारी ने स्वीकार किया कि उसने मावा भोपाल से मंगवाया है और बिल नहीं आया है। संदेह के आधार पर खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा जांच हेतु नमूने लिए गए और संपूर्ण मावा कोल्ड स्टोरेज में जब्त कर सुरक्षित रखवाया गया है। व्यापारी को नोटिस जारी किया जा रहा है और मावा भेजने वाले के संबंध में विवेचना की जा रही है।इसके अतिरिक्त चक्कर रोड, नर्मदापुरम स्थित ब्रजवासी स्वीट की जांच कर मावा व मीठा मावा के 02 नमूने जांच के लिए लिए गए। सिवनी मालवा में अनुविभागीय अधिकारी विजय राय के निर्देशन में राजस्व एवं खाद्य सुरक्षा विभाग की संयुक्त टीम ने मिठाई निर्माण केंद्रों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान साईं स्वीट्स, बानापुरा, ओम राजस्थान मिष्ठान भंडार, बानापुरा से मिल्क केक एवं बर्फी के नमूने, राजस्थान मिष्ठान भंडार, गीता टॉकीज के पास स्थित कारखाने से मिल्क केक, पाइनएप्पल बर्फी, चॉकलेट बर्फी एवं अंजीर बर्फी के नमूने, रितेश ट्रेडर्स से पैक्ड घी का नमूना लिया गया।यह कार्रवाई खाद्य सुरक्षा अधिकारी जितेंद्र सिंह राणा एवं नायब तहसीलदार श्रीमती कीर्ति प्रधान की टीम द्वारा की गई। वहीं खाद्य सुरक्षा विभाग की एक अन्य टीम में बी.एस. धाकड़ ने पिपरिया स्थित सपना स्वीट से मावा और गुलकंद बर्फी के दो नमूने और बीकानेर स्वीट से मावा, रसगुल्ला और मोतीचूर लड्डू के कुल 05 नमूने जांच हेतु लिए।सभी नमूने नियमानुसार राज्य खाद्य प्रयोगशाला, भोपाल भेजे जा रहे हैं। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के पश्चात गुणवत्ता के आधार पर नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि त्योहारों को देखते हुए खाद्य पदार्थों, विशेषकर दूध, दुग्ध उत्पाद एवं घी में मिलावट के विरुद्ध सघन जांच अभियान लगातार जारी रहेगा।

कांग्रेस ने केंद्र पर युवाओं को बेरोजगारी की ओर धकेलने का लगाया आरोप

नई दिल्ली, (ए.)। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने नीति आयोग की बेरोजगारी पर रिपोर्ट का हवाला देते हुए केंद्र सरकार पर युवाओं को बेरोजगारी की ओर धकेलने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि देश में 8.7 करोड़ युवा बेरोज़गार हैं और इनमें से केवल 8.25 प्रतिशत के पास ही रोजगार योग्य कौशल है।

वेणुगोपाल ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि यह अमृतकाल की सच्चाई है, जिसे राहुल गांधी की छात्रों की गूंज उजागर कर रही है। इस कारण कांग्रेस के प्रयासों को जनता का व्यापक समर्थन मिल रहा है।उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने 2014 के बाद अच्छे दिन का वादा किया था, लेकिन युवाओं को धोखा देकर देश के जनसांख्यिकीय लाभ को जनसांख्यिकीय संकट में बदल दिया।वेणुगोपाल ने कहा कि सरकार की नीतियों ने शिक्षा और रोजगार की स्थिति को बिगाड़ा है। उन्होंने इसे युवाओं के खिलाफ नीति बताते हुए कहा कि कांग्रेस एक जन आंदोलन खड़ा कर रही है, जो सरकार के पतन का कारण बनेगा।

देश के कई राज्यों में तेजी से फैल रहा एच1एन1 वायरस, बढ़ते मामलों के बीच लोगों की बढ़ गई है चिंता, सरकार ने जारी की सख्त एडवाइजरी

नई दिल्ली (आरएनएस)। देश में मौसमी इन्फ्लूएंजा एच1एन1 यानी स्वाइन फ्लू के बढ़ते मामलों के बीच केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय और भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद ने स्पष्ट किया है कि भारत में एच1एन1 का कोई नया या अधिक खतरनाक स्वरूप सामने नहीं आया है। वर्तमान में फैल रहा वायरस ए/मिसौरी/11/2025 (एच1एन1) पीडीएम09 जैसा है और यह क्लेड 6बी.1ए.5ए2ए तथा उप-क्लेड डी.3.1.1 से संबंधित है। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद के वैज्ञानिकों के अनुसार यह स्वरूप वर्ष 2025 से लगातार फैल रहा है। इसलिए फिलहाल किसी नए एच1एन1 स्वरूप के सामने आने की बात नहीं है और लोगों को घबराने की आवश्यकता नहीं है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार मौसमी इन्फ्लूएंजा एच1एन1 सामान्यत: अपने आप ठीक होने वाला संक्रमण है। इसके प्रमुख लक्षणों में बुखार, खांसी, सिरदर्द और शरीर में दर्द शामिल हैं। अधिकांश लोग उचित देखभाल और पर्याप्त आराम से स्वस्थ हो जाते हैं। हालांकि, छोटे बच्चों, बुजुर्गों और पहले से किसी बीमारी से पीड़ित लोगों में संक्रमण के कारण गंभीर जटिलताओं का खतरा अधिक हो सकता है। स्वास्थ्य मंत्रालय और भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद ने सलाह दी है कि यदि लक्षण लंबे समय तक बने रहें, बढ़ जाएं या गंभीर रूप धारण करें तो चिकित्सक से परामर्श लेना चाहिए। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा है कि वह नियमित निगरानी के माध्यम से देश में इन्फ्लूएंजा की स्थिति पर लगातार नजर रख रहा है।

महंगाई के खिलाफ कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन

शहर में निकाला जुलूश की जमकर नारेबाजी

नर्मदापुरम (निप्र)। बढ़ती महंगाई के खिलाफ कांग्रस ने विरोध प्रदर्शन किया। जिला कांग्रेस अध्यक्ष शिवाकांत गुड्डु पाण्डेय की उपस्थिति में कांग्रेस जनों ने बढ़ती महंगाई के विरोध में विशाल जुलूस नगर के प्रमुख मार्गों से निकला। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने शहर के प्रमुख मार्गों से होकर जुलूस निकाला और बढ़ती महंगाई के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराया।जुलूस के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने महंगाई के मुद्दे को लेकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और आम जनता को राहत देने की मांग की। बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी जुलूस में शामिल हुए।इस अवसर पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष शिवकांत गुड्डु पांडेय ने कहा लगातार बढ़ती महंगाई से आम आदमी का घरेलू बजट बिगड़ गया है। रोजमर्रा की जरूरतों की वस्तुओं के बढ़ते दामों ने गरीब मजदूर किसान और मध्यम वर्ग की परेशानियां बढ़ा दी हैं। कांग्रेस जनता की आवाज को मजबूती से उठाती रहेगी और महंगाई पर नियंत्रण के लिए सरकार से ठोस कदम उठाने की मांग करती है।कांग्रेस नेताओं ने कहा कि आम जनता से जुड़े मुद्दों को लेकर पार्टी आगे भी आंदोलन और जनहित के कार्यक्रम जारी रखेगी। पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष सत्येंद्र फौजदार मधुसूदन यादव अनोखी राजोरिया अजय सैनी फैजान उल हक ने भी सम्बोधित किया इस अवसर पर प्रमुख रूप से पूर्व नगर कांग्रेस अध्यक्ष धर्मेन्द्र तिवारी संतोष तोमर सूरज तिवारी मंजूलमनी ढिमोले गुलाम हैदर सौरभ राय जीतेन्द्र गोरेले अशोक अहिरवार कपिल यादव कुलदीप राठौर बबलू राठौर रामगोपाल मालवीय जागेश यादव सलीम खान धीरज बहुत्रा दीपक सिसोदिया लखन रघुवंशी अफराज खान अज़हर खान उपस्थित रहे।

दैनिक क्षितिज ✌ किरण

आवश्यकता है

नर्मदापुरम (होशंगाबाद) जिले में

संवाददाता एवं विज्ञापन प्रतिनिधि की

योग्यता

स्थानीय स्तर पर कार्य करने का अवसर

समाज से जुड़े, पहचान बनाएं

जुड़ें और बनें अपने क्षेत्र की आवाज हमारे साथ

संपर्क करें 9425025999 एवं 9098362770

संपर्क करने का समय | सुबह 9.00 बजे से 12.00 बजे तक | शाम 6.00 बजे से 8.00 बजे तक

प्रदेश के इंफ्रॉस्ट्रक्चर, स्वास्थ्य, सायबर सुरक्षा और सामाजिक कल्याण को गति देने के लिए 10 हजार 630 करोड़ रुपये की स्वीकृति

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक में लिये गए निर्णय

भोपाल (आरएरनएस)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रालय में मंगलवार को मंत्रि-परिषद की बैठक संपन्न हुई। मंत्रि-परिषद की बैठक में प्रदेश के इंफ्रॉस्ट्रक्चर, स्वास्थ्य, सायबर सुरक्षा और सामाजिक कल्याण को गति देने के लिए 10 हजार 630 करोड़ रुपये के महत्वपूर्ण प्रस्तावों को स्वीकृति प्रदान की गई। मंत्रि-परिषद द्वारा प्रदेश में सड़क कनेक्टिविटी को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम (एमपीआरडीसी) को 12 मार्गों के निर्माण के लिए नाबार्ड इंफ्रॉस्ट्रेक्चर डेवलपमेंट अस्सिटेंस के माध्यम से 4,600 करोड़ रुपये के ऋण के लिए शासकीय गारंटी देने के प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया इसी तरह चयनित राजमार्ग, मुख्य जिला मार्ग, अन्य जिला मार्ग एवं ग्रामीण मार्गों की श्रेणी को 22 मार्गों को स्वामित्व मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम को हस्तांतरित किये जाने का निर्णय लिया गया तथा 3 हजार 960 करोड़ रुपये की लागत से सिवनी-बालाघाट 91.64 कि.मी. मार्ग को फोर-लेन बनाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण के तहत निर्धन एवं कमजोर वर्गों से जुड़ी 19 जन-कल्याणकारी योजनाओं के लिए 1 हजार 740 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए।

स्वास्थ्य एवं तकनीकी अवसंरचना का विस्तार करते हुए उज्जैन स्थित मध्यप्रदेश धन्वंतरि स्वास्थ्य विश्वविद्यालय के संचालन के लिए 244 पदों के सृजन तथा सायबर सुरक्षा प्रबंधन के लिए एमपी-सीईआरटी योजना अंतर्गत 80 करोड़ रुपये मंजूर किए गए।

इसके अतिरिक्त नई दिल्ली स्थित मध्यप्रदेश भवन एवं अतिथि गृहों के उन्नयन के लिए 250 करोड़ 67 लाख रुपये, आपसी सहमति से भूमि क्रय नीति में संशोधन, भारतीय न्याय संहिता 2023 के तहत ईओडब्ल्यू को अधिकृत करने और महिला टी-20 दृष्टिबाधित क्रिकेट वर्ल्ड कप 2025 की पदक विजेता खिलाडियों व प्रशिक्षकों को 78 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदाय किए जाने की कार्योत्तर स्वीकृति प्रदान की गई। मंत्रि-परिषद ने म.प्र. सड़क विकास निगम द्वारा नाबार्ड इंफ्रॉस्ट्रक्चर डेवलपमेंट असिस्टेंस (निडा) से 4 हजार 600 करोड़ रुपये का ऋण प्राप्त किये जाने के लिए राज्य शासन द्वारा प्रत्याभूति (गारंटी) प्रदाय किये जाने का अनुमोदन दिया है। सड़क कनेक्टिविटी को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम (एमपीआरडीसी) को 12 मार्गों के निर्माण के लिए नाबार्ड इंफ्रॉस्ट्रक्चर डेवलपमेंट अस्सिटेंस के माध्यम से 4,600 करोड़ रुपये के ऋण के लिए शासकीय गारंटी देने के प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया। इन मार्गों में भोपाल-विदिशा मार्ग, खलघाट-मनावर-मांगोद, मंदसौर-सीतामऊ-म.प्र, सीतामऊ-बसई-सुवासरा, पूर्वी भोपाल बायपास 4-लेन मार्ग को 6-लेन मय पेव्ड, नीमच-मनासा-रामपुरा झालावाड मार्ग एसएस-7, इंदौर-देपालपुर मार्ग का 4-लेन मय पेव्हड शोल्डर, चापडा-नेवरी से देवास तक एसएच-64 का 2-लेन मय, दिनारा-दतिया, सेवडा मार्ग,आगर-सारंगपुर मार्ग, सोयत-माचलपुर-जीरापुर, राहतगढ-खुरई से खिमलासा मार्ग तथा सुन्दरा- सिंहपुर-कोठी-बिरसिंहपुर-सेमरिया गोहदा-सिरमोर शामिल है।

मध्यप्रदेश पुलिस की महिला आरक्षक वर्षा पटेल ने यूरोप की सर्वोच्च चोटी माउंट एल्ब्रुस पर फहराया तिरंगा

पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा ने दी बधाई

भोपाल (आरएरनएस)। मध्यप्रदेश पुलिस में आरक्षक के पद पर जबलपुर में कार्यरत सुश्री वर्षा पटेल ने 21 अगस्त 2026 को यूरोप महाद्वीप की सर्वोच्च चोटी माउंट एल्ब्रुस (18,510 फीट/5,642 मीटर) को सफलतापूर्वक फतह कर शिखर पर भारत का तिरंगा और मध्यप्रदेश पुलिस का ध्वज फहराकर प्रदेश और देश का गौरव बढ़ाया है। कठिन मौसम, तेज हवाओं और कड़ाके की ठंड के बीच वर्षा पटेल ने साहस, अनुशासन और दृढ़ संकल्प का परिचय देते हुए 21 अगस्त की सुबह 9 बजकर 7 मिनट पर माउंट एल्ब्रुस के शिखर पर पहुंचकर यह उपलब्धि हासिल की। पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा ने सुश्री वर्षा पटेल को इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि कठिन परिस्थितियों के बीच माउंट एल्ब्रुस जैसी चुनौतीपूर्ण चोटी को फतह कर तिरंगा फहराना पूरे पुलिस विभाग के लिए गर्व का विषय है। वर्षा पटेल ने अपने साहस, अनुशासन और दृढ़ संकल्प से न केवल मध्यप्रदेश पुलिस, बल्कि प्रदेश और देश का नाम भी गौरवान्वित किया है। उनकी उपलब्धि पुलिस बल की महिला सदस्यों के साथ-साथ प्रदेश की बेटियों के लिए भी प्रेरणादायक है। माउंट एल्ब्रुस अभियान की शुरुआत 11 अगस्त 2026 को हुई थी। अभियान के दौरान लगातार बदलते मौसम, तेज हवाओं, अत्यधिक ठंड और प्रतिकूल पर्वतीय परिस्थितियों के कारण दल को कई दिनों तक अनुकूल मौसम का इंतजार करना पड़ा। 20 और 21 अगस्त को मौसम अनुकूल होने पर शिखर अभियान शुरू किया गया। रूस की कड़ाके की

ठंड और तेज हवाओं के बीच वर्षा पटेल ने सभी चुनौतियों का साहसपूर्वक सामना किया और 21 अगस्त की सुबह माउंट एल्ब्रुस के शिखर पर पहुंचकर तिरंगा फहराया।

सुश्री वर्षा पटेल को बचपन से ही खेलकूद और पर्वतारोहण में विशेष रुचि रही है। वे बेसबॉल की राष्ट्रीय स्तर की खिलाड़ी रह चुकी हैं और राष्ट्रीय स्तर पर 10 से अधिक पदक प्राप्त कर चुकी हैं। वर्ष 2024 में उन्होंने ऑस्ट्रेलिया महाद्वीप की सर्वोच्च चोटी माउंट कोजयिास्को पर भारत का तिरंगा फहराकर मध्यप्रदेश पुलिस की पहली महिला आरक्षक के रूप में यह उपलब्धि हासिल की थी। सुश्री वर्षा पटेल की यह उपलब्धि महिला शक्ति, खेल प्रतिभा, अनुशासन, साहस और दृढ़ संकल्प का प्रेरणादायक उदाहरण है।

ओबीसी आरक्षण की मांग को लेकर भीम आर्मी का प्रदर्शन, सरकार को दी आंदोलन की चेतावनी

भोपाल, (ए.)। पूर्व केंद्रीय मंत्री बीपी मंडल की जयंती के अवसर पर आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) और भीम आर्मी ने मंगलवार को भोपाल के बोर्ड ऑफिस चौराहे पर धरना-प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने मध्य

प्रदेश में पिछड़ा वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण का लाभ तत्काल देने और 13 प्रतिशत होल्ड हटाने की मांग की। प्रदर्शन का नेतृत्व आजाद समाज पार्टी की राष्ट्रीय कोर कमेटी के सदस्य दामोदर यादव मंडल ने किया। प्रदर्शन के बाद मुख्यमंत्री मोहन यादव के नाम पांच सूत्रीय ज्ञापन सौंपा गया।दामोदर यादव ने कहा कि पिछड़ा वर्ग को मंडल आयोग की सिफारिशों के अनुरूप उसका अधिकार मिलना चाहिए। पार्टी ने प्रदेश में 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण पूरी तरह लागू करने तथा लंबित 13 प्रतिशत हिस्से पर लगी रोक हटाने की मांग उठाई है। ज्ञापन में निजी क्षेत्र के संस्थानों में भी आबादी के अनुपात में आरक्षण लागू करने की मांग की गई। इसके अलावा सरकारी नौकरियों में एससी, एसटी और ओबीसी वर्ग को पदोन्नति में आरक्षण देने तथा विधानसभा और लोकसभा में ओबीसी वर्ग के लिए राजनीतिक आरक्षण का प्रावधान करने की मांग केंद्र सरकार तक पहुंचाने की मांग की गई है। प्रदर्शनकारियों ने प्रदेश में छात्रसंघ चुनाव जल्द कराने की मांग भी की।

राज्यमंत्री श्रीमती राधा सिंह ने किया भोपाल हाट के राखी मेले का भ्रमण

स्व-सहायता समूहों की बहनों से संवाद कर बढ़ाया उत्साह, खरीदे हस्तनिर्मित उत्पाद

भोपाल (ए.)। पंचायत एवं ग्रामीण विकास राज्यमंत्री श्रीमती राधा सिंह ने भोपाल हाट में आयोजित स्व-सहायता समूहों के सात दिवसीय राखी मेले का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने प्रदेश के विभिन्न जिलों से आई स्व-सहायता समूहों की दीदियों से आत्मीय संवाद किया, उनके द्वारा तैयार आजीविका उत्पादों की विस्तृत जानकारी ली और सामग्री की खरीदारी कर उनका उत्साहवर्धन किया।भ्रमण के दौरान मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विनय निगम ने राज्यमंत्री श्रीमती सिंह को मेले की गतिविधियों और विभिन्न स्टॉलों का अवलोकन कराया। राज्यमंत्री श्रीमती सिंह ने समूह की बहनों द्वारा तैयार आकर्षक राखियों, शुद्ध मिठाइयों, हस्तनिर्मित वस्त्रों, सजावटी सामग्री और पारंपरिक खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की सराहना की।

मंत्री श्री सारंग ने नई खेलो इंडिया योजना की दी जानकारी

मध्यप्रदेश में योजना के सफल क्रियान्वयन के लिये होंगे सार्थक प्रयास

भोपाल (आरएरनएस)। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने नई खेलो इंडिया योजना के लिये वर्ष 2026-27 से 2030-31 की अवधि के लिये 36,441 करोड़ राशि की मंजूरी प्रदान की है। इसको लेकर खेल और युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने मंगलवार को टीटी नगर स्टेडियम, भोपाल में योजना के संबंद्ध में महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। मंत्री श्री सारंग कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में इस योजना का लक्ष्य जमीनी स्तर से लेकर ओलंपिक स्तर तक खिलाड़ियों की पूरी विकास-श्रृंखला तैयार कर भारत को खेल महाशक्ति बनाना है। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि इस योजना के माध्यम से खेल को युवा विकास, राष्ट्र निर्माण तथा भारत को वैश्विक खेल महाशक्ति के रूप में स्थापित करने के एक प्रभावी माध्यम के रूप में विकसित किया जाएगा। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि आजादी के बाद पहली बार खेल का बजट 8 गुना बढ़ा है। इस नई योजना के माध्यम से 10 गुना ज्यादा खिलाड़ी लाभान्वित होंगे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश इस योजना के सफल क्रियान्वयन के लिये सार्थक प्रयास करेगा।

खेलो भारत और राष्ट्रीय शिक्षा नीति को किया गया एकीकृत

मंत्री श्री सारंग ने बताया कि यह योजना खेलों को शिक्षा, फिटनेस, प्रौद्योगिकी एवं उच्च-प्रदर्शन प्रशिक्षण के साथ एकीकृत करते हुए खेलो भारत नीति 2025 और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के उद्देश्यों के अनुरूप कार्य करेगा। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि स्कूलों से खिलाड़ियों की प्रतिभा पहचान की जाएगी।

इससे प्रारंभिक स्तर पर ही प्रतिभा विकास कर भविष्य की प्रतियोगिताओं के लिये उत्कृष्ट खिलाड़ी तैयार किए जा सके।

जमीनी स्तर से लेकर ओलंपिक स्तर तक होगा प्रतिभा विकास

मंत्री श्री सारंग ने बताया कि यह नई योजना प्रतिभा पहचान, वैज्ञानिक प्रशिक्षण, नियमित प्रतिस्पर्द्धाओं, अंतर्राष्ट्रीय अनुभव तथा ओलंपिक तैयारियों को सम्मिलित करते हुए खिलाड़ियों के लिये एक संरचित विकास मार्ग तैयार करेगा। इसमें मीनी स्तर की प्रतियोगिताओं से प्रारंभ होकर खेलो इंडिया कार्यक्रम तथा टार्गेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (TOPS) तक प्रगति का प्रावधान शामिल है।

जनसुनवाई में अधिकारियों ने सुनी आवेदकों की समस्याएं

जनसुनवाई में 163 आवेदन प्राप्त हुए

भोपाल (आरएरनएस)। कलेक्टर प्रियंक मिश्रा के निर्देशन में एडीएम सुमित पांडेय, पीसी शाक्य,प्रकाश नायक ने मंगलवार को जिले से जनसुनवाई में आए नागरिकों की समस्याएं

सुनीं। इस दौरान अनेक समस्याओं का निराकरण मौके पर ही किया गया। जनसुनवाई में आए नागरिकों से 163 आवेदन प्राप्त हुए। इस मौके पर एसडीएम एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। एडीएम श्री पांडेय, श्री शाक्य, श्री नायक ने जनसुनवाई में आए हर एक आवेदक से धैर्यपूर्वक उनकी समस्याओं पर चर्चा की और उन्हें उनके शीघ्र निराकरण का आश्वासन भी दिया। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों को नागरिकों से प्राप्त आवेदनों पर संवेदनशील रूख अपनाते हुए निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने आवेदकों की समस्याओं पर संबंधित क्षेत्र के अधिकारियों को कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

एनसीटीई पाठ्यक्रमों में प्रवेश के द्वितीय अतिरिक्त चरण की तिथियों में वृद्धि

भोपाल (ए.)। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा शैक्षणिक सत्र 2026-27 में प्रदेश के शासकीय, अनुदान प्राप्त अशासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालयों में राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (NCTE) के पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए द्वितीय अतिरिक्त चरण की पूर्व में जारी समय-सारणी में तिथि वृद्धि की गई है। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा संशोधित समय-सारणी जारी करते हुए विद्यार्थियों को प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण करने के लिए अतिरिक्त अवसर प्रदान किया गया है। संशोधित समय-सारणी के अनुसार एनसीटीई पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए द्वितीय अतिरिक्त चरण में पंजीयन एवं आवेदन की प्रक्रिया 20 से 30 अगस्त तक जारी रहेगी। पंजीकृत आवेदनों के दस्तावेजों का सत्यापन 20 से 31 अगस्त तक किया जाएगा। दस्तावेज सत्यापन के उपरांत 1 सितंबर को मेरिट सूची का प्रकाशन किया जाएगा तथा 2 सितंबर को सीट आवंटन जारी किया जाएगा। सीट आवंटित होने वाले विद्यार्थियों को 2 से 7 सितंबर तक आवंटित हेल्प सेंटर पर मूल दस्तावेजों, टीसी एवं माइग्रेशन प्रमाण-पत्र के साथ उपस्थित होकर भौतिक सत्यापन की प्रक्रिया पूर्ण करते हुए लिंक इनिशिएट

मंत्री शाह पर केस की परमिशन नहीं देगी MP सरकार

अफसरों को बाहर निकालकर कैबिनेट का फैसला; कर्नल सोफिया पर विवादित बयान दिया था

भोपाल (ए.)। मध्य प्रदेश सरकार कर्नल सोफिया कुरैशी पर विवादित बयान के मामले में मंत्री विजय शाह पर केस चलाने की अनुमति नहीं देगी। सूत्रों के मुताबिक, ये फैसला मंगलवार को हुई कैबिनेट बैठक में लिया गया है। इस मुद्दे पर चर्चा के समय खुद मंत्री शाह भी बैठक में मौजूद थे।कैबिनेट की बैठक में अभियोजन स्वीकृति नहीं दिए जाने के पीछे यह तर्क दिया गया कि शाह इस बयान पर कई बार सार्वजनिक माफी मांग चुके हैं। हालांकि, सरकार की तरफ से इसको लेकर कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है। इसके उलट बैठक की ब्रीफिंग देते वक्त मंत्री राकेश सिंह ने इस मामले में चर्चा का कोई एजेंडा होने से ही इनकार कर दिया। इसी मामले में 31 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई तय है। इससे पहले राज्य सरकार अपना रुख एफिडेविट के जरिए कोर्ट के सामने रखेगी।मंगलवार को जब मंत्री विजय शाह के मामले में कैबिनेट बैठक में चर्चा शुरू हुई तो सभी अधिकारियों को बाहर जाने के लिए कहा गया। इसके बाद मुख्यमंत्री, मंत्रियों के अलावा मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल, अपर मुख्य सचिव नीरज मंडलोई, अपर मुख्य सचिव संजय कुमार शुक्ला और विधि विभाग के सचिव की मौजूदगी में इस विषय पर चर्चा कर निर्णय लिया गया। मंत्री विजय शाह के खिलाफ अभियोजन की मंजूरी न देने पर सीनियर एडवोकेट और राज्यसभा सांसद विवेक तन्खा ने कहा- कोर्ट चाहे तो इस फैसले को बदल सकता है। हालांकि, अगली सुनवाई पर स्पष्ट हो सकेगा कि सरकार ने किस आधार पर

मंजूरी नहीं दी। कोर्ट में क्या तथ्य पेश किए जाएंगे, उसके आधार पर आगे का फैसला होगा। मंत्री विजय शाह के खिलाफ केस चलाने की मंजूरी का मामला लंबे समय से लटका है। जांच के लिए बनाई गई एसआईटी ने भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 196(1)(a) के तहत केस चलाने की अनुमति मांगी है। 19 जनवरी 2026 को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान सामने आया था कि एसआईटी जांच पूरी कर अंतिम रिपोर्ट दे चुकी है, लेकिन केस चलाने की मंजूरी का मामला राज्य सरकार के पास लंबित है। कोर्ट ने सरकार को फैसला लेने के लिए दो सप्ताह का समय दिया था।

गुफा मंदिर से बरेला गांव का रास्ता बंद होने पर कलेक्टोरेट पहुंचीं महिलाएं, सीढ़ियों पर बैठकर किया प्रदर्शन

भोपाल, (ए.)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के गुफा मंदिर से बरेला गांव की ओर जाने वाला रास्ता बंद होने के विरोध में मंगलवार को बड़ी संख्या में महिलाएं कलेक्टोरेट पहुंच गईं। महिलाओं ने कलेक्टोरेट की सीढ़ियों पर बैठकर प्रदर्शन किया और रास्ता तत्काल खुलवाने की मांग की। इस दौरान सुरक्षाकर्मियों से उनकी बहस भी हुई। बाद में महिलाओं ने एडीएम सुमित पांडेय से मुलाकात कर अपनी समस्या बताई।प्रदर्शनकारियों का कहना था कि रास्ता बंद होने से गांव के लोगों को रोजाना परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सोमवार को एक महिला की तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें अस्पताल ले जाने में भी दिक्कत हुई। मंगलवार को महिला की शवयात्रा निकालने में भी रास्ता बंद होने के कारण परेशानी का सामना करना पड़ा। इसके बाद ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा और महिलाएं कलेक्टोरेट पहुंचीं।

एंबुलेंस नहीं पहुंच सकी, ऑटो से ले जाते समय महिला की मौत

बरेला निवासी आशीष शर्मा के अनुसार, सोमवार को एक महिला घर के बाथरूम में गिर गई थीं। चोट लगने के बाद उन्हें अस्पताल ले जाने की जरूरत थी, लेकिन रास्ता बंद होने के कारण एंबुलेंस गांव तक नहीं पहुंच सकी। परिजन उन्हें ऑटो से अस्पताल ले जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही

महिला की मौत हो गई। ग्रामीणों का आरोप है कि यदि रास्ता खुला होता तो महिला को समय पर अस्पताल पहुंचाया जा सकता था।

50 साल पुराना रास्ता तीन-चार साल से बंद

महिलाओं ने एडीएम को बताया कि गुफा मंदिर के पास से बरेला गांव की ओर जाने वाला रास्ता करीब 50 साल पुराना है। ग्रामीणों के मुताबिक, गुफा मंदिर समिति ने पिछले तीन-चार साल से इस रास्ते को बंद कर रखा है। उनका कहना है कि पिछले साल भी रास्ता खुलवाने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया था। उस समय आश्वासन मिलने के बाद मामला शांत हो गया था, लेकिन रास्ता अब तक नहीं खोला गया।

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि मंदिर की जमीन पर व्यावसायिक गतिविधियां संचालित की जा रही हैं, जबकि वर्षों पुराने सार्वजनिक रास्ते को बंद कर दिया गया है। उन्होंने प्रशासन से पूरे मामले की जांच कर रास्ता खुलवाने की मांग की। रहवासी पुष्पा आचार्य ने कहा कि रास्ते पर कई दशक पुराना गेट लगा है, जिसे बंद कर दिया गया है। उनका कहना है कि गेट खुला होता तो ग्रामीणों की आवाजाही आसान होती और आपात स्थिति में मरीजों को भी समय पर अस्पताल पहुंचाया जा सकता था। ग्रामीणों ने बताया कि बारिश के कारण वैकल्पिक रास्ते की स्थिति भी खराब हो गई है। सड़क पर जगह-जगह गड्ढे हैं, जिससे बच्चों को स्कूल आने-जाने में परेशानी हो रही है। रेखा शर्मा ने कहा कि रास्ता बंद होने से ग्रामीण लंबे समय से परेशान हैं। उन्होंने मंदिर समिति से धार्मिक भावनाओं और ग्रामीणों की जरूरत को देखते हुए गेट खोलने की अपील की।महिलाओं ने एडीएम सुमित पांडेय को अपनी समस्याओं से अवगत कराया।

एडीएम ने मामले में आवश्यक कार्रवाई का भरोसा दिया। हालांकि, महिलाओं ने कहा कि वे केवल आश्वासन नहीं चाहतीं, बल्कि रास्ते की समस्या का स्थायी समाधान चाहती हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से रास्ते की स्थिति की जांच कर उसे जल्द से जल्द आवागमन के लिए खोलने की मांग की।

भोपाल में ट्रेन कैंसिल होने पर नहीं लौटाए 2,110 रुपये, अब रेलवे और IRCTC को देना होगा 20 हजार का हर्जाना

भोपाल(ए.)। ट्रेन निरस्त होने के बाद टिकट की पूरी राशि में से 2110 रुपया वापस नहीं करना रेलवे और आइआरसीटीसी को भारी पड़ गया। जिला उपभोक्ता आयोग ने इसे सेवा में कमी मानते हुए दोनों पर 20 हजार रुपये का हर्जाना लगाया है। इसके साथ ही टिकट की बकाया रकम भी सात प्रतिशत वार्षिक ब्याज की दर से देने का आदेश हुआ है।दरअसल कोलार निवासी भवानी शंकर ठाकुर ने अपने परिवार के साथ आगरा से भोपाल आने के लिए 24 सितंबर 2023 की निजामुद्दीन-रानी कमलापति सुपरफास्ट एक्सप्रेस का टिकट बुक कराया था। इसके लिए उन्होंने 4,160 रुपये का भुगतान किया था। 9 सितंबर 2023 को रेलवे की ओर से ट्रेन निरस्त होने का संदेश मिला। इसके बाद उन्होंने 10 सितंबर को परिवार के लिए केरल एक्सप्रेस में दूसरा टिकट बुक करा लिया।

10 महीने बाद मिला आधा रिफंड, उपभोक्ता आयोग पहुंचा मामला

पुराने टिकट की राशि वापस लेने के लिए यात्री ने रेलवे और आइआरसीटीसी से संपर्क किया। हालांकि करीब 10 माह बाद केवल 2,050 रुपये वापस किए गए। शेष 2,110 रुपये नहीं लौटाए जाने पर उन्होंने जिला उपभोक्ता आयोग में परिवाद दायर किया। सुनवाई के दौरान रेलवे ने तर्क दिया कि टिकट की बुकिंग और निरस्तीकरण आइआरसीटीसी के माध्यम से हुआ था। इसलिए रिफंड की जिम्मेदारी आइआरसीटीसी की है। इसके लिए रेलवे जिम्मेदार नहीं है। वहीं आइआरसीटीसी ने कहा कि उसकी जिम्मेदारी अपनी वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन टिकट बुकिंग और निरस्तीकरण के लिए प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराने तक सीमित है। टिकट बुक होने के बाद किराए की राशि रेलवे को हस्तांतरित कर दी जाती है। ट्रेन के संचालन या परिचालन में बदलाव से उसका कोई संबंध नहीं है। ट्रेन निरस्त होने या दोबारा चलने की सूचना भी रेलवे की ओर से दी जाती है।

आयोग ने दोनों को माना जिम्मेदार: 7% ब्याज के साथ राशि लौटाने का आदेश

आयोग के अध्यक्ष योगेश दत्त शुक्ल, सदस्य अंजुम फिरोज और प्रीति मुद्गल की बेंच ने रेलवे और आइआरसीटीसी दोनों को 2,110 रुपये की शेष टिकट राशि, 20 अगस्त 2023 से सात प्रतिशत वार्षिक साधारण ब्याज सहित लौटाने का आदेश दिया। इसके अलावा 20 हजार रुपये मानसिक क्षतिपूर्ति राशि देने के निर्देश दिए हैं। इस तरह कुल 22,110 रुपये की राशि और ब्याज का भुगतान करना होगा।

जान जोखिम में डालकर स्कूल जा रहे छात्र

कमर तक पानी और उफनती नदी पार करते, स्कूल प्राचार्य सस्पेंड

उमरिया (ए.)। करकेली ब्लॉक अंतर्गत ग्राम मानिकपुर और बिलासपुर के बीच सिंदली नदी और कुछ स्कूली छात्रों का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें कुछ स्कूली छात्र-छात्राओं को उफनती नदी पार करते देखा जा सकता है। ये छात्र-छात्राएं अपने भविष्य को संवारने के लिए जान जोखिम में डालकर नदी पार करते हैं और हायर सेकेंडरी स्कूल बिलासपुर जाते हैं। नदी पार करने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लिया है। वीडियो सामने आने के बाद उमरिया कलेक्टर ने संज्ञान लेते हुए संबंधित स्कूल के प्राचार्य को निलंबित कर दिया है। बताया जा रहा है कि बारिश के कारण क्षेत्र की नदी-नाले उफान पर हैं और बच्चे तेज बहाव के बीच भी नदी पार कर रहे हैं। कमर तक पानी होने के बावजूद स्कूली बच्चे शॉर्टकट के चक्कर में सिंदली नदी को पार करते नजर आए। इस वायरल वीडियो ने बच्चों की परेशानी को उजागर कर दिया है।

वीडियो में बच्चे तेज बहाव के बीच नदी पार करते दिखाई दे रहे हैं, जो किसी गंभीर हादसे का कारण बन सकता है। ऐसी स्थिति में जरा सी चूक किसी बड़े हादसे का कारण बन सकती थी।स्कूली छात्र 10 किलोमीटर के अतिरिक्त सफर से बचने के लिए इस तरह का जोखिम उठाकर स्कूल जा रहे हैं। मामले के सामने आने के बाद बच्चों की सुरक्षा को लेकर प्रशासनिक व्यवस्था के साथ-साथ अभिभावकों की जिम्मेदारी पर भी सवाल उठ रहे हैं।

पत्नी के सिर पर रॉड मारकर हत्या, पति को हुई उम्रकैद की सजा, मोबाइल चलाने को लेकर हुआ था विवाद

राजगढ (ए.)। जिले के खुजनेर में दो साल पहले एक सनसनीखेज मामला सामने आया था, जहां मोबाइल चलाने से रोकने पर एक युवक ने अपनी पत्नी के सिर पर रॉड से हमला कर दिया। इस हमले में महिला की जान चली गई। अब मोबाइल चलाने को लेकर हुए विवाद के बाद पत्नी की हत्या करने के मामले में पति को राजगढ न्यायालय ने उम्रकैद की सजा सुनाई है। पति-पत्नी के बीच देर रात मोबाइल चलाने को लेकर विवाद हुआ। पत्नी ने पति को मोबाइल चलाने से रोका, जिस पर दोनों के बीच झगड़ा हो गया और युवक ने पत्नी के सिर पर रॉड से हमला कर दिया। राजगढ़ विशेष लोक अभियोजक अधिकारी अलोक श्रीवास्तव ने जानकारी देते हुए बताया कि राजगढ़ जिले के खुजनेर में 04 मार्च 2024 को आरोपी प्रखर उपाध्याय को उसकी पत्नी वंदना ने रात 12 बजे मोबाइल चलाने से मना किया था। इसके बाद गुस्से में आकर पति ने लोहे की रॉड से पत्नी वंदना के सिर पर वार कर दिया। उसने 3 बार पत्नी के सिर पर रॉड मारी, जिससे वो पलंग पर गिर गई। इसके बाद उसे उठाने की कोशिश की, मगर जब पत्नी नहीं उठी तो आरोपी प्रखर ने पत्नी पर एयर पिस्टल से फायर कर दिया। जिससे वंदना की मौके पर ही मौत हो गई थी। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया और मृतिका के परिजनों के बयान पर आरोपी पति प्रखर के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर न्यायालय में पेश किया।

गांव की जर्जर से परेशान ग्रामीणों ने दी चक्काजाम की चेतावनी

अनूपपुर (आरएनएस)। मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले के जैतहरी जनपद पंचायत अंतर्गत सिवनी गांव में बदहाल और कीचड़युक्त सड़क से परेशान ग्रामीणों का विरोध प्रदर्शन मंगलवार को तीसरे दिन भी जारी हैं। गांव की जर्जर से परेशान ग्रामीणों ने चक्काजाम की चेतावनी दी है। इसके पूर्व ग्राम पंचायत भवन परिसर में एकत्र होकर ग्रामीणों ने शांतिपूर्ण धरना दिया और महापंचायत की। स्थानीय पंचायत जनप्रतिनिधियों ने भी ग्रामीणों की इस मांग का समर्थन किया है।ग्राम पंचायत सिवनी (वार्ड 5 व 6) के निवासियों का कहना है कि वह लंबे समय से मुख्य मार्ग की जर्जर स्थिति से जूझ रहे हैं। बदहाल सड़क के कारण रोजाना दुर्घटनाएं हो रही हैं, जिससे स्कूली बच्चे घायल हो रहे हैं। आपात स्थिति में गांव तक एम्बुलेंस का पहुंचना भी दूभर हो गया है। ग्रामीणों ने बताया कि कई बार आवेदन देने के बाद भी कोई प्रशासनिक सुनवाई नहीं हुई।ग्रामीणों ने बताया कि 21 अगस्त जैतहरी एसडीएम को ज्ञापन सौंपकर जनआंदोलन की पूर्व सूचना दे दी थी। तय रणनीति के तहत रविवार से सांकेतिक धरना शुरू किया गया था, जो मंगलवार तक लगातार जारी है। ग्रामीणों ने प्रदर्शन स्थल पर सुरक्षा, मेडिकल टीम और एम्बुलेंस की तैनाती की मांग की है।ग्रामीणों ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि प्रशासन जल्द सड़क निर्माण का कार्य शुरू नहीं कराता है, तो वे जैतहरी-वेंकटनगर मुख्य मार्ग पर चक्का जाम करने के लिए विवश होंगे।

सागरः कोल्ड्रिफ सिरप मामले में आईएमए ने संभागायुक्त को सौंपा ज्ञापन

सागर (आरएनएस) । मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा के कोल्ड्रिफ कफ सिरप प्रकरण को लेकर इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए), सागर शाखा के एक प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को संभागायुक्त अनिल सुचारी से मुलाकात की और उन्हें एक विस्तृत ज्ञापन सौंपा। आईएमए ने प्रकरण में शीघ्र, निष्पक्ष और न्यायोचित हस्तक्षेप की मांग की है। आईएमए अध्यक्ष डॉ. तल्हा साद के नेतृत्व में मिले प्रतिनिधिमंडल ने संभागायुक्त को स्पष्ट किया कि इस दुखद घटना में जिन निर्दोष लोगों की जान गई है, उनके प्रति पूरी सहानुभूति है। मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और असली दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए।

जनसुनवाई में विशेष पहल : आवेदकों की सुविधा के लिए इंदौर कलेक्ट्रेट में आवेदन लेखन की विशेष व्यवस्था जनसुनवाई सम्पन्न

इन्दौर (आरएनएस) । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के सुशासन की पहल के तहत जिला प्रशासन द्वारा आम नागरिकों को शासकीय सेवाओं का लाभ सहज एवं सरल तरीके से उपलब्ध कराने के लिए निरंतर नवाचार किए जा रहे हैं। इसी क्रम में इंदौर कलेक्ट्रेट में जनसुनवाई में आने वाले आवेदकों की सुविधा के लिए आवेदन लिखने की विशेष व्यवस्था की गई है। कलेक्टर कार्यालय में संपन्न हुई जनसुनवाई में कलेक्टर शिवम वर्मा ने आवेदकों की समस्याओं को सुना और उनका हाथों-हाथ निराकरण किया। ऐसी समस्याएं जिनका मौके पर निराकरण नहीं किया जा सका, उनके निराकरण के लिए समय सीमा तय करते हुए संबंधित अधिकारियों को निराकरण के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। कलेक्टर

शिवम वर्मा ने आज कलेक्ट्रेट में संचालित उपरोक्त विशेष व्यवस्था का अवलोकन भी किया। उन्होंने आवेदन लेखन की प्रक्रिया देखी तथा वहां उपस्थित आवेदकों से चर्चा कर उन्हें उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने आवेदकों की समस्याएं एवं सुझाव भी सुने। इस व्यवस्था का उद्देश्य ऐसे आवेदकों को सुविधा उपलब्ध कराना है, जिन्हें शासकीय कार्यालयों में प्रस्तुत किए जाने वाले आवेदन लिखने में कठिनाई होती है।

वन स्टॉप सेंटर की संवेदनशील काउंसलिंग से फिर जुड़ा बिखरता परिवार

रीवा में प्रभावी मध्यस्थता से दंपती ने भुलाए मतभेद, साथ रहने का लिया संकल्प

रीवा (आरएनएस)। समय पर हस्तक्षेप, संवेदनशील काउंसलिंग और सकारात्मक मध्यस्थता किसी टूटते परिवार को फिर से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। रीवा में महिला एवं बाल विकास विभाग के अंतर्गत संचालित वन स्टॉप सेंटर ने ऐसे ही एक प्रकरण में प्रभावी हस्तक्षेप करते हुए लंबे समय से तनावपूर्ण वैवाहिक जीवन से गुजर रहे दंपती के बीच संवाद स्थापित कराया। केंद्र के निरंतर प्रयासों के बाद पति-पत्नी ने अपने मतभेद दूर कर पुनः साथ रहने और शांतिपूर्ण वैवाहिक जीवन व्यतीत करने का निर्णय लिया।मामला मऊगंज जिले के हनुमाना थाना क्षेत्र के ग्राम महरी निवासी रंजना साहू और उनके पति सुनील साहू से संबंधित है। दोनों का विवाह 13 दिसंबर 2021 को हिंदू रीति-रिवाजों से हुआ था। विवाह के शुरुआती महीनों में पारिवारिक जीवन सामान्य रहा, लेकिन बाद में आवेदिका ने ससुराल पक्ष द्वारा दहेज के लिए वाहन की मांग तथा पति द्वारा नशे की स्थिति में मारपीट और मानसिक प्रताड़ना किए जाने की शिकायत वन स्टॉप सेंटर, रीवा में दर्ज कराई। लगातार बढ़ते विवादों के कारण दंपती का वैवाहिक जीवन टूटने की कगार पर पहुंच गया था। शिकायत प्राप्त होने के बाद वन स्टॉप सेंटर ने मामले को गंभीरता से लेते हुए दोनों पक्षों से संपर्क किया और काउंसलिंग के लिए बुलाया। प्रारंभिक निर्धारित तिथि 9 जून को अनावेदक के उपस्थित नहीं होने के बावजूद केंद्र ने प्रयास जारी रखे। लगातार संपर्क और फॉलोअप के बाद 16 जून को पति सुनील साहू केंद्र में उपस्थित हुए। इसके बाद दोनों पक्षों की समस्याओं को समझते हुए संवेदनशीलता के साथ काउंसलिंग और मध्यस्थता की प्रक्रिया आगे बढ़ाई गई।

इंदौर क्राइम ब्रांच ने बदमाश मुख्तियार खान की 4 करोड़ की संपत्ति की सीज

- जमीनों पर अवैध कब्जा कर उसे छोड़ने के बदले मांगता था रुपये

इंदौर (ए.)। मध्य प्रदेश की इंदौर क्र०इम ब्रांच ने प्लॉटों पर अवैध कब्जा कर टीन शेड और दुकानें बनाने तथा कब्जा छोड़ने के बदले प्लाट मालिकों से रकम मांगने के आरोप में गिरफ्तार लिस्टेड बदमाश मुख्तियार खान की करीब 4 करोड़ रुपये की संपत्ति सीज कर दी है। डीसीपी (क्राइम ब्रांच) राजेश त्रिपाठी ने मंगलवार को बताया कि आरोपित मुख्तियार खान निवासी एलआईजी-एमआईजी थाने का सूदीबद्ध बदमाश है और उसके विरुद्ध 35 से ज्यादा आपराधिक मुकदमें दर्ज है। सोमवार को थाना प्रभारी जितेंद्र यादव के नेतृत्व में क्राइम ब्रांच की टीम मुख्तियार को लेकर उसके घर पहुंची थी। जांच के दौरान अवैध शेड में बने गोदाम और दुकानों से जुड़े दस्तावेज मिले। क्राइम ब्रांच ने मुख्तियार से इन संपत्तियों की खरीदी और मालिकाना हक से जुड़े दस्तावेज मांगे। संतोषजनक जानकारी नहीं मिलने के बाद टीम ने उससे जुड़ी संपत्तियों का मौके पर निरीक्षण किया और उन्हें सीज करने की कार्रवाई की।

व्यापार समाचार

ट्रेन में बिना TTE की इजाजत सीट बदलना पड़ सकता है भारी, जुर्माने के साथ खानी पड़ सकती है जेल की भी हवा

नई दिल्ली (आरएनएस)। दोस्तों और रिश्तेदारों के साथ ट्रेन में सफर करना हर किसी को पसंद होता है, क्योंकि यह एक आरामदायक और किफायती साधन है। लेकिन कई बार समय पर टिकट बुक न करने या अन्य कारणों से हमें अपनों के पास वाली सीट नहीं मिल पाती है।

ऐसे में हम अक्सर दूसरे यात्रियों से अपनी सीट बदलने की रिक्वेस्ट करते हैं, जिससे कई बार बहस भी हो जाती है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि बिना टीटीई की अनुमति के अपनी मर्जी से सीट बदलना आपको भारी मुसीबत में डाल सकता है? रेलवे के नियमों के अनुसार यह एक कानूनी जुर्म है, जिसके लिए जुर्माना और जेल तक की सजा का प्रावधान है।

बिना अनुमति सीट बदलना है बड़ा कानूनी जुर्म

रेलवे के सख्त नियमों के अनुसार, किसी यात्री का अपनी आरक्षित सीट छोड़कर बिना अनुमति किसी अन्य यात्री की सीट पर जाकर बैठना पूरी तरह से गैरकानूनी है। हालांकि, अगर कोई सह-यात्री अपनी मर्जी से आपके साथ सीट बदलने को तैयार है, तो यह आपसी सहमति से किया जा सकता है। इसके अलावा, सीट या कोच बदलने के लिए

टीटीई की आधिकारिक अनुमति लेना अनिवार्य है। यदि ट्रेन में कोई अन्य सीट खाली है, तो टीटीई अपने अधिकार क्षेत्र से आपको वह सीट अलॉट कर सकता है। लेकिन बिना टीटीई की जानकारी के किसी और की आरक्षित सीट पर कब्जा जमाने पर रेलवे आपसे 250 रुपये का जुर्माना वसूल सकता है।

अपनी कंफर्म टिकट बेचने पर खानी पड़ेगी जेल की हवा

कई बार लोग यात्रा न कर पाने की स्थिति में अपनी आरक्षित सीट किसी अन्य व्यक्ति को बेच देते हैं या दे देते हैं। रेलवे के नियमों के मुताबिक यह एक बेहद गंभीर अपराध है। ट्रेन की टिकट केवल रेलवे के आधिकारिक माध्यमों से ही बेची जा सकती है। बिना रेलवे की अनुमति के किसी और को टिकट बेचना रेलवे अधिनियम की धारा 143 के तहत जुर्म की श्रेणी में आता है। ऐसा करते हुए पकड़े जाने पर आपको 3 साल तक की जेल हो सकती है और साथ ही 10 हजार रुपये तक का भारी जुर्माना भी भरना पड़ सकता है।

वेटिंग टिकट पर आरक्षित कोच में सफर करना भी है गैरकानूनी

अक्सर ऐसा देखने में आता है कि चार्ट बनने के बाद भी अगर टिकट वेटिंग में रह जाती है, तो यात्री उसी टिकट के सहारे आरक्षित कोच में सफर करने लगते हैं। रेलवे के नियमों के अनुसार यह पूरी तरह से जुर्म है और ई-टिकट वेटिंग होने पर वह अपने आप कैंसिल हो जाता है। अगर आप फिर भी आरक्षित कोच में वेटिंग टिकट पर यात्रा करते पकड़े जाते हैं,

तो टीटीई आपसे 250 रुपये का जुर्माना तो वसूलेगा ही, साथ ही ट्रेन के पूरे टिकट का किराया भी पेनल्टी के तौर पर देना होगा। इसलिए अपनी यात्रा को सुरक्षित और तनावमुक्त बनाने के लिए हमेशा रेलवे के नियमों का पालन करें।

त्योहारी सीजन में फीकी पड़ेगी मिठास, चीनी के बाद अब गुड़ ने दिया बड़ा झटका; 100 रुपए किलो पहुंचा भाव

मुंबई (आरएनएस)। शक्कर की बढ़ती कीमतों से परेशान आम जनता को अब एक और बड़ा झटका लगा है। त्योहारी सीजन से ठीक पहले गुड़ की कीमतों में आए भारी उछाल ने आम आदमी के बजट की कमर तोड़ कर रख दी है। आलम यह है कि मुंबई की कृषि उपज मंडी समिति (APMC) में 25 अगस्त 2026 को गुड़ का भाव 80 रुपये से लेकर 100 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गया। बाजार में गुड़ की अलग-अलग क्वालिटी के हिसाब से ग्राहकों को और भी ज्यादा कीमत चुकानी पड़ रही है। वहीं, खुदरा बाजार में तो इसके दाम मंडी से भी ज्यादा ऊंचे स्तर पर पहुंच गए हैं, जिससे लोगों के माथे पर चिंता की लकीरें साफ देखी जा सकती हैं। गुड़ की कीमतों में यह आग अचानक नहीं लगी है।

त्योहारों से पहले चीनी की कीमतों पर सरकार का बड़ा कदम, आयातित कच्ची चीनी 60 दिन में बाजार में बेचनी होगी

नई दिल्ली, (आरएनएस)। आगामी त्योहारी मौसम में देश में चीनी की कीमतों को नियंत्रण में रखने और इसकी जमाखोरी रोकने के लिए केंद्र सरकार ने आयातित कच्ची चीनी के नियमों में बड़ा बदलाव किया है। विदेश व्यापार महानिदेशालय ने बिना सीमा शुल्क के आयात की जाने वाली कच्ची चीनी को लेकर नई व्यवस्था लागू की है।

नए नियम के तहत चीनी आयात करने वाले व्यापारियों को भारत के बंदरगाह पर चीनी उतरने और उसके प्रवेश-पत्र दाखिल होने की तारीख से दो महीने यानी 60 दिनों के भीतर उसे परिष्कृत करके भारतीय बाजार में बेचने की अनिवार्यता होगी। इससे आयातित चीनी को लंबे समय तक गोदामों में रोककर रखने की संभावना कम होगी और बाजार में आपूर्ति लगातार बनी रहने की उम्मीद है।

इससे पहले सरकार ने 20 अगस्त को शुल्क दर कोटा व्यवस्था के तहत 10 लाख टन कच्ची चीनी को बिना सीमा शुल्क के भारत में आयात करने की अनुमति दी थी। उस समय व्यवस्था के अनुसार आयातित चीनी को परिष्कृत कर बाजार में बेचने की अंतिम समय सीमा 31 अक्टूबर निर्धारित की गई थी।

हालांकि, इस व्यवस्था में यह संभावना थी कि जिन व्यापारियों ने अगस्त की शुरुआत में चीनी का आयात कर लिया है, वे उसे अक्टूबर के अंत तक अपने पास रोककर रख सकते हैं। इससे बाजार में तत्काल उपलब्ध चीनी की मात्रा प्रभावित होने और कीमतों पर दबाव बढ़ने की आशंका थी।

सरकार ने अब पहले से तय 31 अक्टूबर की अंतिम समय सीमा को हटाकर नई व्यवस्था लागू की है। इसके तहत हर आयात खेप के लिए अलग से 60 दिन की समय सीमा तय होगी।

यानी कोई व्यापारी जिस दिन कच्ची चीनी भारत में आयात करेगा, उस दिन से 60 दिनों के भीतर उसे परिष्कृत करके भारतीय बाजार में बेचना होगा। यह व्यवस्था एक सतत समय-सीमा की तरह काम करेगी, जिससे अलग-अलग तारीखों पर आयात की गई चीनी को लंबे समय तक रोककर रखने की गुंजाइश कम होगी।

भारतीय चीनी एवं जैव-ईंधन निर्माता संघ के अनुसार, हाल के दिनों में चीनी की कीमतों में आई तेजी देश में वास्तविक कमी के कारण नहीं थी। संगठन के मुताबिक कुछ लोगों ने त्योहारी मांग बढ़ने की संभावना को देखते हुए सट्टेबाजी और चीनी का भंडारण करने का प्रयास किया, जिससे बाजार में कृत्रिम कमी की धारणा बनी और उपभोक्ताओं के बीच चिंता बढ़ी।विशेषज्ञों के अनुसार देश में चीनी का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है। सरकार की नई 60 दिन की अनिवार्य बिक्री व्यवस्था से व्यापारियों द्वारा चीनी को लंबे समय तक गोदामों में रोककर रखने की संभावना कम होगी।

इससे त्योहारी मौसम में बाजार में चीनी की नियमित आपूर्ति बनाए रखने में मदद मिल सकती है। सरकार के इस कदम से चीनी की कीमतों में अनावश्यक तेजी पर रोक लगने और आम उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ कम होने की उम्मीद है।

सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट, सोना 1.63 लाख और चांदी 2.43 लाख रुपये के स्तर पर

नई दिल्ली,(आरएनएस)। भारतीय सर्राफा बाजार में मंगलवार को सोने और चांदी की कीमतों में नरमी देखने को मिली। घरेलू वायदा बाजार में दोनों कीमती धातुओं के भाव गिरावट के साथ कारोबार करते नजर आए।

बाजार विश्लेषकों के अनुसार, स्थानीय हाजिर बाजार में मांग कमजोर रहने और निवेशकों की ओर से मुनाफावसूली किए जाने के कारण कीमतों पर दबाव बना।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर अक्टूबर आपूर्ति वाला सोना 120 रुपये यानी 0.07 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,63,109 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया। इस दौरान कुल 1,595 अनुबंधों में कारोबार हुआ।बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, आगामी शादी के मौसम से पहले स्थानीय बाजारों में खरीदारी सुस्त रहने से सोने की कीमतों पर हल्का दबाव बना हुआ है। सोने की तुलना में चांदी की कीमतों में अधिक गिरावट दर्ज की गई। निवेशकों द्वारा अपने सौदों में कमी किए जाने से चांदी के भाव पर दबाव बढ़ा।मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सितंबर आपूर्ति वाली चांदी 903 रुपये यानी 0.37 प्रतिशत की गिरावट के साथ 2,43,317 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई। इस दौरान कुल 1,702 अनुबंधों में कारोबार हुआ।भारतीय बाजार में कीमती धातुओं की कीमतों में आई गिरावट का असर अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी देखने को मिला। अमेरिकी बाजार में सोने का वायदा भाव 0.23 प्रतिशत गिरकर 4,641.42 डॉलर प्रति औंस पर आ गया।वहीं, अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी की कीमत 1.04 प्रतिशत की गिरावट के साथ 68.22 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार करती रही। वैश्विक बाजार में नरमी के बीच घरेलू निवेशकों ने भी सतर्क रुख अपनाया है।

दिल्ली हवाई अड्डे पर फेडएक्स बनाएगी अत्याधुनिक हवाई मालवाहक केंद्र, 1,400 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश

नई दिल्ली,(आरएनएस)। वैश्विक कूरियर और माल परिवहन कंपनी फेडएक्स कॉरपोरेशन ने दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर अत्याधुनिक और एकीकृत हवाई मालवाहक केंद्र स्थापित करने की घोषणा की है। कंपनी इस परियोजना में दीर्घ अवधि में करीब 150 करोड़ अमेरिकी डॉलर यानी 1,400 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश करेगी।

नया मालवाहक केंद्र दिल्ली हवाई अड्डे के 'जीएमआर कार्गो सिटी' में करीब 2.30 लाख वर्ग फुट क्षेत्र में विकसित किया जाएगा। इसका उद्देश्य उत्तर और पूर्वी भारत के व्यापार को वैश्विक बाजारों से बेहतर हवाई संपर्क प्रदान करना और क्षेत्र से होने वाले निर्यात को गति देना है।

नई सुविधा के निर्माण के लिए मंगलवार को राजधानी दिल्ली में भूमि पूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री के. राममोहन नायडू और नागरिक उड्डयन सचिव समीर कुमार सिन्हा शामिल हुए।

इस अवसर पर नागरिक उड्डयन मंत्री ने कहा कि भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, विनिर्माण और औषधि जैसे क्षेत्रों में तेजी से आगे बढ़ रहा है। ऐसे में देश को वैश्विक हवाई माल परिवहन व्यवस्था की प्रमुख कड़ी बनने की दिशा में आगे

बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार इस क्षेत्र के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए लगातार काम कर रही है।

प्रस्तावित मालवाहक केंद्र की सबसे बड़ी विशेषता इसकी आधुनिक और स्वचालित प्रसंस्करण व्यवस्था होगी। फेडएक्स के अनुसार, केंद्र के पूरी तरह तैयार होने के बाद पैकेजों की प्रसंस्करण क्षमता करीब आठ गुना बढ़ जाएगी।वर्तमान में प्रति घंटे करीब 600 पैकेज संसाधित किए जा सकते हैं। नए स्वचालित केंद्र के संचालन में आने के बाद यह क्षमता बढ़कर लगभग 5,000 पैकेज प्रति घंटा हो जाएगी। भविष्य में आवश्यकता के अनुसार इस क्षमता को और बढ़ाने की गुंजाइश भी रखी गई है।नए केंद्र में घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों प्रकार के माल संचालन को एक ही स्थान पर एकीकृत किया जाएगा। इससे माल की आवाजाही में लगने वाला समय कम होगा और आपूर्ति श्रृंखला को अधिक प्रभावी बनाने में मदद मिलेगी।

एकीकृत व्यवस्था से माल की छंटाई, प्रसंस्करण और आगे भेजने की प्रक्रिया अधिक तेज और व्यवस्थित होने की उम्मीद है। इससे कारोबारियों को वैश्विक बाजारों तक पहुंच बनाने में भी सुविधा मिलेगी।

नागरिक उड्डयन सचिव समीर कुमार सिन्हा ने कहा कि सरकार हवाई अड्डों पर माल परिवहन से जुड़ी बाधाओं को दूर करने और मंजूरी की प्रक्रिया को तेज करने के लिए आवश्यक कदम उठा रही है।

उन्होंने कहा कि हवाई माल परिवहन के बुनियादी ढांचे को मजबूत करना देश के व्यापार और निर्यात को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण है। प्रस्तावित केंद्र का निर्माण विभिन्न चरणों में किया जाएगा और परियोजना का काम जल्द शुरू होने की उम्मीद है।

फेडएक्स की इस परियोजना से दिल्ली हवाई अड्डे की माल परिवहन क्षमता बढ़ने के साथ उत्तर और पूर्वी भारत के विनिर्माण, इलेक्ट्रॉनिक्स, औषधि तथा अन्य व्यापारिक क्षेत्रों को वैश्विक बाजारों से जोड़ने में मदद मिलने की उम्मीद है।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है,
सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

ऊर्जा सुरक्षा नीति की कठिन परीक्षा

चीन अमेरिका से सौदेबाजी करने में अपने को सक्षम साबित कर चुका है। इसलिए ध्यान इस पर है कि भारत इस चुनौती से कैसे उबरता है, जो अपनी जरूरत का लगभग 90 फीसदी कच्चा तेल आयात करता है।

भारत की ऊर्जा सुरक्षा नीति की जल्द ही कठिन परीक्षा होगी। अमेरिका के नए 100 प्रतिशत टैरिफ की तलवार के मद्देनजर क्या भारत रूस से रियायती तेल को छोड़कर वैकल्पिक स्रोतों की ओर बढ़ेगा? या कूटनीतिक संतुलन साधते हुए मौजूदा आपूर्ति शृंखला बनाए रखने की कोशिश करेगा? पहले विकल्प के साथ रूस से पारंपरिक रिश्तों में पेच खड़ा होने और देश की छवि खराब होने का जोखिम है। जबकि दूसरा विकल्प अपनाने का मतलब अमेरिका से संबंधों पर लगाए गए बड़े दांव पर पुनर्विचार करना होगा। दूसरे विकल्प से फ़ौरी नुकसान संभावित हैं, लेकिन इससे दीर्घकाल में स्वायत्त विदेश नीति को विकसित करने की संभावना भी बन सकती है।

गौरतलब है, अमेरिकी सीनेट ने लिंडसे ग्राहम सैंक्शनिंग रशिया एंड ईरान एक्ट 2026 पारित कर दिया है। यह जल्द ही प्रतिनिधि सभा से भी पारित हो जाएगा। इसके तहत अमेरिकी राष्ट्रपति को रूसी तेल और गैस के पांच सबसे बड़े आयातकों पर 100 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने का अधिकार मिल जाएगा। समझा गया है कि इस बिल के निशाने पर मुख्यत: भारत और चीन हैं। मगर चीन अमेरिका से सौदेबाजी करने में अपने को सक्षम साबित कर चुका है। इसलिए ध्यान इस पर टिका है कि भारत इस चुनौती से कैसे उबरता है। भारत कच्चे तेल की कुल जरूरत का लगभग 90 फीसदी हिस्सा आयात करता है। इसमें रूसी कच्चे तेल की हिस्सेदारी तकरीबन 48 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है। अमेरिका का मकसद विश्व बाजार में रूसी तेल की पहुंच रोकना है, जिसका एक असर कच्चे तेल की अंतरराष्ट्रीय कीमतों में भारी उछाल के रूप में देखने को मिलेगा।

ईरान युद्ध के कारण तेल पहले से महंगा है। अप्रैल-जून तिमाही में भारत का कच्चे तेल का आयात बिल पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में 60 फीसदी बढ़कर लगभग 49.8 अरब डॉलर तक पहुंच गया था। नया प्रतिबंध लागू होने पर भारत को पश्चिम एशियाई तेल की ओर रुख करना पड़ सकता है या फिर उसे अमेरिका या वेनेजुएला से आयात बढ़ाना होगा, जो काफी महंगा साबित होगा। इसीलिए यह मुद्दा भारत सरकार के सामने यक्ष प्रश्न बन कर खड़ा हो गया है।

लोकतंत्र में मोब लीचिंग,भीड़ तंत्र के विवेक-हीन निर्णय का लोकतंत्र में कोई स्थान नहीं।

संजीव ठाकुर,

सामूहिक भीड़ का अपना कोई मस्तिष्क नहीं होता। उसमें व्यक्ति की स्वतंत्र विवेक-बुद्धि धीरे-धीरे सामूहिक उन्माद के सामने दबने लगती है। सड़क पर खड़ी भीड़ जब किसी आरोप, अफवाह, धार्मिक पहचान, जातीय पूर्वाग्रह अथवा सोशल मीडिया पर प्रसारित अधूरी सूचना के आधार पर किसी व्यक्ति समाज अथवा बड़े समूह के निर्णय को दोषी ठहराकर स्वयं दंड देने लगती है, तब वह केवल एक व्यक्ति पर हिंसा नहीं करती, बल्कि कानून के शासन, संविधान और न्याय व्यवस्था की बुनियाद को चुनौती देती है। मॉब लिंचिंग इसी भीड़-मानसिकता का सबसे भयावह रूप है।

विश्व प्रसिद्ध मनोवैज्ञानिक सिगमंड फ्रायड ने अपनी पुस्तक ग्रुप साइकोलॉजी एंड एनालिसिस ऑफ इगो में भीड़ के मनोविज्ञान का विश्लेषण करते हुए बताया कि समूह में व्यक्ति की भावनाएं तीव्र हो सकती हैं और उसकी बौद्धिक आलोचनात्मक क्षमता कमजोर पड़ सकती है। फ्रायड ने सामूहिक मानसिकता को आदिम समूह-मानस से जोड़ते हुए यह समझाने का प्रयास किया कि भीड़ में व्यक्ति का व्यक्तिगत विवेक किस प्रकार दब सकता है।यही कारण है कि अफवाह भीड़ में तथ्य से अधिक शक्तिशाली हो जाती है। एक व्यक्ति कुछ कहता है, दूसरा उसे बढ़ाता है, तीसरा उसमें अपनी कल्पना जोड़ता है और कुछ ही मिनटों में एक झूठ सामूहिक सत्य की तरह प्रस्तुत होने लगता है।मॉब लिंचिंग कानून के स्थान पर उन्माद

मॉब लिंचिंग केवल हत्या का मामला नहीं है। यह उस मानसिकता का परिणाम है जिसमें व्यक्ति या समूह स्वयं को न्यायाधीश, पुलिस और जल्लाद तीनों समझने लगता है।

लोकतांत्रिक राज्य में अपराध का निर्धारण भीड़ नहीं करती। अपराध की जांच पुलिस करती है,अभियोजन अपना पक्ष रखता है और न्यायपालिका साक्ष्यों के आधार पर निर्णय देती है। इसलिए भीड़ द्वारा किया गया तथाकथित न्याय वास्तव में न्याय नहीं, बल्कि कानून के शासन का अपहरण है। सर्वोच्च न्यायालय ने भीड़ हिंसा और मॉब लिंचिंग की गंभीरता को देखते हुए राज्यों को निवारक, उपचारात्मक और दंडात्मक उपायों के संबंध में स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए हैं। हर भीड़ हिंसक नहीं होती। स्वतंत्रता आंदोलन के जनसमूह, किसी प्राकृतिक आपदा में सहायता करने वाले नागरिक, लोकतांत्रिक शांतिपूर्ण प्रदर्शन और सामाजिक सुधार के लिए जुटे लोग भी भीड़ का हिस्सा हो सकते हैं। अंतर यह है कि ऐसी सामूहिकता नैतिक उद्देश्य, अनुशासन और जिम्मेदारी से संचालित होती है। समस्या तब शुरू होती है जब भीड़ व्यक्ति की विवेकशीलता को निगल लेती है और उसमें मैंने नहीं किया, सबने किया जैसी मानसिकता पैदा हो जाती है। तब जिम्मेदारी बिखर जाती है और अपराध सामूहिक हो जाता है। भीड़ में व्यक्ति अपनी पहचान खोकर एक ऐसी मनोवैज्ञानिक इकाई का हिस्सा बन जाता है, जिसमें भावनाएं तर्क पर भारी पड़ सकती हैं। वह निर्दोष भी हो सकता

है, लेकिन भीड़ के लिए सत्य की जांच से अधिक महत्वपूर्ण उसका तत्कालिक क्रोध हो जाता है। यही कारण है कि अफवाह भीड़ में तथ्य से अधिक शक्तिशाली हो जाती है। एक व्यक्ति कुछ कहता है, दूसरा उसे बढ़ाता है, तीसरा उसमें अपनी कल्पना जोड़ता है और कुछ ही मिनटों में एक झूठ सामूहिक सत्य की तरह प्रस्तुत होने लगता है। मॉब लिंचिंग में कानून के स्थान पर केवल उन्माद ही होता है। मॉब लिंचिंग केवल हत्या का मामला नहीं है। यह उस मानसिकता का परिणाम है जिसमें व्यक्ति या समूह स्वयं को न्यायाधीश, पुलिस और जल्लाद तीनों समझने लगता है। किसी व्यक्ति पर चोरी, बच्चा चोरी, पशु हत्या, धार्मिक अपमान, सांप्रदायिक अपराध अथवा किसी अन्य अपराध का आरोप लगते ही यदि भीड़ उसे घेरकर मार डालती है, तो उस व्यक्ति को न्याय पाने का अवसर ही नहीं मिलता। वह निर्दोष भी हो सकता है, लेकिन भीड़ के लिए सत्य की जांच से अधिक महत्वपूर्ण उसका तत्कालिक क्रोध हो जाता है।यहां सबसे बड़ा प्रश्न केवल यह नहीं है कि भीड़ ने हत्या क्यों की प्रश्न यह भी है कि ऐसी मानसिकता पैदा क्यों हुई? इसके पीछे कई सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और मनोवैज्ञानिक कारण एक साथ काम करते हैं।

असमानता, बेरोजगारी और कुंठा

आज का समाज उपभोक्तावादी आकांक्षाओं से संचालित है। सफलता के चमकदार प्रतीक सामने हैं, लेकिन उन्हें प्राप्त करने के अवसर सभी के लिए समान नहीं हैं। शिक्षा प्राप्त करने के बाद रोजगार न मिलना, अल्प रोजगार, आर्थिक असमानता और सामाजिक अवसरों का केंद्रीकरण युवा मन में निराशा और कुंठा पैदा कर सकता है।

भारत में संपत्ति के वितरण को लेकर विभिन्न रिपोर्टों में गंभीर असमानता सामने आती रही है। उदाहरण के लिए, ऑक्सफैम इंडिया की एक रिपोर्ट में शीर्ष 10 प्रतिशत आबादी के पास राष्ट्रीय संपत्ति का 77.4 प्रतिशत और शीर्ष 1 प्रतिशत के पास 51.53 प्रतिशत हिस्सा बताया गया था। आंकड़ों की पद्धति और वर्ष के अनुसार अनुपात बदल सकते हैं, लेकिन व्यापक तथ्य यह है कि आर्थिक असमानता लोकतांत्रिक समाज के लिए गंभीर चुनौती है। यह कहना उचित नहीं होगा कि गरीबी या बेरोजगारी सीधे मॉब लिंचिंग को जन्म देती है। अधिकांश गरीब और बेरोजगार लोग हिंसक नहीं होते। लेकिन जब आर्थिक निराशा के साथ सामाजिक असुरक्षा, राजनीतिक उकसावा, पहचान की राजनीति, अफवाह और संस्थाओं पर अविश्वास जुड़ जाते हैं, तब सामूहिक उन्माद के लिए जमीन तैयार हो सकती है।शिक्षा में केवल डिग्री नहीं, विवेक भी होना चाहिए, हमारी शिक्षा व्यवस्था का उद्देश्य केवल डिग्री देना नहीं होना चाहिए। यदि स्नातक और स्नातकोत्तर शिक्षा व्यक्ति को रोजगार योग्य तो बनाती है, लेकिन उसे संवैधानिक मूल्यों, सहिष्णुता, तर्क, संवाद और असहमति का सम्मान नहीं सिखाती, तो शिक्षा अधूरी है।आज आवश्यकता ऐसी शिक्षा की है जो विद्यार्थी को यह सिखाए कि आरोप और प्रमाण में अंतर होता है; अफवाह और सत्य अलग होते हैं; असहमति शत्रुता नहीं है; और किसी व्यक्ति की धार्मिक, जातीय या भाषायी पहचान उसके अपराधी होने का प्रमाण नहीं है।डिग्री हाथ में हो और विवेक अनुपस्थित हो तो शिक्षित भीड़ भी उतनी ही खतरनाक हो सकती है जितनी अशिक्षित भीड़।सोशल मीडिया ने सूचना को लोकतांत्रिक बनाया है, लेकिन उसी के साथ अफवाह को भी अभूतपूर्व गति दी है। कुछ सेकंड में पुराना वीडियो नए स्थान का बताकर प्रसारित किया जा सकता है। किसी घटना की अधूरी जानकारी को धार्मिक या राजनीतिक रंग देकर हजारों लोगों तक पहुंचाया जा सकता है।भीड़ पहले बनती है, सत्य बाद में खोजा जाता है यह स्थिति लोकतंत्र के लिए बेहद खतरनाक है।इसलिए डिजिटल साक्षरता आज सामान्य शिक्षा जितनी ही आवश्यक है। नागरिक को किसी वायरल संदेश को आगे बढ़ाने से पहले यह पूछना चाहिए—स्रोत क्या है? प्रमाण क्या है? दूसरी स्वतंत्र जानकारी क्या कहती है?

मीडिया की जिम्मेदारी

लोकतंत्र में मीडिया को समाज की आंख और कान कहा जाता है। लेकिन यदि समाचार तथ्य की जगह उत्तेजना, संवाद की जगह विभाजन और सत्य की जगह सनसनी को महत्व देने लगे, तो वह सामाजिक तनाव कम करने के बजाय उसे बढ़ा सकता है। किसी अपराध की रिपोर्टिंग में आरोपी की पहचान को धर्म, जाति या समुदाय से जोड़कर प्रस्तुत करना, बिना पुष्टि के सोशल मीडिया दावों को समाचार बनाना और अपराध को सामुदायिक संघर्ष में बदल देना समाज को खतरनाक दिशा में ले जाता है।

अब किताबे गलतियों से भरी

हरिशंकर व्यास

अब किताबे गलतियों से भरी होती है। जिसको जो मन में आया उसने किताब में लिख दिया। न्यायपालिका में भ्रष्टाचार का अध्याय आठवीं कक्षा की किताब में शामिल कर दिया गया, जिस पर बाद में बहुत हंगामा हुआ और किताब वापस लेनी पड़ी। ऐसा कई किताबों के मामले में हुआ है। ओडिशा की इस साल समाजशास्त्र की एक किताब में तो इतनी गलतियां हैं कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उसका मजाक बना है।

उसके बाद नीतिगत स्तर पर ऐसे काम हुए, जिनका प्रत्यक्ष उद्देश्य शिक्षा में सुधार से ज्यादा विवाद पैदा करना और प्रचार पाना था। चाहे नई शिक्षा नीति हो, चाहे त्रिभाषा फॉर्मूला हो, चाहे पीएम श्री की योजना हो, कौशल विकास के लिए शुरू की गई स्किल इंडिया योजना हो या 'एक देश, एक परीक्षा' की जिद हो। इन सबका साझा असर यह हुआ कि देश के नौजवान पूरी तरह से असहाय और किंकर्तव्यविमूढ़ हुए। अंत में उसे कोई तरीका नहीं सुझा तो वह आंदोलन पर उतरा। उसके सरोकारों को समझने और उसे ठीक करने की बजाय सरकार के लोग अब उनके बातचीत के तरीके, सोशल मीडिया रील्स और मीम्स की नकल करके अपना मजाक बनवा रहे हैं। असल में अनपढ़ और कुपढ़ लोगों के हाथ में शिक्षा और परीक्षा की व्यवस्था सौंप दी गई है, जिससे नौजवान पीढ़ी के भविष्य पर गंभीर सवाल खड़ा हो गया है और जब युवा नाराज हुए हैं तो उनकी भोंड़ी नकल करके उनको पटाने की कोशिश हो रही है। इस कोशिश में लगे सब बहुत दयनीय दिख रहे है।

शिक्षा में विकास की पूरी प्रक्रिया को रोक दिया गया। अच्छे संस्थानों को सुनियोजित तरीके से खत्म करने की प्रक्रिया शुरू हुई। इसके लिए वहां अनुशासन से बंधे अपढ़ और कुपढ़ लोगों को बहाल किया गया। इसके साथ ही उन संस्थानों के क्लोन बनाने का काम भी बड़े पैमाने पर हुआ। आज बड़े गर्व से बताया जाता है कि कांग्रेस के शासन में छह आईआईटी थे, अब दो दर्जन हो गए हैं। लेकिन वास्तविकता यह है कि अब भी पहले वाले छह आईआईटी में दाखिले के लिए ही मारामारी है। ऐसे ही दर्जनों आईआईएम खुल गए, दर्जनों एम्स बन गए या बनाने की घोषणा हो गई। नए और गुणवत्तापूर्ण संस्थान बनाने की बजाय पुराने संस्थानों के क्लोन बनाने का विचार अपने आप में गड़बड़ है।

महिला सशक्तिकरण पर राहुल गांधी की खोखली बयानबाज़ी बनाम मोदी सरकार का ठोस रिकॉर्ड

ए. शक्तिवेल

पुणे में महिला सशक्तिकरण पर राहुल गांधी की हालिया टिप्पणी सुनने में आकर्षक लग सकती है, लेकिन यह एक बड़ा सवाल खड़ा करती है- क्या महिला सशक्तिकरण को केवल राजनीतिक भाषणों से मापा जाना चाहिए, या फिर उन कानूनों, अवसरों और संस्थाओं से, जो महिलाओं को वास्तव में अधिकार और अवसर प्रदान करते हैं? इस कसौटी पर नरेंद्र मोदी सरकार का रिकॉर्ड व्यापक है, जबकि महिलाओं से जुड़े महत्वपूर्ण सुधारों के मामले में कांग्रेस बार-बार सवालों के घेरे में रही है।

महिला सशक्तिकरण के प्रति मोदी सरकार का दृष्टिकोण मूल रूप से अलग रहा है। यह केवल कल्याण तक सीमित नहीं रहा, बल्कि अधिकार, गरिमा, प्रतिनिधित्व, वित्तीय आत्मनिर्भरता, उद्यमिता और महिला नेतृत्व वाले विकास तक विस्तारित हुआ है। तत्काल तीन तलाक को समाप्त करने से लेकर विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक तिहाई आरक्षण को संवैधानिक आधार देने तक, सरकार ने महिलाओं की सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक स्थिति को मजबूत करने वाले महत्वपूर्ण सुधार किए हैं।

मुस्लिम महिला (विवाह अधिकार संरक्षण) अधिनियम, 2019 इसका एक महत्वपूर्ण उदाहरण है। इस कानून ने तत्काल तीन तलाक को अमान्य घोषित किया और मुस्लिम महिलाओं को कानूनी संरक्षण प्रदान किया। लेकिन मुस्लिम महिलाओं को एक मनमानी प्रथा से सुरक्षा देने वाले इस उपाय का स्वागत करने के बजाय कांग्रेस ने विधेयक के पारित होने के दौरान इसका विरोध किया। इसलिए सवाल आज भी प्रासंगिक है- जब कांग्रेस महिलाओं के अधिकारों की बात करती है, तो उसने मुस्लिम महिलाओं को कानूनी संरक्षण और गरिमा देने वाले कानून का विरोध क्यों किया था?

इसी तरह नारी शक्ति वंदन अधिनियम, संविधान (106वां संशोधन) अधिनियम, 2023, महिलाओं के राजनीतिक प्रतिनिधित्व के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक कदम है। यह कानून संवैधानिक व्यवस्था के तहत लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक तिहाई आरक्षण का प्रावधान करता है। यह स्वतंत्र भारत में महिलाओं के राजनीतिक प्रतिनिधित्व से जुड़े सबसे महत्वपूर्ण संरचनात्मक सुधारों में से एक है। फिर भी कांग्रेस और उसके सहयोगियों ने महिलाओं के आरक्षण के क्रियान्वयन से जुड़ी परिसीमन प्रक्रिया पर आपत्तियां उठाई हैं। यदि कांग्रेस वास्तव में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत राजनीतिक प्रतिनिधित्व चाहती है, तो वह उस संवैधानिक व्यवस्था पर अड़चन क्यों पैदा करती है जिसके माध्यम से यह प्रतिनिधित्व वास्तविकता में बदलना है?

यह केवल राजनीतिक मतभेद नहीं है। यह कांग्रेस के दृष्टिकोण में एक गहरे विरोधाभास को सामने लाता है। महिलाओं के आरक्षण की बात करना एक बात है, लेकिन उसे वास्तविकता में बदलने वाली संवैधानिक प्रक्रिया पर सवाल उठाना दूसरी। महिलाओं को राजनीतिक दोहरे मापदंड नहीं, वास्तविक प्रतिनिधित्व चाहिए।

कांग्रेस के अपने राज्यों का रिकॉर्ड देखें तो यह विरोधाभास और गहरा हो जाता है। कर्नाटक में कांग्रेस सत्ता में है और राज्य मंत्रिपरिषद में एक भी महिला को मंत्री नहीं बनाया गया है। जो पार्टी राष्ट्रीय स्तर पर महिला सशक्तिकरण की बात करती है, उसे अपने ही शासन और संगठनात्मक फैसलों में भी अपनी प्रतिबद्धता दिखानी चाहिए।

कांग्रेस को अपने संगठन के भीतर महिलाओं के साथ व्यवहार को लेकर भी सवालों के जवाब देने होंगे। प्रियंका चतुर्वेदी ने उन पार्टी कार्यकर्ताओं की बहाली पर आपत्ति जताने के बाद कांग्रेस छोड़ी थी, जिनके बारे में उन्होंने कहा था कि उन्होंने उनके साथ दुर्व्यवहार और धमकी दी थी। राधिका खेड़ा ने भी बाद में पार्टी के भीतर उत्पीड़न और अपमान के आरोप सार्वजनिक रूप से उठाने के बाद कांग्रेस छोड़ दी। ये घटनाएं एक सीधा सवाल खड़ा करती हैं- देश को महिलाओं की गरिमा पर भाषण देने से पहले क्या राहुल गाँधी अपने ही राजनीतिक संगठन में महिलाओं की गरिमा और सम्मान सुनिश्चित कर सकते हैं?

मोदी सरकार का रिकॉर्ड केवल कानूनों तक सीमित नहीं है। महिलाओं का आर्थिक सशक्तिकरण इसका सबसे स्पष्ट उदाहरण है। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत 68 प्रतिशत लाभार्थी महिलाएं हैं। अप्रैल 2026 तक कुल 57.79 करोड़ से अधिक ऋण स्वीकृत किए जा चुके थे, जिनकी कुल राशि 40.07 लाख करोड़ से अधिक थी। इनमें लगभग दो तिहाई ऋण महिला उद्यमियों को दिए गए हैं। यही जमीन पर वास्तविक सशक्तिकरण है। जब किसी महिला को संस्थागत ऋण मिलता है, तो वह केवल सरकारी सहायता प्राप्त नहीं करती। उसे अपना व्यवसाय शुरू करने या उसका विस्तार करने, आय अर्जित करने और औपचारिक अर्थव्यवस्था में भाग लेने का अवसर मिलता है। मोदी सरकार ने महिलाओं को केवल लाभार्थी के रूप में देखने के बजाय उन्हें उद्यमी, रोजगारदाता और आर्थिक निर्णयकर्ता बनाने की दिशा में काम किया है।

यही परिवर्तन स्टार्टअप इंडिया में भी दिखाई देता है। डीपीआईआईटी द्वारा मान्यता प्राप्त लगभग आधे स्टार्टअप में कम से कम एक महिला निदेशक है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, स्टार्टअप इंडिया के तहत 75,000 से अधिक महिला नेतृत्व वाले स्टार्टअप को समर्थन दिया गया है। संदेश स्पष्ट है: महिलाएं पारंपरिक क्षेत्रों तक सीमित नहीं हैं। वे तेजी से संस्थापक, नवोन्मेषक और कारोबारी नेतृत्वकर्ता बन रही हैं।

ग्रामीण महिलाओं की कहानी भी उतनी ही प्रभावशाली है। लखपति दीदी ग्रामीण भारत में महिला नेतृत्व वाले विकास के सबसे महत्वपूर्ण उदाहरणों में से एक बन चुकी है। इस पहल का उद्देश्य स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को कम से कम 1 लाख की टिकाऊ वार्षिक आय हासिल करने में सक्षम बनाना है। मई 2026 तक, ग्रामीण विकास मंत्रालय के अनुसार, 3.07 करोड़ से अधिक ग्रामीण महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं। जुलाई 2026 तक सरकार ने बताया कि 3.46 करोड़ से अधिक स्वयं सहायता समूह की सदस्यों को लखपति दीदी बनने में सक्षम बनाया गया हैं।

यह एक गहरा सामाजिक परिवर्तन है। जो महिला कभी पूरी तरह घरेलू अर्थव्यवस्था पर निर्भर थी, वह अब आय अर्जित करने वाली, उद्यमी और निर्णयकर्ता बन रही है। स्वयं सहायता समूहों, बैंक ऋण, कौशल, तकनीक और बाजार तक पहुंच के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को औपचारिक अर्थव्यवस्था से जोड़ा जा रहा है।

मेष राशि: मेष राशि वालों आज आपका दिन उत्तम रहेगा। आज आपके काम करने के तरीकों से लोग प्रभावित होंगे, लोग आपका अनुसरण करेंगे। आज आप अपनी जिम्मेदारियों को बखूबी निभाने में सक्षम होंगे। आज किसी से बात करते समय अपनी बातें शेयर न करें।

वृष राशि: वृष राशि वालों आज आपका दिन खुशहाल रहेगा। आज मित्रों से अपने मन की बात शेयर करने से आपके मन को सुकून मिलेगा। इसके साथ ही आपको नयी-नयी जानकारियां भी हासिल होंगी। आपको किसी रिश्तेदार से शुभ सन्देश भी मिल सकता है, इससे आपकी खुशी दोगुनी हो जाएगी।

मिथुन राशि: मिथुन राशि वालों आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज अपनी बातों से ही किसी को प्रभावित कर देंगे। आपके द्वारा समाज में किये गये सराहनीय काम को देखकर लोग आपसे कुछ अच्छा सीखेंगे, यह देखकर आपको गर्व महसूस होगा। इस राशि के जो लोग शिक्षण संस्थान से जुड़े हैं, उनके लिए आज ज्यादा लाभ के योग बन रहे हैं।

कर्क राशि: कर्क राशि वालों आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहेगा। आपका कोई काम जो आप काफी दिनों से कर रहे थे वह आज पूरा हो जायेगा। साथ ही आप काम करने के नए तरीकों पर विचार करेंगे। आज विद्यार्थियों द्वारा काफी दिनों से की गयी मेहनत का शुभ परिणाम मिलेगा।

सिंह राशि: सिंह राशि वालों आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज मानवहित में किये गये सराहनीय कामों के कारण आपको सम्मान मिलेगा। गैर-जरूरी खर्चों पर रोक लगाकर आप बचत करने के बारे में विचार करेंगे। व्यवसायिक गतिविधियां मन मुताबिक तरीके से चलती रहेंगी।

कन्या राशि: कन्या राशि वालों आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। इस राशि के जो लोग सरकारी नौकरी कर रहे हैं वो लोग अपने काम पा ज्यादा ध्यान दें। आज आप किसी से भी बहस की स्थिति में आ सकते है, इस समय आपका मौन रहना ज्यादा अच्छा होगा।

तुला राशि: तुला राशि वालों आज आपका दिन उत्तम रहेगा। कुछ लोग आपको कंफ्यूज करने की कोशिश करेंगे। दूसरों की बातों में ना आकर अपने निर्णय को ही सर्वोपरि रखेंगे, इससे आपके कार्य बड़ी ही आसानी से पूरे होंगे। ऑफिस में अपने काम पर ध्यान देने से आप सम्मान के पात्र बने रहेंगे।

वृश्चिक राशि: वृश्चिक राशि वालों आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। आप अपने काम पर पूरा फोकस बनाये रखें जल्द ही आपको भविष्य में अच्छा लाभ मिलेगा। आज अपने बिजी शेड्यूल से थोड़ा समय अपने बच्चों के लिए निकालेंगे, बच्चे अपने मन की बात आपसे शेयर करेंगे। लवमेट एक दूसरे प्रति विश्वास बनाये रखे।

धनु राशि: धनु राशि वालों आज आपका दिन सामान्य रहेगा। आप अपने निजी कामों पर बाहरी लोगों का दखल न होने दें। आप कोई भी फैसला भावात्मक बातों में आकर न करके गलत फैसलों से बच जायेंगे। आज ज्यादा काम के कारण आपको थकान हो सकती है आपकी छोटी छोटी परेशानियों का निवारण जल्द ही आप कर लेंगे।

मकर राशि: मकर राशि वालों आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। आज आप शाम का समय अपने माता पिता के साथ किसी महत्वपूर्ण टॉपिक पर विचार विमर्श करेंगे, आपको अच्छा सोल्यूशन मिल सकता है।

कुंभ राशि: कुम्भ राशि वालों आज का दिन आपके परिवार के लिए नयी खुशियां लेकर आया है। आज आपको किसी अनुभवी से मिली सलाह फायदेमंद साबित होगी। आपने, अपने काम को लेकर जो भी सपने संजोये थे, वो आज काफी हद तक पूरे हो जायेंगे।

मीन राशि: मीन राशि वालों आज का समय आपके लिए अच्छा है। आज आपकी पारिवारिक समस्या हल होगी औए आपके रुके काम में गति आएगी। आज सकारत्मक प्रवृति के लोगों की सलाह आपके लिए फायदेमंद रहेगी। आपकी मेहनत का उचित फल आपको जल्द ही मिलने वाला है।

भारत को रीसाइक्लिंग केंद्र बनना है, दुनिया का कूड़ाघर नहीं

मुनाफे के कंटेनर में बंद भारत की आने वाली पीढ़ियां

प्रो. आरके जैन अरिजीत

किसी देश की सीमाएं केवल नक्शे की रेखाएं नहीं; वे मिट्टी, पानी, हवा और आने वाली पीढ़ियों की सुरक्षा की चौकी हैं। जब समुद्र पार से आया जहाज माल नहीं, दूसरे देश का कचरा उगलता है, तो मामला सीमा शुल्क से उठकर राष्ट्र की अस्मिता तक पहुंच जाता है। जून 2026 में तमिलनाडु के तूतीकोरिन बंदरगाह पर 'वेस्ट पेपर' बताकर लाए कंटेनरों से इस्तेमाल प्लास्टिक बोतलें, डिब्बे, थैलियां और विदेशी सड़कों की झाड़-पोंछ निकलना इसी सच्चाई का प्रमाण है। मद्रास हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति डी. भारथा चक्रवर्ती ने इसे नियमों की धज्जियां उड़ाना नहीं, बल्कि भारत की धरती पर कचरा उड़ेलने वाला 'देशद्रोह का गंभीर रूप' कहा। यह शब्द चौंकाते हैं, क्योंकि हम पर्यावरणीय अपराध को अभी तक राष्ट्रीय अपराध की तरह देखना नहीं सीख पाए हैं। विडंबना की इससे बड़ी तस्वीर क्या होगी—जिस देश में रोज लगभग 1.7 लाख टन नगरपालिका कचरा पैदा होता है, लैंडफिल कराह रहे हैं, नदियां प्लास्टिक से घुट रही हैं और मिट्टी में जहर उतर रहा है, वही भारत विदेशों का कचरा खरीद रहा है। 2024-25 में पुनर्चक्रण योग्य कचरे और स्क्रैप का आयात 12.74 अरब डॉलर पहुंच गया, जबकि 2021 से 2023 के बीच करीब दो करोड़ किलोग्राम प्लास्टिक कचरा (आधिकारिक और अवैध/गलत घोषणा वाले दोनों स्रोतों को मिलाकर) देश में आया। सवाल यह नहीं कि कितना कचरा काम आ सकता है; सवाल है कि जब देश में रीसाइक्लिंग उद्योग के लिए पर्याप्त सामग्री है, तो विदेशी कचरे की जरूरत किसे? यदि जवाब कारोबारी मुनाफा है, तो यह व्यापार नहीं, मुनाफे की पैकिंग में छिपा पर्यावरणीय शोषण है।

यहां एक नए किस्म का उपनिवेशवाद जन्म लेता है। पहले शक्तिशाली देश गरीब देशों की जमीन और

संसाधन हड़पते थे; अब अपने कचरे के लिए उन्हीं देशों की कमजोर निगरानी और सस्ते श्रम को खोजते हैं। विकसित देशों में पर्यावरणीय नियम जितने कठोर होते जाते हैं, जहरीला बोझ कमजोर व्यवस्थाओं वाले देशों पर डालने का लालच उतना बढ़ता है। भारत यदि इसे स्वीकार करता है तो वह केवल विदेशी कचरा नहीं खरीद रहा, बल्कि अपने लोगों का स्वास्थ्य, मिट्टी की उर्वरता और नदियों का भविष्य गिरवी रख रहा है। इसे 'वेस्ट कोलोनियलिज्म' कहना अतिशयोक्ति नहीं। कचरा भी सत्ता का औजार हो सकता है—बस उसकी भाषा व्यापार और पुनर्चक्रण की होती है।

मद्रास हाईकोर्ट का महत्व यही है कि उसने सवाल को केवल 'यह कचरा कहां जाए' तक सीमित नहीं किया। अदालत ने न दुबई भेजने, न भारत में जलाने-दफनाने की अनुमति स्वीकार की। बासेल कन्वेंशन और खतरनाक अपशिष्ट नियम, 2016 की भावना स्पष्ट है—अवैध कचरा उसी देश को लौटना चाहिए जहां से वह आया है। उसे किसी तीसरे देश के गरीब हिस्से में भेजना समाधान नहीं, अपराध की जिम्मेदारी खिसकाना है। घरेलू भट्टियों में जला देना भी नैतिक विजय नहीं, क्योंकि वही विष धुएं के रूप में लौटेगा। अदालत ने केंद्र से बायोमेडिकल और नगरपालिका कचरे के पुन: निर्यात संबंधी प्रावधानों को स्पष्ट और कठोर बनाने का आग्रह कर जिम्मेदारी को नीति के दरवाजे तक पहुंचा दिया है। सबसे बड़ा विरोधाभास हमारे नारों में छिपा है। एक ओर स्वच्छ भारत, प्लास्टिक नियंत्रण और आत्मनिर्भरता की घोषणाएं हैं; दूसरी ओर बंदरगाहों पर विदेशी कचरे के कंटेनर खुलते हैं।

आत्मनिर्भर भारत का अर्थ उत्पादन में आत्मनिर्भर होना है, तो क्या कचरे में आत्मनिर्भर होने का गौरव नहीं? हम अपना कचरा नहीं संभाल पा रहे और दूसरों का कचरा संभालने को बंदरगाह खोल रहे हैं। मिट्टी, पानी और खाद्य श्रृंखला में घुलते विष आज न दिखें, पर आने वाली पीढ़ियां उनकी कीमत स्वास्थ्य, बीमारी और घटती जीवन-गुणवत्ता से चुकाएंगी। ऐसी विकास-रफ्तार किस काम की, जिसके पीछे जहरीला पदचिह्न छूटे समाज की चुप्पी इस कारोबार की सबसे बड़ी ताकत है। यह मामला उतनी बड़ी सार्वजनिक बहस नहीं बन पाया, जितनी बननी चाहिए थी। पर्यावरण सुरक्षा को राष्ट्रीय सुरक्षा से अलग देखना अब पुरानी सोच है। जैसे सीमा पार हथियारों की तस्करी खतरा है, वैसे ही जहरीला कचरा भी। फर्क इतना—हथियार एक दिन में मारते हैं, कचरा वर्षों में। उद्योगपति मुनाफा गिनता है, अधिकारी कागज, नागरिक अस्पताल की पर्ची। इस त्रिकोण को तोड़े बिना कोई स्वच्छता अभियान सफल नहीं होगा। अदालत की चेतावनी को महज न्यायिक टिप्पणी समझना भूल होगी; यह उस सार्वजनिक विवेक को जगाने का प्रयास है, जो धीरे-धीरे सुविधा का आदी हो गया है।रास्ता कठिन है, अस्पष्ट नहीं। संदिग्ध या गलत घोषित कचरे पर कठोर दंड हो, बंदरगाहों पर वैज्ञानिक और स्वतंत्र जांच हो, आयात नियमों की आड़ में छिपे रास्ते बंद हों और पुनर्चक्रण उद्योग को विदेशी कचरे पर निर्भर बनाने के बजाय देश में पैदा कचरे के वैज्ञानिक उपयोग की ओर मोड़ा जाए। पूर्ण प्रतिबंध पर विचार करना होगा, खासकर उन कचरा श्रेणियों पर जिनका घरेलू प्रबंधन संकट में है।

K K

राष्ट्रीय समाचार

बुधवार 26 अगस्त 2026,नर्मदापुरम् (होशंगाबाद)

दैनिक क्षितिज किरण 5

सभी पायलट का वार्षिक डोप टेस्ट करा सकती है सरकार, फुकेत-दिल्ली उड़ान घटना के बाद फैसला

नईदिल्ली, (आरएनएस)। थाईलैंड के फुकेत से 4 अगस्त को दिल्ली आ रही एयर इंडिया उड़ान के पायलट के गांजा के नशे में होने की पुष्टि के बाद अब केंद्र सरकार सभी पायलटों के डोप टेस्ट पर विचार कर रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) इस प्रस्ताव पर हितधारकों से परामर्श कर रहा है और प्रत्येक पायलट का साल में एक बार होने वाले परीक्षण की व्यवहार्यता की जांच कर रहा है।

नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू किंजरापु ने मंगलवार को बताया कि मौजूदा नियम के तहत 10 प्रतिशत एयरलाइन पायलटों का डोप परीक्षण अनिवार्य है।

उन्होंने कहा कि विमानन नियामक संस्था वर्तमान में 100 प्रतिशत परीक्षण के प्रभाव का आकलन कर रही है।

उन्होंने कहा कि सरकार सुरक्षा और परिचालन संबंधी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए ऐसी प्रणाली पर विचार कर रही है, जिसके तहत साल में एक बार प्रत्येक पायलट का परीक्षण किया जाए, जिसका समय अनिश्चित हो। केंद्रीय मंत्री नायडू ने कहा कि विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) फुकेत-दिल्ली एयर इंडिया की घटना की जांच कर रहा है।

उन्होंने बताया कि विमान और उसका डेटा रिकॉर्डर सुरक्षित हैं और जांचकर्ताओं के पास ही हैं। नायडू ने कहा, फिलहाल एएआईबी जांच कर रही है, और चूंकि डेटा रिकॉर्डर समेत सब कुछ सही सलामत है, विमान भी उनके कब्जे में है। इसलिए, मेरा मानना है कि हम बहुत जल्द ही कोई प्रारंभिक रिपोर्ट मिलने की उम्मीद कर सकते हैं।

प्रधानमंत्री ने उत्तम संगति और बुद्धिमत्तापूर्ण परामर्श के महत्व पर साझा किया संस्कृत सुभाषित

नई दिल्ली,(आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तम संगति, विवेकपूर्ण परामर्श और सच्ची मित्रता के महत्व को रेखांकित करने वाला एक संस्कृत सुभाषित साझा किया। उन्होंने इस सुभाषित के माध्यम से बताया कि जीवन में सही लोगों का साथ, सकारात्मक विचार-विमर्श और निस्वार्थ मित्रता व्यक्ति को सही दिशा प्रदान करती है।

प्रधानमंत्री ने सामाजिक माध्यम 'एक्स' पर यह संस्कृत सुभाषित साझा किया—

उत्तमैः सह साङ्गत्यं पण्डितैः सह सत्कथाम्।
अलुब्धैः सह मित्रत्वं कुर्वाणो नावसीदति॥

इस सुभाषित में कहा गया है कि जो व्यक्ति श्रेष्ठ लोगों की संगति करता है, विद्वानों के साथ सद्विचारों पर चर्चा करता है और लोभ रहित लोगों से मित्रता रखता है, वह जीवन में कभी निराश या पतित नहीं होता। प्रधानमंत्री द्वारा साझा किए गए इस सुभाषित में उत्तम संगति के महत्व पर विशेष बल दिया गया है। जीवन में व्यक्ति जिन लोगों के साथ रहता और विचार-विमर्श करता है, उनका उसके विचारों, व्यवहार और व्यक्तित्व पर गहरा प्रभाव पड़ता है। श्रेष्ठ और सकारात्मक लोगों की संगति व्यक्ति को सही मार्ग पर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है।

कर्नाटक में ऑनलाइन बिक रहा था धतूरा, अमेजन और स्वीगी समेत कई के लाइसेंस निलंबित

बेंगलुरु,(आरएनएस)। कर्नाटक में ऑनलाइन जहरीले धतूरे के फूल और फल को बेचे जाने पर खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने अमेजन, स्विगी, इंस्टामार्ट और बिगबास्के के लाइसेंस को निलंबित कर दिया है। विभाग ने यह कार्रवाई शिकायतों के आधार पर की है, जिसमें ऑनलाइन कंपनियों पर जहरीले उत्पादों की बिक्री करने का आरोप था। इससे पहले प्राधिकरण ने धतूरा उत्पादों की बिक्री के साथ-साथ इन प्लेटफार्मों पर उनकी ऑनलाइन लिस्टिंग की जांच का आदेश दिया था।विभाग ने जांच में पाया कि विभिन्न ई-कॉमर्स प्लेटफार्मों पर धतूरे के फल-बीज बिक्री के लिए प्रदर्शित हो रहे थे। कुछ मामलों में एफएसएसएआई लाइसेंस या पंजीकरण संख्या के साथ इनको बेचा जा रहा था।जांच में विभाग को धतूरा के फल और बीज वाले पैकेटों पर खाद्य लाइसेंस, पंजीकरण संख्या मिली। यह भी पता चला कि उत्पाद गोदाम में संग्रहित थे, जिन्हें ऑनलाइन प्लेटफार्मों से बेचा जाना था।विभाग ने उत्पादों जहरीला और सेहत के लिए खतरनाक बताया है।रिपोर्ट के मुताबिक, जांच के बाद कंपनियों के प्रतिनिधि अधिकारियों के समक्ष पेश हुए थे। अमेजन ने कोई जवाब नहीं दिया, जबकि इंस्टामार्ट ने संबंधित दस्तावेज जमा करने के लिए अतिरिक्त समय मांगा।

कम दबाव के क्षेत्र के असर से कई राज्यों में भारी बारिश के आसार, दिल्ली समेत कई इलाकों में चेतावनी

नई दिल्ली, (आरएनएस)। उत्तर ओडिशा और उससे सटे झारखंड तथा पश्चिम बंगाल के गंगा के मैदानी क्षेत्रों में बने कम दबाव के क्षेत्र के प्रभाव से देश के कई हिस्सों में अगले कुछ दिनों तक बारिश का दौर जारी रहने की संभावना है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, मौसम प्रणाली के अगले 24 घंटों के दौरान झारखंड और उत्तर ओडिशा से होकर लगभग उत्तर-पश्चिम दिशा में बढ़ने के आसार हैं।

मौसम विभाग के अनुसार, मानसून की द्रोणिका जम्मू से देहरादून, सुल्तानपुर और डाल्टनगंज होते हुए गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, उससे सटे झारखंड और उत्तर ओडिशा में बने कम दबाव वाले क्षेत्र तक फैली हुई है। इसके बाद यह उत्तर-पूर्वी बंगाल की खाड़ी की ओर बढ़ रही है।

लंबे इंतजार के बाद दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के कई हिस्सों में सोमवार को तेज बारिश और आंधी आई। बारिश के कारण कई इलाकों में जलभराव और यातायात प्रभावित हुआ। राजधानी में बारिश सामान्य से करीब 66 प्रतिशत अधिक दर्ज की गई है।मौसम विभाग के अनुसार, बारिश की तीव्रता के पीछे पश्चिमी विक्षोभ और कम दबाव वाले क्षेत्र से जुड़ी मौसम प्रणालियों का प्रभाव रहा है। राष्ट्रीय राजधानी के लिए मौसम विभाग ने लाल चेतावनी जारी की है। गुरुग्राम और फरीदाबाद के लिए पीली चेतावनी जारी की गई है, जबकि नोएडा में बादल छाए रहने के बावजूद फिलहाल कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है।

खराब मौसम का असर हवाई यातायात पर भी पड़ा। सोमवार को इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 26 उड़ानें रद्द की गईं, जबकि 390 से अधिक उड़ानें देरी से संचालित हुईं। उत्तराखंड के पहाड़ी जिलों में मंगलवार को भारी बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग ने देहरादून, पिथौरागढ़, नैनीताल और बागेश्वर के कुछ हिस्सों के लिए पीली चेतावनी जारी की है। उत्तर-पश्चिम भारत के कई हिस्सों में मानसून सक्रिय है। उत्तराखंड के अलावा पूर्वी और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कई क्षेत्रों में भी बारिश जारी रहने का अनुमान है। मध्य भारत में मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों में भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।

दिल्ली में मूसलाधार बारिश से हाहाकार, रेड अलर्ट के बीच सड़कें जलमग्न; 18 उड़ानें रद्द, 146 लेट

नई दिल्ली (आरएनएस)। मंगलवार सुबह हुई मूसलाधार बारिश ने राजधानी दिल्ली की रफ्तार थाम दी। भारी बारिश के बाद मौसम विभाग ने दिल्ली के लिए रेड अलर्ट जारी किया। शहर के कई इलाकों में गंभीर जलभराव हो गया, जिससे सड़कें तालाब में तब्दील नजर आईं और यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ। कई प्रमुख मार्गों पर वाहन रेंगते नजर आए। एयरलाइन ट्रैकिंग प्लेटफॉर्म Flightradar24 के अनुसार, दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 18 उड़ानें रद्द करनी पड़ीं, जबकि 146 उड़ानें देरी से चलीं। खराब मौसम के चलते यात्रियों को भी परेशानी का सामना करना पड़ा। बारिश का असर दिल्ली के कई प्रमुख इलाकों में देखने को मिला। राम मनोहर लोहिया अस्पताल, AIIMS, अशोक रोड और सुप्रीम कोर्ट के आसपास जलजमाव की खबरें सामने आईं। AIIMS के पास फ्लाईओवर लूप पर भारी मात्रा में पानी जमा हो गया, जिससे यातायात की रफ्तार बेहद धीमी हो गई।इससे पहले सोमवार को भी दिल्ली, गुरुग्राम और नोएडा के कई हिस्सों में भारी बारिश के कारण ट्रैफिक व्यवस्था प्रभावित हुई थी। मुख्य सड़कों और निचले इलाकों में पानी जमा होने से कई जगह वाहनों की लंबी कतारें लग गई थीं।भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) ने

मंगलवार सुबह जारी अपडेट में दिल्ली के कई हिस्सों में मध्यम बारिश और कुछ स्थानों पर भारी से अत्यधिक भारी बारिश की संभावना जताई। उत्तर दिल्ली, मध्य दिल्ली, उत्तर-पूर्वी दिल्ली, उत्तर-पश्चिमी दिल्ली, पश्चिमी दिल्ली, दक्षिण-पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली, दक्षिणी दिल्ली, दक्षिण-पूर्वी दिल्ली, शाहदरा और पूर्वी दिल्ली के लिए जिला स्तर की नाउकास्ट चेतावनी जारी की गई थी। रेड अलर्ट सुबह 9:45 बजे तक प्रभावी रहा। वहीं, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के गुरुग्राम और फरीदाबाद के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया। बारिश के इस दौर के कारण दिल्ली के कई मौसम केंद्रों पर इस मानसून की कुल बारिश सामान्य से काफी अधिक हो गई है। 24 अगस्त तक के आंकड़ों के अनुसार सफदरजंग में 246.2 मिमी बारिश दर्ज की गई, जो सामान्य 191.1 मिमी से 29 फीसदी अधिक है। पालम में 227.2 मिमी बारिश हुई, जो सामान्य से 28 फीसदी ज्यादा है। इसी तरह लोदी रोड पर 233.2 मिमी यानी सामान्य से 22 फीसदी अधिक, रिज स्टेशन पर 243 मिमी यानी 50 फीसदी अधिक और आया नगर में 266.3 मिमी यानी सामान्य से 66 फीसदी अधिक बारिश दर्ज की गई। IMD के अनुसार, दिल्ली-एनसीआर में भारी बारिश का प्रमुख कारण मध्य और ऊपरी वायुमंडल में सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ और निचले ट्रोपोस्फेरिक ट्रफ का आपस में संपर्क बनना है। यह ट्रफ गांगेय पश्चिम बंगाल से दक्षिण-पश्चिम उत्तर प्रदेश तक फैला हुआ था। इन मौसमी प्रणालियों के प्रभाव से दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों में बारिश का दौर तेज हुआ।

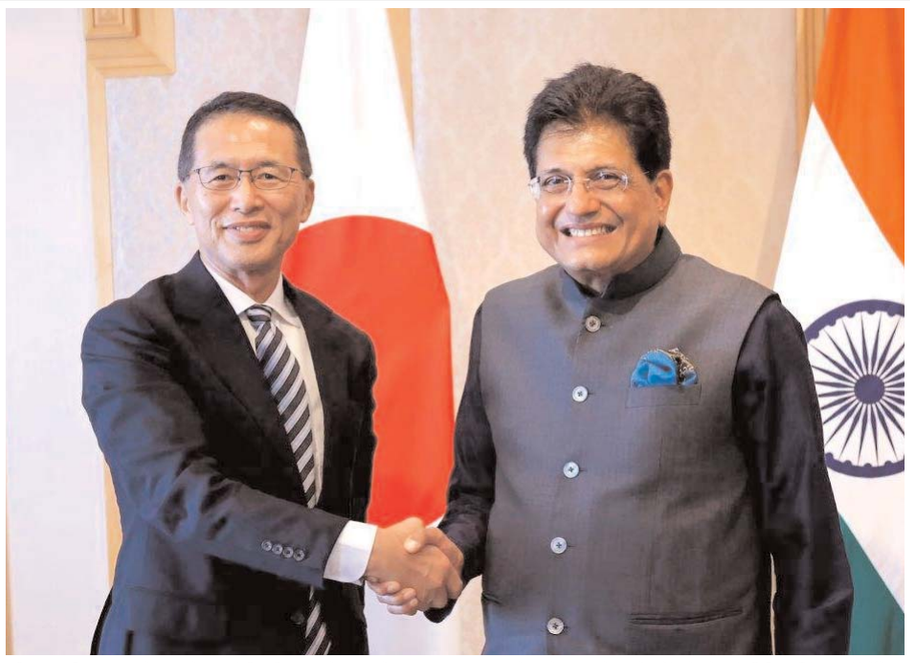

केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने जापान यात्रा के दौरान टोक्यो में टोयो इंजीनियरिंग कॉर्पोरेशन के प्रतिनिधि निदेशक, अध्यक्ष और सीईओ ईजी होसोई से मुलाकात की।

राहुल गांधी, आप जब भी आते हो, देर करते हो: अशोक उइके

नई दिल्ली (आरएनएस) । कांग्रेस नेता राहुल गांधी के ट्वीट पर महाराष्ट्र के आदिवासी विकास मंत्री डॉ. अशोक उइके ने तीखा जवाब दिया है। डॉ. उइके ने कहा कि राहुल गांधी , आप जब भी आते हो, देर करते हो। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से सवाल पूछने से पहले जरा अपने गिरेबान में झांक लिया होता।मंत्री उइके ने कहा कि जिस दिन राहुल गांधी महाराष्ट्र आए और पेड पीआर प्रोग्राम किया, उसी दिन प्रोग्राम से पहले ही नागपुर और चंद्रपुर के आदिवासी छात्रों ने अपना अनशन वापस ले लिया था। शायद प्रदेश के कांग्रेस नेताओं ने उन्हें गुमराह करने के लिए सही जानकारी नहीं दी होगी। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की कितनी भी लॉन्चिंग कर ली जाए, उन्हें फेल ही होना है, लेकिन छात्रों की मांग पर सरकार ने उम्र सीमा को 30 वर्ष कर दिया है।उन्होंने छात्राओं के फिटनेस सर्टिफिकेट और गर्भावस्था जांच के आरोपों को सिरे से खारिज किया। डॉ. उइके ने स्पष्ट किया कि जब कोई विद्यार्थी एक महीने की छुट्टी पर जाता है, तो उसके स्वास्थ्य के लिए ही फिटनेस प्रमाणपत्र मांगा जाता है। गर्भावस्था की जांच की बात सरासर झूठी है, ऐसी कोई टेस्ट नहीं होती है।सर्पदंश और आश्रमशालाओं में असुविधाओं की शिकायतों पर मंत्री ने कहा कि जहां सर्पदंश की घटना हुई या जहां शिकायतें आ रही हैं, वह आश्रमशालाएं कांग्रेस के ही पूर्व सांसद मारोतराव कोवासे और पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो. वसंत पुरके जैसी हस्तियों की हैं। ये सभी कांग्रेसी नेता हैं। उन्होंने कहा कि चिंता करने की जरूरत नहीं है, महाराष्ट्र का छात्र चाहे किसी भी समाज का हो, उसे सारी सुविधाएं देने के लिए राज्य की महायुति सरकार सक्षम है और उचित कदम उठा रही है। सफाई का काम जारी है और जारी रहेगा। डॉ. उइके ने राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा कि वे जरा झारखंड, कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश और केरल में भी अपनी पर्यटन यात्रा बढ़ाएं, जहां कांग्रेस की सरकारें हैं।

यूपीआई के एक दशक पूरे, प्रधानमंत्री ने नागरिकों से अनुभव साझा करने का किया आग्रह

नई दिल्ली, (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत की डिजिटल भुगतान व्यवस्था में क्रांतिकारी बदलाव लाने वाले एकीकृत भुगतान अंतरफलक (यूपीआई) के एक दशक पूरे होने पर इसकी परिवर्तनकारी यात्रा को याद किया। उन्होंने कहा कि यूपीआई ने देश में तेज, सरल, सुरक्षित और सुविधाजनक डिजिटल लेन-देन को नई गति प्रदान की है।

प्रधानमंत्री ने नागरिकों से अपने यूपीआई उपयोग के अनुभव साझा करने का आग्रह किया। उन्होंने लोगों से यह भी बताने को कहा कि यूपीआई ने उनके दैनिक जीवन को किस प्रकार सरल, सुविधाजनक और सहज बनाया है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि एक दशक पहले शुरू हुआ एकीकृत भुगतान अंतरफलक भारत की डिजिटल भुगतान यात्रा में एक ऐतिहासिक उपलब्धि साबित हुआ है। इसने डिजिटल लेन-देन को सरल, तेज, सुरक्षित और सुविधाजनक बनाते हुए देश में भुगतान के तौर-तरीकों में बड़ा बदलाव किया है।

पिछले दस वर्षों में यूपीआई की पहुंच देश के कोने-कोने तक हुई है। इसके चलते डिजिटल भुगतान आम नागरिकों के दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बन गया है। छोटे दुकानदारों से लेकर उपभोक्ताओं और कारोबारियों तक, बड़ी संख्या में लोग रोजमर्रा के लेन-देन के लिए यूपीआई का इस्तेमाल कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यूपीआई की व्यापक पहुंच और इसके लगातार विस्तार को भारत की महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि यूपीआई की इस उल्लेखनीय और गौरवपूर्ण यात्रा पर हर भारतीय गर्व कर सकता है।

ऊना में श्रद्धालुओं से भरा ट्रक खाई में गिरा, 40 से अधिक घायल; तीन पीजीआई चंडीगढ़ रेफर

ऊना,(आरएनएस)। हिमाचल प्रदेश के ऊना जिले में प्रसिद्ध धार्मिक स्थल पीर निगाह के समीप मंगलवार सुबह श्रद्धालुओं से भरा एक ट्रक अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरा। हादसे में ट्रक में सवार 40 से अधिक श्रद्धालु घायल हो गए। घायलों में महिलाएं, बच्चे और पुरुष शामिल हैं। बताया जा रहा है कि ट्रक में करीब 50 श्रद्धालु सवार थे।

सभी श्रद्धालु हरियाणा के करनाल जिले के इंद्री क्षेत्र के रहने वाले बताए जा रहे हैं। जानकारी के अनुसार, श्रद्धालु दो दिन पहले पीर निगाह मंदिर में दर्शन करने और भंडारा आयोजित करने के लिए पहुंचे थे। मंगलवार सुबह वे पीर निगाह से माता नैना देवी के दर्शन के लिए रवाना हुए थे। मंदिर से करीब दो किलोमीटर दूर पहुंचते ही ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे गहरी खाई में जा गिरा।

ट्रक के खाई में गिरते ही मौके पर चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोग तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे और खाई में गिरे श्रद्धालुओं को बाहर निकालने का काम शुरू किया। हादसे की सूचना पुलिस और स्वास्थ्य विभाग को दी गई, जिसके बाद राहत एवं बचाव दल मौके पर पहुंच गए।

घायलों को एंबुलेंस के माध्यम से क्षेत्रीय अस्पताल ऊना पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों और स्वास्थ्य कर्मचारियों ने उनका उपचार शुरू किया।

हादसे में घायल श्रद्धालु सोमनाथ ने बताया कि ट्रक उतराई पर नीचे जा रहा था। इसी दौरान वाहन का दबाव पाइप फट गया, जिसके कारण स्टीयरिंग ने काम करना बंद कर दिया और ट्रक अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरा।

हालांकि, हादसे के वास्तविक कारणों की पुष्टि पुलिस जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगी।

क्षेत्रीय अस्पताल ऊना के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. संजय मनकोटिया ने बताया कि हादसे में घायल 40 से अधिक श्रद्धालुओं को अस्पताल लाया गया था। सभी घायलों को आवश्यक उपचार दिया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि एक बच्चे सहित तीन घायलों की हालत गंभीर होने के कारण उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर चिकित्सा सुविधा के लिए स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (पीजीआई), चंडीगढ़ भेजा गया है। अन्य घायलों का उपचार क्षेत्रीय अस्पताल ऊना में जारी है।पुलिस ने हादसे की जांच शुरू कर दी है। जांच में यह पता लगाया जा रहा है कि ट्रक किस कारण अनियंत्रित हुआ और दुर्घटना किन परिस्थितियों में हुई। पुलिस वाहन की तकनीकी स्थिति तथा चालक की भूमिका समेत अन्य पहलुओं की भी जांच कर रही है।अधिकारियों ने अस्पताल प्रशासन को घायलों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। राहत एवं बचाव कार्य के दौरान स्थानीय लोगों ने भी प्रशासन का सहयोग किया।केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा, भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल और पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने हादसे पर दुख व्यक्त किया है। उन्होंने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

हैदराबाद की 'परिश्रम अदालत' में 8.29 करोड़ रुपये के 65 विलंबित भुगतान मामलों का समाधान

हैदराबाद, (आरएनएस)। तेलंगाना के उद्योग एवं वाणिज्य निदेशालय द्वारा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय के सहयोग से आयोजित 'परिश्रम अदालत' में 8.29 करोड़ रुपये के 65 विलंबित भुगतान विवादों का सफलतापूर्वक समाधान किया गया। इन मामलों का निपटारा सुलह सम्मेलनों के माध्यम से किया गया, जिससे कई सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों के लिए नकदी प्रवाह और कारोबारी निरंतरता बहाल करने में मदद मिली।

हैदराबाद में एफटीसीसीआई परिसर में आयोजित सम्मेलन में सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों, खरीदारों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, सूक्ष्म एवं लघु उद्यम सुविधा परिषदों, विवाद समाधान संस्थाओं तथा केंद्र और तेलंगाना सरकार के अधिकारियों ने भाग लिया।

सूक्ष्म और लघु उद्यमों के लिए विलंबित भुगतान केवल बकाया राशि का मामला नहीं है। भुगतान में देरी से कर्मचारियों के वेतन, कच्चे माल की खरीद, ऋण चुकाने और नए कारोबारी अवसरों का लाभ उठाने की क्षमता प्रभावित होती है। 'परिश्रम अदालत' में इस बात पर जोर दिया गया कि समय पर और प्रभावी विवाद समाधान से कारोबारी निरंतरता बनाए रखने, विश्वास बहाल करने और व्यापारिक संबंधों को मजबूत करने में सहायता मिल सकती है।

सम्मेलन में उद्यमियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि लंबित भुगतान के समाधान से उनके कारोबार को किस प्रकार राहत मिली और वे आगे की व्यावसायिक गतिविधियों को जारी रखने में सक्षम हुए।

नीमस सॉफ्टवेयर सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड की श्रीमती शालिनी ने लंबे समय से लंबित भुगतानों और अनुबंध संबंधी विवादों के कारण कंपनी की बचत तथा कारोबारी विश्वास पर पड़े असर की जानकारी दी। विलंबित भुगतान समाधान व्यवस्था के माध्यम से कंपनी के 11 में से नौ मामलों का समाधान हुआ। उन्होंने बताया कि बकाया राशि की वसूली ने कंपनी को केवल आर्थिक राहत ही नहीं दी, बल्कि कारोबार जारी रखने और विकास का भरोसा भी लौटाया।

नागार्जुन एग्रो केमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड के मुकुंद माहेश्वरी ने बताया कि सुविधा परिषद के हस्तक्षेप से ऐसे खरीदार से बकाया राशि वसूलने में मदद मिली, जो पहले उनके फोन का जवाब नहीं देता था। भुगतान मिलने के साथ कारोबारी संबंध भी कायम रहे। उन्होंने कहा, नकदी प्रवाह उद्योग की ऑक्सीजन है।सॉल्यूशंस के आत्मकुरी नम्मलवार ने बताया कि उनकी कंपनी दो वर्ष से अधिक समय से बकाया राशि की प्रतीक्षा कर रही थी। विवाद समाधान तंत्र के माध्यम से लगभग दो से तीन महीनों के भीतर चार मामलों का निपटारा हुआ और करीब 30 लाख रुपये की राशि की वसूली हुई।

बलात्कार के दोषी राम रहीम को 21 दिन की फरलो, 2 महीने बाद फिर बाहर आया

रोहतक (आरएनएस)। बलात्कार और हत्या के मामले में सजा काट रहे डेरा सच्चा सौदा के प्रमुख गुरमीत राम रहीम सिंह को हरियाणा सरकार की मेहरबानी से 2 महीने बाद फिर जेल से बाहर आने का मौका मिला। गुरमीत को 21 दिन की फरलो मिली। वह मंगलवार सुबह 6 बजे रोहतक की सुनारिया जेल से बाहर निकला और 8 गाड़ियों के काफिले के साथ सिरसा डेरा के लिए रवाना हुआ। इससे पहले, गुरमीत को 26 मई को 30 दिन की पैरोल मिली थी।गुरमीत को इस साल जनवरी में 40 दिन और मई में 30 दिन की पैरोल मिली थी। वह 25 जून को जेल लौटा। अब उसका पैरोल का कोटा खत्म हो गया है। हरियाणा गुड कंडक्ट प्रिजनर्स एक्ट 2022 के तहत जनवरी-दिसंबर तक कैदी 10 हफ्ते की पैरोल 2 हफ्ते में ले सकता है।गुरमीत इस साल 3 हफ्तों की फरलो का फायदा ले सकता है। फरलो को टुकड़ों में नहीं ले सकते और यह कभी भी ले सकते हैं।

जनवरी में गुरमीत ने अपनी मां की बीमारी बताकर 40 दिन की पैरोल ली थी।इस दौरान वह बरनावा आश्रम उत्तर प्रदेश और फिर बागपत आश्रम में रहा। वर्ष 2017 में सजा के बाद उसे सबसे पहले अक्टूबर 2020 में एक दिन की पैरोल मिली थी।इसके बाद, फरवरी 2022 में 21 दिन की फरलो मिली। पिछले 9 साल में यह 17वीं बार जेल से बाहर आया है। वह 430 दिन से अधिक बाहर रहा है।राम रहीम को सिरसा स्थित आश्रम में महिला शिष्याओं के साथ रेप के मामले में 20 साल की सजा मिली है। पंचकूला की विशेष सीबीआई कोर्ट ने अगस्त, 2017 में उसे दोषी ठहराया था।

इजरायल की पतंग और गुब्बारों को लेकर हमास को भीषण हमलों की चेतावनी

तेल अवीव/गाजा, (आरएनएस)। इजरायल ने सोमवार को आधिकारिक घोषणा की है कि गाजा की तरफ से आने वाली किसी भी पतंग या गुब्बारे को हथियारों से लैस ड्रोन की तरह माना जाएगा और उसे नष्ट कर दिया जाएगा, चाहे उसमें विस्फोटक लगा हो या नहीं। इजरायली रक्षा मंत्रालय ने हमास को इन पतंगों को रोकने के लिए बुधवार तक का समय दिया है, जिसके बाद गाजा पर भीषण और बलपूर्वक हवाई हमले शुरू करने की धमकी दी गई है।

इजरायल के रक्षा मंत्री इजरायल काट्ज ने सेना को स्पष्ट निर्देश दिया गया है कि वे गाजा से नेगेव क्षेत्र की बस्तियों की तरफ उड़कर आने वाली पतंगों और गुब्बारों के खिलाफ शून्य सहनशीलता की नीति अपनाएं।

बता दें, अतीत में गाजा ने इजरायली खेतों में आग लगाने के लिए गुब्बारों का इस्तेमाल किया था।

हालांकि, हाल ही गाजा से आई पतंगों में कोई विस्फोटक नहीं पाया गया है। इसके बावजूद इजरायल इसे सुरक्षा खतरे की तरह देख रहा है।

हमास के वरिष्ठ अधिकारी बासेम नईम ने कहा कि इजरायल मलबे के बीच अपने मासूम बचपन की तलाश कर रहे बच्चों द्वारा उड़ाई जा रही कागज की पतंगों और हवाई जहाजों को गाजा पर बमबारी करने का बहाना बना रहा है।

फिलिस्तीनी विश्लेषक हुसाम शाहीन ने कहा, गाजा पट्टी का लगभग 70 प्रतिशत हिस्सा इजरायली सेना के कब्जे में है। बच्चे की कागज की पतंग को सुरक्षा खतरा मानना बेहद हास्यपद है।इजरायल ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस कूटनीतिक प्रस्ताव को पूरी तरह खारिज कर दिया है, जिसमें हमास के विसैन्यीकरण के बदले इजरायल को चरणबद्ध तरीके से गाजा से बाहर निकलने की बात कही गई थी।राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से गाजा पर बमबारी कम करने की सीधी अपील के बावजूद इजरायली हमले रुके नहीं हैं। रविवार को भी मध्य गाजा में हुए एक हमले में 3 लोगों की मौत हो गई थी।

ईरान ने पहली बार आवाज के साथ जारी किया सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई का वीडियो

तेहरान,(आरएनएस)। ईरान में चल रहे भारी राजनीतिक और सैन्य संकट के बीच वहां की सरकार ने देश के नए सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई का एक अत्यंत दुर्लभ वीडियो जारी किया है। सूत्रों द्वारा जारी वीडियो में पहली बार दुनिया के सामने मोजतबा खामेनेई की आवाज सार्वजनिक रूप से सुनी गई है। फरवरी 2026 में अपने पिता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के बाद पद संभालने के बाद से मोजतबा कभी सार्वजनिक रूप से नजर नहीं आए। मोजतबा वीडियो में एक धार्मिक शैक्षणिक अध्ययन सत्र की अध्यक्षता करते नजर आ रहे हैं। वे एक छात्र द्वारा प्रस्तुत किए जा रहे शोध को सुनते हैं और बाद में उसका मूल्यांकन करते हैं। हालांकि, स्वतंत्र रूप से इस वीडियो की तारीख या प्रामाणिकता की पुष्टि नहीं की गई है। खुफिया रिपोर्टों का मानना है कि यह वीडियो उनके सर्वोच्च नेता बनने से पहले का है, क्योंकि मार्च 2026 में उनकी आधिकारिक नियुक्ति के बाद उन्हें किसी ने नहीं देखा। मोजतबा के गायब रहने के पीछे बड़ी वजह बताई जा रही है। 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल के हमलों में अयातुल्ला खामेनेई मारे गए थे।

ट्रंप फिर बढ़ाएंगे चीन पर टैरिफ का दबाव!, 7.5% नई ड्यूटी लगाने की तैयारी; ट्रेड वॉर का खतरा

वॉशिंगटन (आरएनएस)। अमेरिका और चीन के बीच व्यापारिक तनाव एक बार फिर बढ़ने के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन चीन से आयात होने वाले सामान पर 7.5त्न नया टैरिफ लगाने की तैयारी में है। यह फैसला अगले महीने ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच संभावित बैठक से पहले लिया जा सकता है। नया टैरिफ लागू होने के बाद चीन से आने वाले सामान पर ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में लगाए गए टैरिफ की कुल दर करीब 20त्न तक पहुंच सकती है।हालांकि, चीन पहले ही स्पष्ट कर चुका है कि वर्तमान में लागू टैरिफ अमेरिका के साथ हुए व्यापार समझौते के अनुरूप हैं। प्रस्तावित नया टैरिफ ट्रंप के पहले कार्यकाल में लगाए गए और बाइडेन प्रशासन के दौरान जारी रखे गए अन्य टैरिफ के अतिरिक्त होगा। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर बीजिंग

ने इसके जवाब में अमेरिकी उत्पादों पर नया टैरिफ लगाया तो दोनों देशों के बीच एक बार फिर ट्रेड वॉर छिड़ सकता है।नए टैरिफ को ट्रंप के संरक्षणवादी व्यापार एजेंडे को दोबारा आगे बढ़ाने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने चीन समेत दर्जनों देशों से आयातित उत्पादों पर ट्रंप प्रशासन की ओर से लगाए गए कुछ इम्पोर्ट टैक्स को रद्द कर दिया था।मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अमेरिकी प्रशासन एक ऐसे विकल्प पर भी विचार कर रहा है, जिसमें चीन के लिए ऊंची टैरिफ दर घोषित की जाए, लेकिन उसके एक हिस्से को निलंबित कर प्रभावी टैरिफ दर 7.5त्न रखी जाए। हालांकि, किन टैरिफ को निलंबित किया जाएगा और यह छूट कितने समय तक रहेगी, इसकी जानकारी अभी सामने नहीं आई है। इस बीच वाशिंगटन और बीजिंग मौजूदा व्यापार समझौते को आगे बढ़ाने पर भी विचार कर रहे हैं। दोनों देशों के बीच हुआ एक साल का समझौता 10 नवंबर को समाप्त होने वाला है।मार्च में ट्रंप प्रशासन ने चीन समेत एक दर्जन से अधिक प्रमुख व्यापारिक साझेदारों के खिलाफ अतिरिक्त उत्पादन क्षमता की चिंताओं को लेकर 1974 के व्यापार अधिनियम की धारा 301 के तहत जांच शुरू की थी।ट्रंप और शी जिनपिंग की 24 सितंबर को वाशिंगटन में मुलाकात होने की संभावना जताई जा रही है। हालांकि, व्हाइट हाउस ने टैरिफ को लेकर सामने आ रही खबरों पर सावधानी बरतने को कहा है। प्रशासन का कहना है कि टैरिफ से जुड़ी कोई भी आधिकारिक घोषणा सीधे सरकार की ओर से की जाएगी और मौजूदा रिपोर्टों या चर्चाओं को बिना आधार वाली अटकलें माना जाना चाहिए। विश्लेषकों का कहना है कि ट्रंप एक बार फिर चीन और अन्य देशों के खिलाफ टैरिफ की दीवार खड़ी करने की कोशिश कर रहे हैं।

अजित डोभाल ने बीजिंग में चीनी उपराष्ट्रपति हान झेंग से की मुलाकात, सीमा पर शांति और स्थिरता पर जोर

बीजिंग, (आरएनएस)। भारत और चीन के बीच जारी कूटनीतिक संवाद के तहत राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल ने मंगलवार को बीजिंग में चीन के उपराष्ट्रपति हान झेंग से मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच यह बैठक भारत-चीन सीमा विवाद पर विशेष प्रतिनिधियों की 25वें दौर की वार्ता से पहले हुई। बैठक में सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति और स्थिरता बनाए रखने तथा द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने के उपायों पर चर्चा हुई।चीन स्थित भारतीय दूतावास ने बैठक की पुष्टि करते हुए बताया कि अजित डोभाल और उपराष्ट्रपति हान झेंग ने दोनों देशों के बीच बनी सहमति के अनुरूप सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति एवं स्थिरता को मजबूत करने के तरीकों पर विचार किया। इसके साथ ही आर्थिक, राजनीतिक और बहुपक्षीय मंचों पर भारत-चीन संबंधों को और बेहतर बनाने के मुद्दे पर भी चर्चा हुई। अजित डोभाल चीन के विदेश मंत्री वांग यी के निमंत्रण पर दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर बीजिंग पहुंचे हैं। उनकी यात्रा को भारत-चीन संबंधों के मौजूदा दौर में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।डोभाल और वांग यी के बीच भारत-चीन सीमा मुद्दे पर विशेष प्रतिनिधियों की 25वें दौर की वार्ता होने वाली है।

पुतिन ने भारत को कच्चे तेल और उर्वरकों की निरंतर आपूर्ति का दिया भरोसा, व्यापार असंतुलन दूर करने पर जोर

मास्को, (आरएनएस)। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और वैश्विक स्तर पर बढ़ती अनिश्चितताओं के बीच रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भारत को कच्चे तेल और उर्वरकों की निर्बाध आपूर्ति जारी रखने का भरोसा दिया है। यह आश्वासन मास्को में भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर के साथ हुई उच्चस्तरीय बैठक के दौरान दिया गया। जयशंकर रूस की यात्रा पर हैं और भारत-रूस अंतर-सरकारी आयोग की बैठक की सह-अध्यक्षता कर रहे हैं। बैठक में दोनों देशों के बीच आर्थिक और रणनीतिक सहयोग को और मजबूत करने के साथ ऊर्जा सुरक्षा, परमाणु ऊर्जा, व्यापार, निवेश, प्रौद्योगिकी और अंतरिक्ष अनुसंधान सहित कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई।

एस. जयशंकर ने भारत और रूस के बीच बढ़ते व्यापार असंतुलन को दूर करने की आवश्यकता पर जोर दिया। दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार में इस वर्ष वृद्धि हुई है, हालांकि वर्ष 2025 में इसमें गिरावट दर्ज की गई थी।बताया गया कि दोनों देशों के बीच व्यापार असंतुलन 6.6 अरब डॉलर से बढ़कर करीब 50 अरब डॉलर हो गया है। भारतीय मुद्रा में यह राशि लगभग 4.20 लाख करोड़ रुपये बैठती है। जयशंकर ने व्यापार असंतुलन को भारत की प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल बताते हुए आर्थिक संबंधों को अधिक संतुलित बनाने के लिए आवश्यक उपायों पर चर्चा की।

बैठक में ऊर्जा सुरक्षा और परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर भी चर्चा हुई। रूस के प्रथम उपप्रधानमंत्री डेनिस मंटुरोव ने भारत के कुडनकुलम परमाणु ऊर्जा संयंत्र के निर्माण में रूसी कंपनी रोसाटॉम की भूमिका को दोनों देशों के परमाणु सहयोग का महत्वपूर्ण आधार बताया।

उन्होंने अलौह और दुर्लभ पृथ्वी धातुओं के खनन एवं प्रसंस्करण के क्षेत्र में संभावित संयुक्त परियोजनाओं पर भी चर्चा की।

रूस के ऊर्जा मंत्री सर्गेई त्सिविलेव ने भारत को ईंधन और ऊर्जा क्षेत्र में रूस का प्रमुख साझेदार बताया। वहीं, उपप्रधानमंत्री अलेक्जेंडर नोवाक ने रूस के तेल और गैस क्षेत्र में भारतीय निवेश बढ़ाने में रुचि व्यक्त की।

भारत और रूस मानवयुक्त अंतरिक्ष उड़ान तथा उपग्रह नौवहन सहित अंतरिक्ष अनुसंधान के विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाओं पर भी विचार कर रहे हैं।

फीचर

प्यार के एक नजरिए को दिखाता है रात कालिया सॉन्ग : शहजान पद्मसी

दक्षिण भारतीय अभिनेत्री शहजान पद्मसी ने गाना रात कालिया से गायिकी में डेब्यू किया है। अभिनेत्री ने बताया कि गायन को लेकर वे पहले से पैशनेट थीं, लेकिन एक्टिंग के लिए फिल्मों के ऑफर आने लगे, जिससे ये सपना पीछे रह गया।

अभिनेत्री ने बताया, एक्टिंग का सफर अचानक से शुरू हुआ और मुझे काम करते वक्त काफी मजा भी आ रहा था। फिर, एक के बाद बहुत सारे प्रोजेक्ट हाथ में आने लगे। ऐसा लग रहा था जैसे मैं लहर पर सर्फिंग कर रही हूं। शहजान पद्मसी कॉमेडी फिल्म हाउसफुल 2 में पारुल नाम के किरदार में नजर आई थी। अभिनेत्री का मानना है कि इस फिल्म में काम करने के बाद ही उन्हें एहसास हुआ कि अब उन्हें थोड़ी क्रिएटिविटी की ओर बढऩा चाहिए। उन्होंने कहा, मेरे अंदर एक दूसरा पहलू भी था, जिसे मैं देखना चाहती थी, तो मैंने सोचा कि चलो उस रास्ते पर चलते हैं। मेरी मां, शेरोन प्रभाकर, इंडिया की पहली पॉप स्टार्स में से एक हैं। तो मैंने मॉम के साथ म्यूजिक में आगे बढऩे का फैसला किया। हम दोनों घंटों तक साथ में रियाज करते थे।अभिनेत्री ने अपनी मां का शुक्रिया अदा करते हुए बताया कि वे उनकी वजह से शहजान पद्मसी को बाहर क्लास लेने की जरूरत नहीं पड़ी। उन्होंने कहा, मां की शिक्षिका बनना मुझे काफी अच्छा लगा।

गुजराती फिल्म के लिए अकांक्षा पुरी ने सीखी गुजराती, बोलीं- सिर्फ डायलॉग बोलना नहीं, उसकी संस्कृति समझना भी जरूरी

अभिनेत्री अकांक्षा पुरी जल्द ही गुजराती फिल्म में खास भूमिका निभाती हुई नजर आने वाली हैं। इस भूमिका के लिए उन्होंने गुजराती भाषा सीखने के साथ-साथ वहां की संस्कृति और बोलने के अंदाज को समझने की कोशिश की है। आकांक्षा का कहना है कि जब कोई कलाकार किसी नई भाषा और संस्कृति का हिस्सा बनता है, तो उसे उस माहौल को सही तरीके से समझना चाहिए, तभी पर्दे पर उसका काम स्वाभाविक लगेगा। अकांक्षा ने बताया कि वह अपनी खास भूमिका में गुजराती रंग को सही तरीके से दिखाना चाहती थीं। इसलिए उन्होंने खुद भाषा और वहां के बोलने के तरीके को समझने की कोशिश की।

अकांक्षा ने कहा, मैं गुजराती रंग को सही तरीके से दिखाना चाहती थी और सिर्फ वही नहीं करना चाहती थी, जो मुझे बताया गया था। मुझे लगता है कि जब आप किसी नई भाषा और संस्कृति में कदम रखते हैं तो उसे ठीक से समझने की कोशिश करनी चाहिए। अभिनेत्री ने कहा, मैंने भूमिका की तैयारी के दौरान गुजराती भाषा के उच्चारण और बोलने के अंदाज पर खास ध्यान दिया। मैंने शब्दों को सही तरीके से बोलने के साथ-साथ चेहरे के एक्सप्रेशन और बोलने के तरीके को भी समझने की कोशिश की। सच कहूं तो यह पूरा अनुभव काफी मजेदार रहा। मैं चाहती थी कि पर्दे पर मेरा रूप और मेरा किरदार वहां के माहौल का स्वाभाविक हिस्सा लगे।

आगामी गुजराती फिल्म में अकांक्षा की खास मौजूदगी को लेकर फिलहाल ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। फिल्म में उनका किरदार क्या होगा और कहानी में उनकी भूमिका कितनी बड़ी होगी, इसे फिलहाल सीक्रेट रखा गया है। हाल ही में अकांक्षा पुरी अभिनेता रणदीप हुड्डा के साथ फिल्म इंस्पेक्टर अविनाश 2 में नजर आई थीं। इसमें उन्होंने पंजाबी लड़की का किरदार निभाया था, जो एक डांसर से मुखबिर बन जाती है। यह भूमिका भी उनके लिए काफी अलग थी। अकांक्षा ने इस किरदार को कुछ नया करने का मौका बताया था।

आवारापन 2 ने वीकेंड पर की धाकड़ कमाई, सनी की बंटवारा 1947 का खस्ता हाल

इमरान हाशमी की फिल्म आवारापन 2 ने मजबूती के साथ बॉक्स ऑफिस पर अपनी पकड़ बना रखी है। फिल्म अपनी रिलीज के बाद से अच्छा कारोबार करती आई है और यह सिलसिला दूसरे वीकेंड पर भी देखने को मिला। हालांकि, इसी के साथ सिनेमाघरों में उतरी सनी देओल की बंटवारा 1947 का दिन पर दिन बुरा हाल होता जा रहा है। आलम यह रहा कि इसे वीकेंड का सहारा भी नहीं मिला है। चलिए दोनों फिल्मों का कलेक्शन देखते हैं।सैकनिल्क के मुताबिक, आवारापन 2 ने रिलीज के 10वें दिन (रविवार) 8.75 करोड़ रुपये कमाए हैं।इसने 9वें दिन (शनिवार) 8.25 करोड़ रुपये का कारोबार किया था, जिसके बाद फिल्म बॉक्स ऑफिस पर 136.25 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन कर चुकी है।10 दिनों में फिल्म का ग्रॉस कलेक्शन 162.50 करोड़ और वर्ल्डवाइड कलेक्शन 192.80 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है।

जेन-ज़ी को क्यों हो रही है ज्यादा बाल झड़ने की समस्या? जानिए कुछ संभावित कारण

बालों का झड़ना एक आम समस्या है, जो हर उम्र के लोगों को प्रभावित कर सकती है। हालांकि, हाल के अध्ययन बताते हैं कि जनरेशन (जेन-ज़ी) यानी 1997 से 2012 के बीच जन्मे लोगों में बालों का झड़ना तेजी से बढ़ रहा है। यह समस्या खासकर महिलाओं में अधिक देखी जा रही है। आइए जानते हैं कि क्यों बालों का झड़ना जेन-ज़ी के लोगों में अधिक देखा जा रहा है।

तनाव और मानसिक स्वास्थ्य

जेन-ज़ी के लोग अक्सर मानसिक स्वास्थ्य की समस्याओं का सामना कर रहे हैं। तनाव, चिंता और अवसाद जैसे मुद्दे उनके जीवन का हिस्सा बन चुके हैं।इन समस्याओं का असर न केवल मानसिक, बल्कि शारीरिक सेहत पर भी पड़ता है। बालों का झड़ना भी इसका एक लक्षण हो सकता है।जब व्यक्ति मानसिक रूप से परेशान होता है तो उसका शरीर भी प्रभावित होता है, जिससे बाल तेजी से झड़ने लगते हैं।

सोशल मीडिया का प्रभाव

सोशल मीडिया ने जेन-ज़ी पर गहरा असर डाला है। वे अपने जीवन की हर छोटी-बड़ी घटना को सोशल मीडिया पर साझा करते हैं और दूसरों की तुलना करते हैं।

इससे उन्हें आत्म-सम्मान की कमी और अवसाद जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इन समस्याओं का असर उनके बालों पर पड़ता है, जिससे बाल तेजी से झड़ने लगते हैं।

साथ ही सोशल मीडिया पर सुझाए उत्पाद चुनना भी एक कारण है।

गलत खान-पान और पोषण की कमी

आजकल के लोग फास्ट फूड और जंक फूड का सेवन ज्यादा करते हैं, जो पोषण से भरपूर नहीं होते और शरीर को नुकसान पहुंचाते हैं। सही पोषण न मिलने से बाल कमजोर हो जाते हैं और झड़ने लगते हैं।

सही खान-पान से बालों की सेहत बेहतर हो सकती है। इसके लिए हरी सब्जियां, फल, प्रोटीन युक्त आहार और पानी का सेवन बढ़ाना जरूरी है।साथ ही विटामिन और मिनरल की कमी को दूर करने पर ध्यान दें।

हेयर स्टाइलिंग उपकरणों का अत्यधिक उपयोग

हेयर स्टाइलिंग उपकरण, जैसे स्ट्रेटनर और कर्लर आदि का अत्यधिक उपयोग भी बालों के झड़ने का कारण बन सकता है। इन उपकरणों से बालों को सीधा या घुमा कर स्टाइल किया जाता है, लेकिन इनकी गर्मी से बाल कमजोर हो जाते हैं।इसलिए, इनका उपयोग कम से कम करें और प्राकृतिक तरीकों से हेयर स्टाइलिंग करें। इसके अलावा हेयर स्टाइलिंग के लिए प्राकृतिक उपायों का उपयोग करें, ताकि बाल स्वस्थ रहें और झड़ने की संभावना कम हो।

केमिकल युक्त हेयर उत्पाद का इस्तेमाल

बाजार में कई तरह के हेयर उत्पाद उपलब्ध हैं, जिनमें रासायनिक तत्व होते हैं, जो बालों को नुकसान पहुंचाते हैं। जेन-ज़ी के लोग अक्सर इन उत्पादों का इस्तेमाल करते समय इनकी गुणवत्ता या सामग्री पर ध्यान नहीं देते, जिससे उनके बाल कमजोर होकर झड़ने लगते हैं।इन कारणों से साफ है कि बालों का झड़ना जेन-ज़ी के लोगों में एक गंभीर समस्या बन चुकी है, जिससे निजात पाने के लिए उन्हें इन समस्याओं पर ध्यान देना होगा।

खांसी से छुटकारा पाना चाहते हैं? आज ही आजमाएं ये 5 घरेलू उपाय

खांसी एक आम समस्या है, जो किसी भी उम्र के व्यक्ति को हो सकती है। यह समस्या कई कारणों से होती है, जैसे ठंड, धूल-मिट्टी और धूम्रपान आदि। खांसी होने पर गले में खुजली, खराश और बलगम जैसी समस्याएं होती हैं, जिससे आराम मिलना मुश्किल हो जाता है। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे घरेलू उपाय बताते हैं, जिन्हें अपनाकर आप आसानी से खांसी से छुटकारा पा सकते हैं और स्वस्थ हो सकते हैं।

अदरक का रस पीएं

अदरक का रस खांसी के लिए एक असरदार घरेलू उपाय है। इसमें मौजूद खास गुण गले की सूजन को कम करने में मदद करते हैं।इसके लिए एक छोटे टुकड़े अदरक को कद्दूकस करके उसका रस निकालें और उसमें थोड़ा शहद मिलाकर पीएं। यह मिश्रण गले की खराश को भी दूर करता है और खांसी को कम करता है।अदरक का रस पीने से आपको ताजगी और आराम महसूस होगा।

तुलसी की चाय बनाकर पीएं

तुलसी की चाय खांसी के लिए एक अच्छा उपाय हो सकती है। तुलसी में मौजूद गुण आपके शरीर को मजबूत बनाते हैं और खांसी को दूर करते हैं।इसके लिए कुछ तुलसी की पत्तियों को पानी में उबालें और उसमें थोड़ा-सा गुड़ डालें, फिर इसे छानकर पीएं। यह चाय न केवल स्वादिष्ट होती

है, बल्कि आपके गले को भी राहत देती है और खांसी को कम करने में मदद करती है।

शहद और नींबू का मिश्रण लें

शहद और नींबू का मिश्रण खांसी के लिए बहुत फायदेमंद होता है। इसमें मौजूद विटामिन आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है और शहद की मिठास गले को सुकून देती है।इसके लिए एक गिलास गर्म पानी में एक चम्मच शहद और आधा चम्मच नींबू का रस मिलाकर पीएं।यह मिश्रण खांसी को कम करने के साथ-साथ आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता को भी मजबूत बनाता है और आपको जल्दी आराम मिलता है।

लहसुन की कली चबाएं

लहसुन की कली चबाना खांसी के लिए एक पुराना और असरदार तरीका है। लहसुन में मौजूद गुण संक्रमण को दूर करते हैं और खांसी को कम करते हैं।

इसके लिए एक लहसुन की कली को चबाकर उसका रस निकालें या उसे थोड़ा कच्चा खा लें। इससे आपको जल्दी आराम मिलेगा और आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता भी मजबूत होगी।लहसुन का सेवन करने से गले की सूजन भी कम होती है।

नमक वाले गर्म पानी से गरारे करें

नमक वाले गर्म पानी से गरारे करना गले की सूजन कम करने का एक अच्छा तरीका है। नमक में मौजूद गुण बैक्टीरिया को खत्म करते हैं और दर्द निवारक का काम करते हैं।इसके लिए एक गिलास गर्म पानी में आधा चम्मच नमक मिलाकर गरारे करें। इससे आपको तुरंत राहत मिलेगी और आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता भी मजबूत होगी।इन उपायों को अपनाकर आप आसानी से खांसी से छुटकारा पा सकते हैं।

सिस्टम ने पकड़ा जोर प्रदेश में 28 अगस्त तक बारिश की संभावना

कई नदी नाले उफान पर, जन जीवन प्रभावित

रायपुर, (आरएनएस)। देश के कई राज्यों में बारिश कहर बनकर टूट पड़ी है। छत्तीसगढ़ में भी पिछले कई दिनों से राजधानी रायपुर सहित अलग-अलग क्षेत्रों में लगातार बारिश हो रही है, जिसके चलते जन जीवन पूरी तरह प्रभावित हो गया है। प्रदेश के कई नदी नाले उफान पर है, कहीं सड़कें लबालब है। इसी बीच मौसम विभाग ने आने वाले दिनों के लिए बड़ी चेतावनी जारी की है।

28 अगस्त तक कहां-कहां होगी बारिश

मौसम विभाग ने प्रदेश में 28 अगस्त तक बारिश की संभावना जताई है। विभाग ने छत्तीसगढ़ के कई इलाकों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। साथ ही आकाशीय बिजली गिरने की भी संभावना जताई है। वहीं, कुछ इलाकों में भारी बारिश के साथ गरज-चमक तथा बिजली गिरने की स्थिति बन सकती है। खासतौर पर उत्तर और मध्य छत्तीसगढ़ के कुछ हिस्सों में भारी से अति भारी बारिश की संभावना है।

राजधानी रायपुर की लगातार दो दिनों से बारिश का दौर जारी है, बीती रात की झमझम बारिश हुई है, जिससे कई इलाकों के सड़कें भी डूब गई है। सड़को पर पानी भर जाने से लोगों को आने जाने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। देर रात बारिश की वजह से कई नाले भी उफान पर आ गए है।

साइबर जागृति अभियानः 1000 नागरिकों को किया जागरूक, यूपीआई और बैंक फ्रॉड से बचने की दी जानकारी

कोरबा (आरएनएस)। जिले में बढ़ते साइबर अपराधों के बीच कोरबा पुलिस ने साइबर जागृति अभियान के तहत व्यापक जनजागरूकता कार्यक्रम चलाया। जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में आयोजित कार्यक्रमों के माध्यम से करीब 1000 नागरिकों को साइबर ठगी, यूपीआई फ्रॉड और बैंकिंग धोखाधड़ी से बचाव की जानकारी दी गई। यह अभियान पुलिस अधीक्षक कोरबा सिद्धार्थ तिवारी के मार्गदर्शन और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक लखन पटले के निर्देशन में चलाया गया।

24 अगस्त को थाना कोतवाली, बालको, दर्री, दीपका, बांकीमोंगरा, सिविल लाइन, पाली, बांगो, रजगामार और चैतमा पुलिस की टीमों ने विभिन्न स्थानों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए। इस दौरान एसबीआई बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, यूनियन बैंक, छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक, स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल, हरिकिशन पब्लिक स्कूल, बालको और एल एण्ड टी कंपनी समेत सार्वजनिक एवं औद्योगिक क्षेत्रों में लोगों को साइबर अपराधों के प्रति जागरूक किया गया।

रक्षाबंधन पर्व को लेकर खाद्य सुरक्षा विभाग की कार्रवाई तेज

खोवा और रबड़ी के नमूने लेकर प्रयोगशाला भेजे गए, जांच रिपोर्ट के बाद होगी कार्रवाई

रायपुर, (आरएनएस)। जिले में लोगों को सुरक्षित, गुणवत्तापूर्ण एवं मानक खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने तथा आगामी रक्षाबंधन पर्व को दृष्टिगत रखते हुए खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम द्वारा जिले भर में निरीक्षण एवं नमूना संग्रहण की कार्यवाही की जा रही है।

इसी क्रम में खाद्य सुरक्षा टीम द्वारा मेसर्स महावीर स्वीट्स एवं नमकीन, मेन रोड भाठागाँव से खोवा का नमूना एवं मेसर्स सांई कृपा माँ लक्ष्मी स्वीट्स, तरपोंगी तिल्दा, रायपुर से रबड़ी का नमूना लेकर विश्लेषण हेतु राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजा गया है। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के उपरांत प्राप्त जांच रिपोर्ट के आधार पर नियमानुसार अग्रिम कार्यवाही की जावेगी।

उपरोक्त कार्यवाही कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह एवं नियंत्रक, खाद्य एवं औषधि प्रशासन दीपक कुमार अग्रवाल के निर्देशानुसार की गई है।

खाद्य सुरक्षा विभाग ने स्पष्ट किया है कि त्योहारी सीजन में मिलावटखोरी रोकने के लिए यह कार्यवाही सतत रूप से जारी रहेगी।

कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने एम्स में दीक्षांत समारोह की तैयारियों का लिया जायजा

रायपुर,(आरएनएस)। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने आज एम्स (अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान) रायपुर पहुंचकर 2 सितंबर 2026 को होने वाले दीक्षांत समारोह कार्यक्रम स्थल एवं भारत के उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन के प्रवास की तैयारियों का जायजा लिया।

इस दौरान एम्स प्रशासन द्वारा कलेक्टर को सभी व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी प्रदान की गई।

कलेक्टर डॉ. सिंह ने एम्स प्रशासन एवं जिला प्रशासन के अधिकारियों को निर्देशित किया कि कार्यक्रम में आने वाले अतिथियों की सुरक्षा, बैठक व्यवस्था, यातायात, पार्किंग सहित अन्य सभी व्यवस्थाएं सुव्यवस्थित एवं चाक-चौबंद रूप से की जाए। किसी भी प्रकार की कमी न रहे, यह सुनिश्चित किया जाए। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ कुमार बिश्वरंजन, एडीएम उमाशंकर बंदे, एम्स डायरेक्टर लेफ्टिनेंट जनरल (डॉ.) अशोक जिंदल सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

नगर निगम जोन 1 क्षेत्र में 2 बड़े बकायादारों पर बकाया राशि अदा नहीं किये जाने पर सीलबंदी की कार्रवाई

रायपुर, (आरएनएस)। आज नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त संबित मिश्रा के आदेशानुसार और अपर आयुक्त राजस्व लोकेश्वर साहू एवं उपायुक्त राजस्व डॉ अंजलि शर्मा एवं नगर निगम जोन 1 जोन कमिश्नर अंशुल शर्मा सीनियर के निर्देशानुसार रायपुर नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 1 राजस्व विभाग द्वारा 2 बड़े बकायादारों वार्ड, 3अंतर्गत गोगांव के जगदीश छाबरिया अमित छाबरिया 218084/- और जगदीश रूपेरा पर 460059 /-रू इस प्रकार दो बड़े बकायादारों पर कुल 678143 /-रूपये का बकाया होने और बकाया राशि रायपुर नगर पालिक निगम को अदा नहीं किये जाने पर उनके सम्बंधित संस्थानों में तत्काल सीलबंदी करने की नियमानुसार कड़ी कार्रवाई प्रक्रिया के अंतर्गत की गयी। आज नगर पालिक निगम रायपुर जोन 1 राजस्व विभाग की टीम द्वारा जोन 1 क्षेत्र अंतर्गत सभी 7 वार्डो में बड़े बकायादारों पर कार्रवाई हेतु अभियान चलाया गया। यह अभियान कार्रवाई निरंतर जारी रहेगा। आज नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 1 राजस्व विभाग की सीलबंदी कार्रवाई के दौरान स्थल पर नगर पालिक निगम जोन 1 जोन कमिश्नर अंशुल शर्मा सीनियर के मार्गनिर्देशन में कार्यपालन अभियंता द्रोनी कुमार पैकरा, जोन सहायक राजस्व अधिकारी मनीष मरकाम, राजस्व निरीक्षक आशीष शर्मा, संतोष साहू और सहायक राजस्व निरीक्षक अरविन्द छेदइया राहुल यादव की उपस्थिति रही।

(रायपुर) बीज राखियों से सजेगा रक्षाबंधन, स्नेह के साथ मिलेगा हरियाली का संदेश।

देवपहरी जलप्रपात में 15 घंटे फंसे तीन युवक, पुलिस-एसडीआरएफ ने किया सुरक्षित रेस्क्यू

कोरबा (आरएनएस)। जिले के प्रसिद्ध देवपहरी जलप्रपात में सोमवार शाम फोटो खींचने के लिए जलप्रपात के बीच पहुंचे तीन युवक अचानक पानी का बहाव बढ़ने से नदी के बीच फंस गए। करीब 15 घंटे तक झरने के बीच फंसे रहने के बाद मंगलवार सुबह पानी का बहाव कम हुआ, जिसके बाद पुलिस और एसडीआरएफ की टीम ने रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर तीनों युवकों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया।फंसे युवकों की पहचान गुरमा श्यांग निवासी धनेश्वर सारथी, घनश्याम महंत और सूरज सारथी के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, सोमवार शाम तीनों युवक देवपहरी जलप्रपात घूमने पहुंचे थे। फोटो खींचने के लिए वे जलप्रपात के मध्य तक चले गए। इसी दौरान अचानक नदी का जलस्तर बढ़ गया और पानी का बहाव तेज हो गया। पानी का बहाव बढ़ने के कारण वापस लौटने का रास्ता डूब गया और तीनों युवक नदी के बीच एक सुरक्षित स्थान पर फंस गए।

अंधेरा होने के चलते रात में रेस्क्यू अभियान चलाना संभव नहीं था। ऐसे में तीनों युवकों ने झरने के बीच सुरक्षित स्थान पर रात बिताई। इस दौरान उन्होंने वीडियो कॉल के जरिए रेस्क्यू टीम से संपर्क बनाए रखा और अपनी स्थिति की जानकारी दी। लंबे समय तक भूखे-प्यासे रहने के कारण युवकों की हालत खराब बताई गई, हालांकि तीनों सुरक्षित रहे।

मंगलवार सुबह नदी का जलस्तर और पानी का बहाव कुछ कम हुआ। इसके बाद पुलिस और एसडीआरएफ की टीम ने मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू अभियान शुरू किया। टीम ने बेहद सावधानी के साथ आगे बढ़ते हुए तीनों युवकों तक पहुंच बनाई और उन्हें सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

युवक की बेरहमी से पिटाई का वीडियो वायरल, पांच नाबालिग हिरासत में

कवर्धा, (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के कवर्धा जिले में एक युवक की बेरहमी से पिटाई का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी है। वायरल वीडियो में कुछ युवक एक युवक को लात-घूंसों से बुरी तरह पीटते हुए नजर आ रहे हैं। मामले में पुलिस ने पांच नाबालिगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, शहर में पालकी यात्रा निकाली जा रही थी। इसी दौरान बजरंग चौक के पास किसी मामूली विवाद को लेकर कुछ युवकों के बीच झगड़ा हो गया। विवाद बढ़ने पर भीड़ ने एक युवक की जमकर पिटाई कर दी।

छत्तीसगढ़ में सोना खोजेगी वेदांता, पहली बार हो रहा पोर्टेबल रिग का इस्तेमाल

वेदांता ने देश में पहली बार हाई स्पीड हाइड्रोस्टैटिक पोर्टेबल रिग कमीशन किया

रायपुर (आरएनएस)। दिग्गज कारोबारी अनिल अग्रवाल की कंपनी वेदांता लिमिटेड ने देश में सोने की खोज की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। कंपनी ने सोने के साथ-साथ निकल और क्रोमियम जैसे क्रिटिकल मिनरल्स तथा प्लेटिनम ग्रुप के एलिमेंट्स को खोजने के लिए एक हाई स्पीड हाइड्रोस्टैटिक पोर्टेबल रिग कमीशन किया है। छत्तीसगढ़ में दो प्रोजेक्ट में इस इक्विपमेंट को तैनात किया गया है।

कंपनी ने सोमवार को एक बयान में कहा कि यह देश का पहला हाई-स्पीड हाइड्रोस्टैटिक पोर्टेबल रिग है और इसे मुश्किल इलाकों में एक्सप्लोरेशन के लिए डिजाइन किया गया है। यह 1,000 मीटर की गहराई तक खुदाई कर सकता है। साथ ही इसकी मदद से उपकरणों को एक जगह से दूसरी जगह मूव करने में कम समय लगता है। वेदांता ने कहा कि हाई-स्पीड हाइड्रोस्टैटिक पोर्टेबल रिग की तैनाती का मकसद मिनरल रिजर्व की खोज में तेजी लाना है। साथ ही इसे सुरक्षा और ऑपरेशनल क्षमता भी बेहतर होगी।

कंपनी का कहना है कि उसे 10 क्रिटिकल मिनरल्स ब्लॉक मिले हैं। इनमें सोना, मैगनीज, कॉपर, निकिल-क्रोमियम, टंगस्टन, ग्रेफाइट, वैनेडियम, रेयर अर्थ एलिमेट्स और पोटाश मिलने की संभावना है।

खेल समाचार

दलीप ट्रॉफी 2026: वैभव सूर्यवंशी ने गेंदबाजी में किया कमाल, एक ओवर में झटके 2 विकेट

नईदिल्ली,(आरएनएस)। क्रिकेट के मैदान पर बड़े-बड़े छक्के लगाने के लिए मशहूर 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी ने अब अपनी जादुई गेंदबाजी से क्रिकेट जगत को हैरान कर दिया। बेंगलुरु के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में खेले जा रहे दलीप ट्रॉफी 2026 के क्वार्टर फाइनल मुकाबले में ईस्ट जोन की उपकप्तानी कर रहे सूर्यवंशी ने नॉर्थ ईस्ट जोन के खिलाफ अपनी स्पिन गेंदबाजी का जलवा बिखेरते हुए एक ही ओवर में 2 विकेट चटकाकर सभी को हैरत में डाल दिया।

नॉर्थ ईस्ट जोन की पारी के 28वें ओवर में सूर्यवंशी ने विरोधी टीम के मध्यक्रम को झंकझौर दिया।

सूर्यवंशी ने ओवर की दूसरी गेंद पर क्रीज पर जमे हुए बल्लेबाज लिंगदोह को बड़ा शॉट खेलने के जाल में फंसाया और कैच आउट कर दिया।

इसके बाद ओवर की 5वीं गेंद पर उन्होंने नए बल्लेबाज लेमतूर विकेटकीपर और कप्तान ईशान किशन के हाथों कैच कराकर पवेलियन भेजा।

सूर्यवंशी अब तक 3 ओवर में 11 रन देकर 2 विकेट चटका चुके हैं।

वैभव ने जहां एक तरफ गेंदबाजी में कमाल किया, वहीं ओपनिंग या ऊपरी क्रम में बल्लेबाजी करते हुए वे पूरी तरह फ्लॉप रहे।

वे महज 6 गेंद खेल सके और 2 चौकों की मदद से 8 रन बनाकर पवेलियन लौट गए।ईस्ट जोन के लिए संकटमोचक बनते हुए शाहबाज अहमद ने 167 रनों की जबरदस्त मैराथन पारी खेली, जिसके दम पर ईस्ट जोन ने पहली पारी में 467 रनों का विशाल स्कोर खड़ा करते हुए मजबूत स्थित में आ गई।

इंग्लैंड बनाम पाकिस्तानः लॉर्ड्स में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं जो रूट, जानिए उनके आंकड़े

नईदिल्ली,(आरएनएस)। इंग्लैंड क्रिकेट टीम ने सीरीज के पहले हेडिंग्ले टेस्ट में पाकिस्तान क्रिकेट टीम को पारी और 103 रन से हराया था। अब सीरीज का दूसरा टेस्ट 27 अगस्त से लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड में खेला जाना है, जिसे जो रूट की कप्तानी वाली टीम जीतना चाहेगी। इस समय शानदार फॉर्म में चल रहे रूट बल्लेबाजी में भी कमाल करना चाहेंगे। इस बीच रूट के लॉर्ड्स के मैदान पर किए प्रदर्शन पर एक नजर डालते हैं।

इंग्लैंड के लिए लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड पर सबसे ज्यादा रन जो रूट ने बनाए हैं।

उनके बल्ले से 24 मैच में 53.04 की औसत से 2,175 रन निकले हैं। उन्होंने यहां 8 शतक और 7 अर्धशतक लगाए हैं।

उनके बाद ग्राहम गूच ने यहां 21 मैचों में 53.02 की औसत से 2,015 रन बनाए हैं। इन दोनों के अलावा कोई अन्य बल्लेबाज यहां पर 2,000 रन का आंकड़ा नहीं छू सका है।

लॉर्ड्स के मैदान पर रूट ने पाकिस्तान के खिलाफ सिर्फ 2 टेस्ट खेले थे, जिसमें 32.25 की औसत के साथ कुल 129 रन बनाए थे।

उन्होंने 2016 में 48 और 9 रन के स्कोर किए थे। इसी तरह 2018 में उन्होंने 4 और 68 रन बनाए थे।

कोलंबो टेस्ट में श्रीलंका पर फॉलोऑन का खतरा, स्कोर 265/8 भारत 238 रन से आगे, बारिश के कारण तीसरे दिन जल्दी स्टंप्स हुआ

कोलंबो (ए) भारत बनाम श्रीलंका कोलंबो दूसरा टेस्ट अब रोचक दौर में पहुंच चुका है। भारत ने अपनी पहली पारी में नौ विकेट पर 503 रन बनाकर घोषित कर दी थी। जब तीसरे दिन का खेल खत्म हुआ, तब तक श्रीलंका ने अपनी पहली पारी में 8 विकेट के नुकसान पर 265 रन बना लिए थे। लाहिरु कुमारा 8 और सोनल 85 रन बनाकर क्रीज पर टिके हुए थे। श्रीलंकाई टीम अभी भी भारत के स्कोर से 238 रन पीछे है। अब ये से भारत के स्कोर की बराबरी तो नहीं हो सकती, लेकिन इतना जरूर है कि फॉलोऑन बचाया जाए।

श्रीलंका को फॉलोऑन बचाने के लिए अभी बनाने होंगे 39 और रन

भारत ने अपनी पहली पारी में 503 रन बनाए थे, ऐसे में श्रीलंकाई टीम को फॉलोऑन बचाने के लिए कम से कम 304 रन बनाने होंगे। यानी यहां से भी श्रीलंका को 39 रन और चाहिए होंगे। अब श्रीलंका की सारी उम्मीदें सोनल दिनुशा पर टिकी होंगी, जो इस वक्त 85 रन पर खेल रहे हैं और धीरे धीरे अपने शतक की ओर भी बढ़ रहे हैं। सीरीज के पहले मैच की पहली पारी में भी सोनल दिनुशा ने 100 रनों की जबरदस्त पारी खेली थी। यानी टीम इंडिया चाहेगी कि जल्द से जल्द सोनल को आउट किया जाए।

बारिश कर सकती है टीम इंडिया का खेल खराब

इस बीच वैसे तो अभी दो दिन का वक्त मैच बचा हुआ है, लेकिन बारिश के कारण पता नहीं कितने और ओवर हो पाएंगे। तीसरे दिन भी करीब सवा छह बजे तक मैच होना था, जोकि कि साढ़े पांच बजे से पहले ही खत्म हो गया। करीब पांच बजे बारिश आई और फिर मैच शुरू होने की संभावना तो ना देखते हुए अंपायर ने स्टंप्स यानी दिन का खेल खत्म कर दिया। अगर बारिश फिर आती है और श्रीलंकाई टीम फॉलोऑन बचा लेती है तो भारत को हो सकता है कि मैच में जीत ना मिल पाए और ड्रॉ से से ही संतोष करना पड़े। ऐसे में चौथे दिन पहले सेशन का खेल काफी अहम होगा, इस दौरान कौन सी टीम बाजी मारती है, ये देखना काफी दिलचस्प होगा।

एशिया कप 2026: पाकिस्तान महिला क्रिकेट टीम ने तैयारी के लिए पुरुष टीम से किया मुकाबला

नईदिल्ली (आरएनएस)। पाकिस्तान महिला क्रिकेट टीम ने महिलाओं के एशिया कप 2026 की तैयार के लिए बेहद ही अनोखा रास्ता चुना है। टीम ने लाहौर के नेशनल क्रिकेट एकेडमी में लगे पूर्व टूर्नामेंट प्रशिक्षण शिविर के दौरान पुरुषों की एक टीम के खिलाफ टी-20 मुकाबले खेले हैं। बता दें कि फातिमा सना की कप्तानी वाली पाकिस्तान महिला टीम 28 अगस्त से दुबई में शुरू होने वाले इस महाद्वीपीय टूर्नामेंट के लिए रवाना होगी। फातिमा इस टूर्नामेंट से टीम में वापसी करेंगी।

यह अभ्यास मैच किसी साधारण परिस्थिति आधारित नेट प्रैक्टिस की तरह नहीं थे, बल्कि अब्दुल कादिर क्रिकेट एकेडमी की पुरुषों की टीम के खिलाफ पूरे टी-20 नियमों के तहत खेले गए थे।टीम प्रबंधन का मुख्य विचार महिला खिलाड़ियों को अधिक कठिन प्रतिद्वंद्वी के सामने रखकर दबाव वाले क्षणों में सही निर्णय लेने की क्षमता में सुधार करना था।

कप्तान फातिमा ने माना कि इन प्रतिस्पर्धी मैचों से उन्हें और टीम की अन्य खिलाड़ियों को काफी मदद मिली है।

पाकिस्तानी टीम ने एक बार भी महिला एशिया कप खिताब नहीं जीता है। साल 2012 और 2016 में वह फाइनल तक पहुंची थीं, लेकिन दोनों बार उन्हें भारतीय टीम के हाथों करारी शिकस्त झेलनी पड़ी थी।

पिछले दो सीजन में वे सेमीफाइनल से आगे नहीं बढ़ पाई हैं।

ऋषभ पंत की चोट पर कोच मोर्ने मोर्कल ने दिया बड़ा अपडेट, बताया कब करेंगे मैदान पर वापसी

नई दिल्ली (ए.)।टीम इंडिया के स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को पहले दिन बल्लेबाजी के दौरान चोट लगी थी, जिसके कारण उन्हें रिटायर्ड हर्ट होना पड़ा था। इस चोट की वजह से वह तीसरे दिन भी मैदान पर नहीं नजर आए।

भारत और श्रीलंका के बीच टेस्ट सीरीज का दूसरा मैच स्सष्ट कोलंबो में खेला जा रहा है। इस मैच के पहले दिन पहले बल्लेबाजी करने के दौरान ऋषभ पंत को चोट लगी थी। इस चोट की वजह से अभी तक कीपिंग करने के लिए मैदान पर नहीं उतरे हैं। इस इंजरी के साथ ही दूसरे दिन पंत ने बल्लेबाजी की और शानदार अर्धशतक भी जड़ा। हालांकि तीसरे दिन ऋषभ पंत विकेटकीपिंग

नहीं उतरे और मैदान के बाहर ही कंधे पर पट्टी बांधे हुए नजर आए। फैंस के मन में ये सवाल है कि क्या पंत चौथे दिन विकेटकीपर के ऊपर में उतरेंगे या नहीं? इसका जवाब टीम इंडिया के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने दिया है। तीसरे दिन का खेल खत्म होने के बाद मोर्ने मोर्कल ने ऋषभ पंत की फिटनेस पर अपडेट दिया है। बता दें कि श्रीलंका दौरे पर अब तक ऋषभ पंत का प्रदर्शन बल्ले से काफी अच्छा रहा है। फिलहाल भारतीय टीम के फिजियो पंत की चोट पर काम कर रहे हैं और कप्तान शुभमन गिल को उम्मीद है कि वह जल्द ही पूरी तरह फिट हो जाएंगे। प्रेस कॉन्फ्रेंस में ऋषभ पंत के फिटनेस पर अपडेट देते हुए मोर्ने मोर्कल ने कहा कि उनके दाहिने कंधे पर बहुत ज्यादा चोट लगी है। आज सुबह जब उन्होंने वार्म अप करने की कोशिश की, तो उनका मूवमेंट कम हो गया था। हम आज रात उन पर नजर रखेंगे।

ओडिशा टी20 लीग 18 सितंबर से, 27 को बाराबती स्टेडियम में खेला जाएगा फाइनल

कटक, (ए.)। ओडिशा टी20 लीग 2026 का आयोजन 18 से 27 सितंबर तक कटक के ऐतिहासिक बाराबती स्टेडियम में किया जाएगा। टूर्नामेंट में राज्य के युवा और प्रतिभाशाली क्रिकेटरों को अपनी क्षमता दिखाने का महत्वपूर्ण मौका मिलेगा। इस सत्र में कटक, भुवनेश्वर, केंदुझर, पुरी, राउरकेला और संबलपुर की टीमें हिस्सा लेंगी। अलग-अलग जिलों के खिलाड़ियों के एक साथ आने से लीग में क्षेत्रीय क्रिकेट को बढ़ावा मिलने के साथ युवा खिलाड़ियों को उच्च स्तर की प्रतिस्पर्धा का अनुभव भी मिलेगा।ओडिशा क्रिकेट संघ के सचिव संजय बेहरा ने कहा कि 18 सितंबर से लीग के शुरू होने को लेकर संघ उत्साहित है। उन्होंने कहा कि 27 सितंबर तक चलने वाले इस टूर्नामेंट के दौरान बाराबती स्टेडियम में रोमांचक क्रिकेट देखने को मिलेगा। बेहरा ने कहा कि ओडिशा टी20 लीग राज्य के क्रिकेटरों के लिए महत्वपूर्ण मंच है। इससे खिलाड़ियों को प्रतिस्पर्धी क्रिकेट खेलने, अनुभव हासिल करने और अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलता है। उम्मीद है कि यह टूर्नामेंट कई खिलाड़ियों को अपने करियर में अगला कदम बढ़ाने में मदद करेगा।लीग के जरिए क्षेत्रीय प्रतिभा, युवा खिलाड़ियों और प्रतिस्पर्धी टी20 क्रिकेट को एक मंच मिलने की उम्मीद है।

संभाग मुख्यालय पर लगातार खुलते जा रहे हैं राजनीतिक कार्यालय

इतने कार्यालय खुलने के बाद भी समस्याएं हल नहीं हों तो फिर नागरिकों का दुर्भाग्य है

बलराम शर्मा

नर्मदापुरम। संभाग मुख्यालय पर एक के बाद एक राजनीतिक कार्यालय खुलते जा रहे हैं। प्राय: चुनाव के दौरान राजनीतिक कार्यालय खोले जाने का चलन था। जिससे कि चुनाव कार्य से संबंधित कार्य चुनाव कार्यालय से संचालित हो सकें। चुनाव जीतने के बाद कार्यालय बंद हो जाते थे। फिर पार्टी कार्यालय से या फिर जीतने वाले नेता के घर या प्रतिष्ठान से उनका कार्यालय का संचालन होता था। लेकिन अब चलन कुछ अलग हो गया है। संभाग मुख्यालय पर सत्तारूढ़ पार्टी के ही आधी दर्जन से अधिक कार्यालय खुल चुके हैं। और भी कार्यालय खुलने की संभावना है। इस मामले में कांग्रेस पिछड़ी हुई है। उनका इतना लंबा कार्यकाल रहा लेकिन जिला मुख्यालय पर कार्यालय के लिए पूर्व के तथाकथित वरिष्ठ नेताओं ने कोई रूचि नही ली। इस बात की कांग्रेसियों को कमी खलती है। सबसे वरिष्ठ पार्षद अनोखे राजोरिया ने जरूर अपने प्रतिष्ठान को कार्यालय के रूप में संचालित किया है। जहां कांग्रेसियों को ठिकाना मिल जाता है।

विधायक डॉ शर्मा का कार्यालय

विधायक डॉ सीतासरन शर्मा ने पूर्व में भी कार्यालय शुरू किया था। पहले उन्होंने सेंट्रल बैंक के पास स्थित उनके निजी भवन में कार्यालय शुरू किया था। उसके बाद विधानसभा अध्यक्ष बनने पर उन्हें सरकारी बंगला मिलने पर वहां से कार्यालय का संचालन होता रहा। विधायक बनने के बाद उन्होंने उसी क्षेत्र साकेत नगर में कार्यालय शुरू किया जो निरंतर जारी है। सप्ताह में एक दिन के अंतर से कार्यालय में उनका आना जाना लगा रहता है। इसी प्रकार इटारसी में भी उनके निज निवास पर कार्यालय संचालित होता है। जहां पर स्वयं उपस्थित लोगों की समस्याएं सुनकर उनके निराकरण करने के लिए प्रयासरत रहते हैं।

नपाध्यक्ष ने खोला था कार्यालय

नपाध्यक्ष नीतू यादव के पति विधायक प्रतिनिधि महेंद्र यादव ने भी रामजीबाबा स्टेडियम की दुकानों में एक कार्यालय खोला था। जहां पर कुछ समय तक विधायक प्रतिनिधि का आना जाना लगा रहता था। कुछ महिनों तक कार्यालय संचालित होता रहा।

उसके बाद न जाने क्यों बंद कर दिया। फिर उन्होंने प्रति गुरूवार को नपा कार्यालय में ही जनसुनवाई शुरू कर दी। जब उनका कोई व्यस्त कार्यक्रम नहीं होता है तक स्वयं अध्यक्ष भी जनसुनवाई में लोगों की समस्याएं सुनकर हल करने का प्रयास करती हैं। उनके नहीं रहने पर भी जनसुनाई का क्रम जारी रहता है। बीच में भी जब उनके पास समय होता है तो नपा कार्यालय उनके चेंबर में आकर लोगों की समस्याएं सुनती हैं।

सांसद का जनता कार्यालय

सांसद दर्शन सिंह ने जिला सहकारी बैंक व नेहरू पार्क के पास कार्यालय शुरू करते हुए उसका नाम जनता कार्यालय रख दिया है। उन्होंने पत्रकारों से पत्रकार वार्ता में कहा था कि महिने के पहले रविवार वे स्वयं जनता कार्यालय में दिन भर जनता के लिए उपस्थित रहेंगे। कुछ दिन तक उन्होंने ऐसा करने का प्रयास भी किया। इसके अलावा अन्य स्थानों पर दिन तय किए थे। फिर उनकी व्यस्तताएं बढ़ती गई। पूरा दिन नहीं दे पाते हैं। अब बीच में आना जाना लगा रहता है। यहां आने पर लोगों का तांता लग जाता है। लोग अपनी समस्याएं बताते भी हैं। जिसमें कुछ हल भी हो जाती हैं। कुछ रह भी जाती हैं।

राज्यसभा सांसद का कार्यालय

राज्यसभा सांसद माया नारालिया ने भी अपने निज निवास हाउसिंग बोर्ड में कार्यालय शुरू किया है। जब निवास पर रहती हैं तो उनके यहां पर भी बड़ी संख्या में लोगों का आना जाना तथा अपनी समस्याएं बताना जारी रहता है। उनके द्वारा भी लोगों की समस्याओं के निराकरण करने का प्रयास किया जाता है।

प्रसन्न हरणे का कार्यालय

पूर्व मंत्री स्व. मधुकर राव हरणे के सुपुत्र प्रसन्न हरणे ने भी अपने पैतृक स्थान खेड़ापति मंदिर के पास कुछ माह पूर्व कार्यालय का शुभारंभ किया। उनके यहां पर भी लोग अपनी समस्याएं लेकर पहुंचते रहे हैं।

भाजपा कार्यालय में सुनवाई

भाजपा कार्यालय में जिलाध्यक्ष प्रीति शुक्ला ने जनप्रतिनिधियों के दिन तय करते हुए अलग अलग दिन अलग अलग जनप्रतिनिधि की उपस्थिति शुरू कराई है। जिसमें अपने दिन के अनुसार सांसद विधायक उपस्थित होकर लोगों की समस्याएं सुनकर उनके निराकरण करने का प्रयास करते हैं।

लोकतीर्थ कार्यालय की विशेष चर्चा

सोहागपुर विधायक विजयपाल सिंह के द्वारा पूर्व में अनेक वर्षों से अपने क्षेत्र सोहागपुर व उनसे मिलने जुलने वाले अन्य नागरिकों से मिलने तथा उनकी समस्याएं सुनने के लिए उनकी लाज भाग्यश्री में कार्यालय जारी रखा था। लेकिन पिछले दिनों उनके द्वारा विवेकानंद घाट के पास एक बड़ा कार्यालय जिसका नाम लोकतीर्थ कार्यालय रखा गया। इस कार्यालय के शुरू होते ही शहर में चर्चा का विषय बन गया।

सरकारी कार्यालयों की भरमार फिर भी समस्याएं बेशुमार

संभाग मुख्यालय पर 11 करोड़ की लागत से आयुक्त कार्यालय और 18 करोड़ की लागत से कलेक्टर कार्यालय के भवन का निर्माण कराया गया है।

कलेक्टर कार्यालय में प्रति मंगलवार को जनसुनवाई होती है। एसपी कार्यालय में भी होने लगी है। इसके अलावा शासकीय कार्यालयों की भरमार है। इसके बाद भी समस्याएं बेशुमार हैं। इस बात की गहन समीक्षा की दरकार है।

नन्हें हाथों से कलेक्टर की कलाई पर बांधा रक्षा सूत्र

छोटी छोटी बहनों ने स्नेह से कलेक्टर एवं जिला पंचायत सीईओ को बांधी राखी

नर्मदापुरम (निप्र)। रक्षा बंधन पर्व के अवसर पर आयोजित रक्षा सूत्र कार्यक्रम के तहत कलेक्टर सोमेश मिश्रा एवं जिला पंचायत सीईओ ने पवारखेड़ा स्थित सांदीपनि विद्यालय तथा माता शबरी आवासीय कन्या शिक्षा परिसर एवं वीरांगना रानी दुर्गावती शासकीय संयुक्त सीनियर बालिका छात्रावास नर्मदापुरम पहुंचकर नन्ही-मुन्नी छात्राओं से अपनी कलाइयों पर राखियां बंधवाईं। छात्राओं ने पूरे उत्साह और आत्मीयता के साथ दोनों अधिकारियों की कलाइयों पर प्रेमपूर्वक राखियां बांधकर उन्हें रक्षाबंधन पर्व की शुभकामनाएं दीं। कलेक्टर एवं जिला पंचायत सीईओ को अपने बीच पाकर छात्राओं के चेहरे पर खुशी और उत्साह साफ दिखाई दिया। बच्चियों ने जिस आत्मीयता और अपनत्व के साथ अधिकारियों को राखी बांधी, वह पल बेहद भावुक और यादगार रहा। कलेक्टर श्री मिश्रा ने भी बच्चियों के इस स्नेह को सहजता से स्वीकार करते हुए उन्हें स्नेहाशीष दिया। कलेक्टर ने स्नेहपूर्वक बच्चों को मिठाई एवं उपहार भेंट किए।

ओपी राठौर और दीप्ति राठौर का समाज के वरिष्ठों और भाजपा पदाधिकारियों ने किया सम्मान

नर्मदापुरम (निप्र)। ओमप्रकाश राठौर को अखिल भारतीय राठौर क्षत्रिय महासभा में राष्ट्रीय मंत्री बनाया गया तो खुशनुमा माहौल हो गया बधाई देने बालो का तांता लग गया इसी के अन्तर्गत नगर भाजपा मंडल अध्यक्ष सागर शिवहरेए लोकेश कुमार तिवारी विकास राठौर ;मंडल महामंत्री एवं वार्ड नम्बर 4-5 भाजपा के शक्ति केन्द्र प्रमुख पूनम मेषकर;पार्षद रिंकू जायसवाल महेश मेषकर बोना पठान हिनाअली देवेन्द्र राठौर; झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ संयोजक विवेक राठौर राठौर समाज कोषाध्यक्ष राठौर समाज के वरिष्ठ एवं संरक्षक सेठ भगवती प्रसाद राठौर भोला राठौर अजय राठौर विजय राठौर सुरेन्द्र राठौर जगदीश राठौर कन्हैया लाल राठौर इटारसी प्रशांत राठौर एवं महिला मंडल से दीप्ति राठौर एडवोकेट; बार कोर्ट एसोसिएशन कार्यकारिणी सदस्य कांता देवी राठौर आरती राठौर पूनम राठौर भारती राठौर पूजा राठौर नेहा राठौर कंचन राठौर प्रियंका राठौर संगीता राठौर शिवानी राठौर आदि राठौर संघ भाजपा मंडल प्रमुख गणमान्य लोगो के द्वारा ओमप्रकाश राठौर राष्ट्रीय मंत्री महासभा का शाल.श्रीफल पुष्प माला पुष्प गुच्छ देकर बधाई एवं शुभकामनाएं दी श्रीमती दीप्ति राठौर एडवोकेट को अधिवक्ता संघ नर्मदापुरम में कार्यकारिणी सदस्य बनने पर पुष्प गुच्छ से एवं शाल-श्रीफल भेंट कर स्वागत किया और विवेक राठौर देवेन्द्र राठौर ने सभी उपस्थित भाजपा पदाधिकारियों समाज बन्धुओं महिला मंडल का आभार व्यक्त किया और अखिल भारतीय राठौर क्षत्रिय महासभा का आभार जताया और सभी को धन्यवाद दिया।

सेंट्रल जेल में लगा फ्री फिजियोथेरेपी और मेडिकल चेक-अप कैंप, 70 कैदियों का हुआ इलाज

नर्मदापुरम (निप्र)। सेंट्रल जेल खंड अ में कैदियों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए एक नि:शुल्क मेडिकल और फिजियोथेरेपी चेक-अप कैंप का आयोजन किया गया।कैंप में न्यूरोलॉजिस्ट और फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. ब्रजेश यादव ने लगभग 70 कैदियों का परीक्षण कर इलाज किया। अधिकांश कैदियों को पीठ दर्द, जोड़ों के दर्द, मांसपेशियों में खिंचाव और नसों से जुड़ी तकलीफें थीं, जिनका मौके पर ही उपचार और परामर्श दिया गया।इस अवसर पर जेल सुपरिटेंडेंट संतोष सोलंकी और जेलर प्रहलाद वरकड़े ने कहा कि इस तरह के स्वास्थ्य शिविर कैदियों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद होते हैं और भविष्य में भी ऐसे कैंप आयोजित किए जाते रहेंगे। कैंप में डॉ. यादव के सहयोगी के रूप में अरुण यादव, शरद यादव और अजय पटेल ने सेवाएं दीं।कार्यक्रम का संचालन डॉ. मयंक तोमर ने किया। जेल विभाग की ओर से अष्टकोण अधिकारी उम्मेद मेहुने, लाखन सिंह राणा और अक्षय श्रीवास्तव ने समाजसेवी भावना बिष्ट, डॉ. मयंक तोमर और डॉ. ब्रजेश यादव का आभार व्यक्त करते हुए पौधा भेंट कर सम्मानित किया।

जनसुनवाई में 82 आवेदनों पर हुई सुनवाई

अतिक्रमण, आवास,सुरक्षा, सीमांकन जैसे अन्य राजस्व मामलों से संबंधित 82 आवेदन हुए प्राप्त

नर्मदापुरम (निप्र)। मंगलवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय में जिला पंचायत सीईओ हिमांशु जैन की अध्यक्षता मे जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें सीईओ श्री जैन ने अधिकारियों के साथ जनसामान्य की समस्याओं पर गंभीरता से सुनवाई की गई। जनसुनवाई में आए 82 आवेदनों पर सुनवाई कर उनका निराकरण किया। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को प्राप्त आवेदनों का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए। मंगलवार को जनसुनवाई में आए ग्राम मकोडिया निवासी वीरेंद्र कुमार लोवंशी ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की राशि प्रदाय न होने के सम्बन्ध में आवेदन दिया। जिस पर श्री जैन ने संबंधित अधिकारी को जांच कर शीघ्र सहायता प्रदाय करने हेतु निर्देशित किया। नर्मदापुरम निवासी रश्मि गुप्ता ने उनकी भूमि के राजस्व अभिलेख दुरुस्त कराने के सम्बन्ध में आवेदन दिया। जिस पर श्री जैन ने अनुविभागीय अधिकारी नर्मदापुरम को जांच कर शीघ्र अभिलेख दुरुस्त करने के निर्देश दिए। एक अन्य मामले में नर्मदापुरम निवासी भावेश श्रोती ने अपने पिता की मृत्यु के पश्चात उनके स्थान पर अनुकंपा नियुक्ति प्रदाय करने के सम्बन्ध में आवेदन दिया। जिस पर श्री जैन ने संबंधित अधिकारी को जांच कर समस्या का निराकरण करने के निर्देश दिए। ग्राम रायपुर निवासी गोविंद कहार ने विद्युत पोल से करेंट लगने के कारण गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उन्होंने ने उपचार हेतु सहायता राशि प्रदाय करने के सम्बन्ध में आवेदन दिया। जिस पर श्री जैन ने संबंधित अधिकारी को नियमानुसार सहायता राशि प्रदाय करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई मे आए पेंशन, सीमांकन, अतिक्रमण, विद्युत, राजस्व सम्बन्धी आवेदनों पर सुनवाई कर उनका त्वरित निराकरण किया गया। जनसुनवाई में कलेक्टर राजेश शुक्ला, अनुविभागीय अधिकारी देवेन्द्र प्रताप सिंह सहित अन्य सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

सीवरेज कंपनी द्वारा लापरवाहीपूर्ण कार्य पर नाराज हुई नपाध्यक्ष

जल्दी ठीक करें अन्यथा एफआईआर कराई जाएगी

नर्मदापुरम (निप्र)। भूगन इंफ्रा कंपनी के कर्मचारियों द्वारा किए जा रहे लापरवाहीपूर्ण कार्य के कारण आमजन बेहद परेशान हो रहे हैं। नगर में कहीं न कहीं की सड़क खोदकर पाइप लाइन क्षतिग्रस्त करना आदि कार्य प्रतिदिन का हो गया है। मीनाक्षी चौक पर लगता जाम देखकर आज नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव बेहद नाराज हुई और समय सीमा में कंपनी द्वारा रिस्टोरेशन नहीं करने पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि यह काम जल्द से जल्द पूरा करें अन्यथा फिर से आपके ऊपर एफआईआर कराई जाएगी। ध्यान रहे कि मीनाक्षी चौक का चौड़ीकरण का कार्य हुआ है। वहीं सीवेरज कंपनी द्वारा नपा में बगैर किसी सूचना दिए लापरवाहीपूर्ण कार्य करने से पेयजल पाइप लाइन क्षतिग्रस्त हो गई थी। जिसकी मरम्मत करने हेतु विशालकाय गड्ढा खोदा गया था जिससे सड़क सकड़ी हो गई थी और आए दिन जाम की स्थिति निर्मित होती थी। सीवरेज कंपनी द्वारा रिस्टोरेशन करने में लगातार लापरवाही बरती जा रही थी। नपाध्यक्ष श्रीमती यादव ने बताया कि हमने भूगन इंफ्रा कंपनी के अधिकारी और कर्मचारियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि मीनाक्षी चौक का कार्य जल्द से जल्द करें और आमजन को होने वाली परेशानी से निजात दिलाएं। अन्यथा आपके विरूद्ध कड़ा एक्शन लेंगे।

नर्मदापुरम में अवैध मदिरा के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई, 53 हजार की शराब और लाहन जब्त

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर नर्मदापुरम सोमेश मिश्रा के निर्देश एवं जिला आबकारी अधिकारी डॉ. राजीव प्रसाद द्विवेदी के मार्गदर्शन में जिले में अवैध मदिरा के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत आबकारी विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। सोमवार को वृत्त पिपरिया के बनखेड़ी क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पिपरपानी, धड़ाव, पड़ाव, उमरधा और बनखेड़ी में दबिश दी गई।

कार्रवाई के दौरान मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम के तहत कुल 7 प्रकरण कायम किए गए। मौके से लगभग 400 किलोग्राम महुआ लाहन, 55 लीटर हाथभट्टी मदिरा तथा 25 पाव देशी एवं विदेशी मदिरा जब्त की गई। जब्त सामग्री की अनुमानितकीमत लगभग 53,000 रुपये आंकी गई है। आबकारी विभाग ने बताया कि जिले में अवैध मदिरा निर्माण एवं विक्रय के विरुद्ध अभियान निरंतर जारी रहेगा।

जिले में 1 जून से आज दिनांक तक 636.8 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज

नर्मदापुरम (निप्र)। जिले में 1 जून 2026 से आज दिनांक को प्रात: 8 बजे तक जिले में 636.8 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज हुई है। गत वर्ष इसी अवधि में 1083.6 मिलीमीटर औसत वर्षा हुई थी। तहसीलदार भू-संसाधन प्रबंधन नर्मदापुरम ने बताया है कि 24 अगस्त से 25 अगस्त 2026 को प्रात: 8 बजे तक तहसील नर्मदापुरम में 8.0 मिलीमीटर, सिवनीमालवा में 38.0 मिलीमीटर, इटारसी 3.4 मिलीमीटर, माखननगर में 5.0 मिलीमीटर, सोहागपुर में 17.0 मिलीमीटर, पिपरिया में 3.6 मिलीमीटर, बनखेड़ी में 2.2 मिलीमीटर, पचमढी में 21.0 एवं तहसील डोलरिया 37.4 मिलीमीटर वर्षा दर्ज हुई है। तहसीलदार भू-संसाधन प्रबंधन नर्मदापुरम ने बताया कि वर्तमान में सेठानी घाट का जलस्तर 949.10 फीट है, तवा जलाशय का 1147.20 फीट है, बरगी जलाशय का 420.70 मीटर एवं बारना जलाशय 346.91 मीटर दर्ज किया गया है। उल्लेखनीय है सेठानी घाट का अधिकतम जल भराव 967.00 फीट है, तवा जलाशय का अधिकतम जल भराव 1166.00 फीट है, बरगी जलाशय का जल भराव 422.76 मीटर है तथा बारना जलाशय का अधिकतम जल भराव 348.55 मीटर है।

चार सप्ताहीय रोबोटिक्स एवं IOT इंटर्नशिप का सफल समापन

नर्मदापुरम (निप्र)। शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज, नर्मदापुरम में चार सप्ताह से चल रहे रोबोटिक्स विद इंटरनेट ऑफ थिंग्स (IoT) इंटर्नशिप कार्यक्रम का मंगलवार, 25 अगस्त 2026 को सफलतापूर्वक समापन हुआ।इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में महाविद्यालय के 54 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। चार सप्ताह तक चले इस गहन प्रशिक्षण में विद्यार्थियों को आधुनिक रोबोटिक्स एवं IoT तकनीकों का प्रैक्टिकल ज्ञान दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों को लाइन फॉलोइंग रोबोट, एज अवॉइडिंग रोबोट और मोबाइल कंट्रोल रोबोट का निर्माण और संचालन करना सिखाया गया। इसके साथ ही उन्हें माइक्रोकंट्रोलर प्रोग्रामिंग और एम्बेडेड सिस्टम का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया।यह इंटर्नशिप Innovation For You Group, Bhopal द्वारा आयोजित की गई थी, जिसका संचालन ग्रुप के अनुभवी प्रशिक्षकों कपिल सोनी एवं पूजा साहू द्वारा किया गया। प्रशिक्षकों ने प्रोजेक्ट आधारित शिक्षण पद्धति से विद्यार्थियों को रोबोटिक्स और IoT के नवीनतम औद्योगिक अनुप्रयोगों से परिचित कराया।समापन समारोह में मुख्य अतिथि महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रेम चंद नरवरे ने सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए।

सीएम हेल्पलाइन के निराकरण में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर अधिकारियों को प्रदान किए गए प्रशस्ति पत्र

नर्मदापुरम (निप्र)। सीएम हेल्पलाइन शिकायतों के प्रभावी एवं समयबद्ध निराकरण में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विभागों के अधिकारियों को कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। यह प्रशस्ति पत्र 85 प्रतिशत से अधिक वेटेज स्कोर प्राप्त करने वाले अधिकारियों को प्रदान किए गए। कलेक्टर ने अधिकारियों के बेहतर प्रदर्शन की सराहना करते हुए सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों का गंभीरता एवं प्राथमिकता के साथ निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।इस अवसर पर ऊर्जा विभाग के महाप्रबंधक विनीत कुमार बागडे को 94.28 प्रतिशत वेटेज स्कोर प्राप्त करने पर प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग अनिल कुमार को 90.79 प्रतिशत, प्रभारी जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग संजय कुमार जैन को 94.87 प्रतिशत तथा प्रभारी उपसंचालक, सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण सुश्री सीमा बडोले को 92.84 प्रतिशत वेटेज स्कोर प्राप्त करने पर सम्मानित किया गया।

नन्हे कदमों ने बिखेरा संस्कृति का उल्लास

स्प्रिंगडेल्स स्कूल में सजा रक्षाबंधन-जन्माष्टमी महोत्सव

नर्मदापुरम (निप्र)। स्प्रिंगडेल्स सीनियर सेकेंण्डरी स्कूल में मंगलवार को रक्षाबंधन एवं जन्माष्टमी महोत्सव हर्षोल्लास उमंग और सांस्कृतिक रंगों के साथ भव्य रूप से मनाया गया। विद्यालय के बृहस्पति हॉल में आयोजित इस विशेष समारोह में बाल वाटिका के नर्सरी से लेकर कक्षा दूसरी तक के नन्हे-मुन्ने बच्चों ने अपनी मनमोहक प्रस्तुतियों से सभी का दिल जीत लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राजेश शर्मा प्राचार्य शा. शाला एसपीएम, आशा दुबे अध्यक्ष ब्राह्मण महिला संगठन जूही चटर्जी डॉ आशीष चटर्जी सुभाशीष चटर्जी डायरेक्टर एवं प्राचार्य मोना चटर्जी उपस्थित रहीं। स्वागत एवं स्वागत गीत के पश्चात कविता पाठ, एलकेजी एवं यूकेजी के बच्चों के आकर्षक नृत्य, कक्षा पहली एवं दूसरी के विद्यार्थियों द्वारा रक्षाबंधन पर आधारित भावपूर्ण नाटिका, श्लोक वाचन, जन्माष्टमी की नाटिका तथा मनमोहक समूह नृत्य जैसी प्रस्तुतियों ने समारोह में चार चांद लगा दिए। महोत्सव को विशेष और यादगार बनाने के लिए बच्चों ने अपने माता.पिता के साथ मिलकर थाली सज्जा, मटकी सज्जा, राखी निर्माण एवं कृष्ण पोशाक कार्यशाला में उत्साहपूर्वक भाग लिया। बच्चों द्वारा तैयार की गई सुंदर एवं आकर्षक कलाकृतियों की प्रदर्शनी भी लगाई गई। जिसे उपस्थित अतिथियों एवं अभिभावकों ने खूब सराहा। इन रचनात्मक गतिविधियों ने बच्चों को अपनी कल्पनाशीलता प्रदर्शित करने के साथ.साथ भारतीय त्योहारों की समृद्ध परंपराओं और सांस्कृतिक मूल्यों से जुड़ने का अवसर प्रदान किया। नन्हे कलाकारों के आत्मविश्वास, उत्साह और शानदार अभिनय पर पूरा सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। डायरेक्टर डॉ आशीष चटर्जी ने सभी अतिथियों अभिभावकों एवं बच्चों को रक्षाबंधन और जन्माष्टमी की शुभकामनाएं दीं।

उन्होंने कहा कि भारतीय पर्व हमारी संस्कृति संस्कारों और पारिवारिक मूल्यों की अमूल्य धरोहर हैं। ऐसे आयोजन बच्चों को अपनी जड़ों से जोड़ते हुए उनके व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। प्राचार्य राजेश शर्मा एवं श्रीमती आशा दुबे विशिष्ट अतिथि एवं निर्णायक के रूप में बच्चों की प्रस्तुतियों का मूल्यांकन करने पहुंचे जबकि डायरेक्टर जूही चटर्जी ने भी उपस्थित रहकर नन्हे कलाकारों का उत्साहवर्धन किया।रक्षाबंधन की प्रस्तुतियों में भाई.बहन के अटूट प्रेम, स्नेह और विश्वास की भावपूर्ण झलक देखने को मिली, वहीं जन्माष्टमी की नाटिका एवं कृष्ण.कन्हैया की मनमोहक वेशभूषा में सजे बच्चों ने भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं को जीवंत कर दिया। नन्हे.मुन्ने राधा.कृष्ण की मनोहारी छवियों ने सभी का मन मोह लिया।कार्यक्रम के अंत में विभिन्न गतिविधियों एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। आभार प्रदर्शन के साथ समारोह का समापन हुआ। आयोजन को सफल बनाने में प्रभारी दीप्ति पलिया, मंगला केवट कीर्ति मालवीय आरुषी चौबे अमिता यदुवंशी एवं एकता तिवारी सहित विद्यालय के समस्त स्टाफ का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

पश्चिम मध्य रेल

शुद्धि पत्र

Office of the, Dy. Chief Electrical Engineer, Project/JBP

No:JBP/Project/EPC/2025/01R

Dt: 21.08.2026

'टेंडर संख्या JBP/Project/EPC/2025/01R दिनांक: 04.08.2026 में सुधार नोटिस संख्या 1 से 4 तक, **ireps.gov.in** वेबसाइट पर जारी किए गए हैं। विवरण के लिए, टेंडर करने वालों से अनुरोध है कि वे सुधार नोटिस देखें।' **(हस्ता.)**

Dy.CEE/P/JBP

स्वच्छ भारत अभियान, एक कदम स्वच्छता की ओर

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एव श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा ''शिवरानी भवन'', क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित। स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com